महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

▸ भोपाल, रविवार 15 फरवरी 2026 ▸ फाल्गुन कृष्ण पक्ष 13 ▸ विक्रम संवत 2082 ▸ वर्ष 69 ▸ अंक 138 ▸ पृष्ठ 12 ▸ महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

महामुकाबला आजः टी-20 वर्ल्ड कप में 4 महीने बाद फिर आमने-सामने होंगे चिर प्रतिद्वंद्वी भारत-पाकिस्तान

प्रेमदासा की पिच पर उमड़ेगा जज्बातों का सैलाब

कोलंबो, जेएनएन। क्रिकेट के मैदान पर कुछ मुकाबले केवल अंक तालिका के लिए नहीं, बल्कि भावना, इतिहास और पहचान के लिए भी खेले जाते हैं। भारत बनाम पाकिस्तान के बीच टी-20 वर्ल्ड कप का महामुकाबला उन्हीं में से एक है। क्रिकेट की दुनिया की ये चिर परिचित प्रतिद्वंद्वी टीमें चार महीने बाद रविवार को फिर आमने-सामने होंगी। जब ये दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरती हैं, तो रोमांच की सारी हदें टूट जाती हैं। करोड़ों फैंस की भावनाओं का सैलाब उमड़ता है जो खिलाड़ियों को रोमांचित करने के साथ ही उकसाने का भी काम करता है।

टूर्नामेंट की दृष्टि से देखें तो इस मैच पर बहुत कुछ दांव पर नहीं है, लेकिन दोनों देशों के प्रशंसकों के लिए यह मुकाबला किसी फाइनल से कम नहीं। पिछले कुद हफ्तों में इस मैच के होने को लेकर भी अनिश्चितता थी, लेकिन जैसे ही पुष्टि हुई कि मुकाबला होगा, क्रिकेट जगत में उत्साह चरम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के लिए भी यह मुकाबला बेहद अहम है, क्योंकि इस एक मैच से दर्शकों की संख्या, प्रसारण और व्यावसायिक आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में कहा था कि अब यह मुकाबला 'राइवलरी' नहीं रहा। उनका इशारा भारत की हालिया बढ़त की ओर था। एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को तीन अलग-अलग तरीकों से हराया- एक बार गेंदबाजी से, एक बार बल्लेबाजी से और एक बार मानसिक बढ़त से। भारत की टी-20 टीम इस समय सर्वाधिक संतुलित और मजबूत होने के साथ आक्रामक भी है।

दूसरी ओर पाकिस्तान के लिए तस्वीर उतनी सरल नहीं है। पिछले एक दशक में भारत के खिलाफ उन्हें केवल तीन जीत मिली हैं, जबकि हारों की संख्या 17 तक पहुंच गई है। हालांकि, 2021 में 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत और मेलबर्न की यादें पाकिस्तानी प्रशंसकों के मन में ताजा हैं। पाकिस्तान के लिए यह मुकाबला केवल क्रिकेट नहीं, आत्मविश्वास की परीक्षा भी है।

"जब आप भारत-पाकिस्तान का मैच खेलते हैं, तो यह सिर्फ एक मुकाबला नहीं होता, यह एक खास अवसर होता है। यह एक मंच होता है। आप चाहे जो कह लें कि यह बस एक और मैच है, लेकिन आप जानते हैं कि आप कौन सा मैच खेलने जा रहे हैं। और हम अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खेलते।"

■ **सूर्यकुमार यादव,** भारतीय कप्तान

"हम कोलंबो में ठहरे हुए हैं और अपने सभी मैच यहीं खेल रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसे फायदा कैसे माना जाए। मैदान पर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना होगा, अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करना होगा, नहीं तो आप जीत नहीं सकते। सिर्फ यहां ठहरने से यह नहीं हो जाता कि आप मैच जीत जाएंगे।"

■ **सलमान आगा,** पाकिस्तानी कप्तान

टूर्नामेंट पर असरः दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमें टूर्नामेंट में 2-0 के रिकॉर्ड के साथ पहुंच रही हैं। हार भी जाएं तो अगले दौर में पहुंचने की संभावना बनी रहती है। यानी यह मुकाबला अपने आप में एक स्वतंत्र घटना है। यानी यह मुकाबला टूर्नामेंट से अलग है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा बड़ा भी है।

पांड्या और फरहान पर रहेंगी नजरें

- हार्दिक पांड्या भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ हमेशा खास साबित हुए हैं। उनकी गेंदबाजी औसत और इकॉनमी पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रही है। 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में उनकी 76 रन की पारी आज भी याद की जाती है। हालिया मुकाबलों में उन्होंने बाबर आजम, सैम अयूब और फखर जमान को आउट किया है।
- पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान पर नजरें होंगी। एशिया कप में उन्होंने भारत के खिलाफ लगातार अर्धशतक जमाए थे और बुमराह के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की थी। पाक को जीत चाहिए, तो शीर्ष क्रम से बड़ी साझेदारी जरूरी होगी।

टीम संयोजन

- भारत संभवतः अतिरिक्त स्पिनर के साथ उतर सकता है।
- अभिषेक शर्मा की वापसी तय मानी जा रही है।
- वहीं पाकिस्तान बाबर आजम को मध्यक्रम में बनाए रख सकता है और बड़े बदलाव की संभावना कम है।

भारत का पलड़ा भारी

- टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का पाक के खिलाफ रिकॉर्ड 7-1 है।
- अभिषेक शर्मा का स्ट्राइक रेट 194 से ज्यादा है, जो हाल के वर्षों में सर्वश्रेष्ठ में से एक है।
- शाहीन अफरीदी ने 2024 के बाद से टी-20 में पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

ऑफ बीट

फिल्म 'डॉन 3' का विवाद गहराया

बॉलीवुड की चर्चा में बनी 'डॉन 3' विवाद की आग अब और भड़क गई है। इस फिल्म को लेकर पहले से ही तनातनी चल रही थी, लेकिन अब मामला प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया तक पहुंच गया है। दोनों पक्षों, अभिनेता रणवीर सिंह और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर के बीच बातचीत औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में बड़ा फैसला होने की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक महीने के अंत में प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया दोनों पक्षों को बुलाकर मध्यस्थता करेगा, ताकि विवाद के सारे पहलुओं को बैठकर सुलझाया जा सके। अधिकारियों ने बताया है कि दोनों को लगभग 10 दिनों का समय दिया जाएगा समाधान के लिए। मामला सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन तक पहुंच सकता है।

महाशिवरात्रि पर विशेष पेज-8 पर

रिटायर्ड अधिकारी 20 साल पब्लिश नहीं करा सकेंगे बुक!

नई दिल्ली,जेएनएन। रिटायरमेंट के बाद सीनियर पोस्ट पर रहे अधिकारियों के लिए 20 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने की तैयारी है। इस दौरान अफसर सर्विस से जुड़ी किताब प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। हाल ही में पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की प्रकाशित किताब विवादों में है। शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। कई मंत्रियों का मानना था कि सैन्य अधिकारियों समेत अहम पदों पर रहे अफसरों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड होना चाहिए।

टी-20 वर्ल्ड में आज

नेपाल बनाम वेस्टइंडीज
समय : सुबह 11.00 बजे से

यूएसए बनाम नमीबिया
समयः दोपहर 3.00 बजे से

भारत बनाम पाकिस्तान
समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

सीएम ने किया 80 कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

बुरहानपुर में होगी एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

बुरहानपुर/भोपाल,जेएनएन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित मप्र के निर्माण में हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। सीएम ने यह बात शनिवार को बुरहानपुर के नेहरू स्टेडियम में 696.37 करोड़ के 80 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन अवसर पर कही। सीएम ने घोषणा की कि बुरहानपुर में एग्रीकल्चर बेस्ड रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी। सीएम ने विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा, बुरहानपुर पावरलूम और कपड़ा उद्योग का प्रमुख केंद्र है, जिसे 'बुनकरों का शहर' कहा जाता है। कपास, केला जैसी फसलों के लिए प्रसंस्करण और निर्यात सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। ताप्ती ग्राउंड वॉटर मेगा रिचार्ज परियोजना से जिले में सिंचाई सुविधाएं बढ़ेंगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। राज्य सरकार किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और विधायक अर्चना चिटनीस भी मौजूद रहीं।

बुरहानपुर में विकास प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. मोहन यादव।

मिनी एयरपोर्ट की भी घोषणा

इस मौके पर सीएम ने कहा कि बुरहानपुर में मिनी एयरपोर्ट बनाया जाएगा और शाहपुर नगर परिषद को परीक्षण के बाद नगर पालिका का दर्जा दिया जाएगा। वारकरी समुदाय के लिए कीर्तन केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। केला उत्पादक किसानों के लिए जिले में वैल्यू एडिशन, भंडारण और प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुरहानपुर सहकारी सूत मिल के श्रमिकों को बकाया राशि का भुगतान कराया जाएगा और जिले में नए उद्योग-धंधे लगाए जाएंगे। युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू होंगे।

रेस्टोरेंट में खाने के शौकीनों के लिए खुशखबरी, दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

सर्विस चार्ज अनिवार्य नहीं कर सकते रेस्टोरेंट

नई दिल्ली, जेएनएन। आप जब भी अगली बार किसी रेस्टोरेंट में खाना खाएं, तो भुगतान से पहले बिल जरूर देख लें। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि रेस्टोरेंट किसी पर भी सर्विस चार्ज अनिवार्य नहीं कर सकते हैं। यह पूरी तरह ग्राहक की मर्जी पर निर्भर होना चाहिए कि वह सर्विस चार्ज देना चाहता है या नहीं।

यह नया फैसला रेस्टोरेंट में खाना खाने के शौकीनों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। कई जगह खाने के बिल में जीएसटी के साथ सर्विस चार्ज जोड़ दिया जाता है, जो ग्राहक को मजबूरन देना पड़ता है, लेकिन नए कानून के बाद अब ग्राहक इस सर्विस चार्ज को हटाने के लिए

कह सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी की गाइडलाइंस को सही ठहराया है, जिनमें रेस्टोरेंट्स को खुद सर्विस चार्ज जोड़ने या उसे अनिवार्य बताने से रोका गया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने भी हाल ही में आए अदालत के आदेश का संज्ञान लेते हुए दोबारा स्पष्ट किया कि रेस्टोरेंट के बिल में सर्विस चार्ज अपने-आप जोड़ना कंज्यूमर प्रोटेक्शन कानूनों के खिलाफ है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि जो रेस्टोरेंट इस नियम का उल्लंघन करते रहेंगे, उनके खिलाफ जुर्माना और अन्य कार्रवाई की जा सकती है। सीसीपीए ने होटलों और रेस्टोरेंट्स में सर्विस चार्ज से जुड़ी प्रैक्टिस रोकने के लिए स्पष्ट गाइडलाइंस जारी की हैं। इन गाइडलाइंस के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि ग्राहक पर कोई भी अनावश्यक शुल्क जबरदस्ती न थोपा जाए और बिल में सर्विस चार्ज जोड़ना पूरी तरह ग्राहक की इच्छा पर निर्भर हो।

विसरा रिपोर्ट में खुलासाः जहरीले कफ सिरप से ही हुई थी 24 बच्चों की मौत

जागरण, छिंदवाड़ा। प्रदेश के छिंदवाड़ा में बीते साल कफ सिरप कांड में 24 बच्चों की मौत का मामला देशभर में चर्चा में रहा था। अब मामले में आई विसरा रिपोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि बच्चों की मौतें जहरीले रसायन डाई-एथिलीन ग्लाइकॉल से हुई थी। यह रसायन कोल्ड्रिफ कफ सिरप में निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में पाया गया है। सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था। अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई और तेज होने की संभावना है। मामले की अगली सुनवाई में सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश करने के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। परासिया के एसडीओपी एवं एसआईटी प्रभारी जितेंद्र सिंह जाट ने बताया कि मृत बच्चों के आंतरिक अंगों की जांच में डाई एथिलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई है। यह रसायन किडनी पर गंभीर प्रभाव डालता है और अंगों को निष्क्रिय कर देता है। कफ सिरप के नमूनों में भी यही केमिकल अत्यधिक मात्रा में मिला है। रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट हो गया है कि मौतें जहरीली दवा के सेवन से हुईं। एसआईटी के अनुसार, विसरा रिपोर्ट के आधार पर अब सप्लीमेंट्री चार्जशीट कोर्ट में पेश की जाएगी।

अब तक 11 गिरफ्तार

मामले में कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के मालिक रंगनाथन, दवा लिखने वाले डॉ. प्रवीण सोनी, स्टॉकिस्ट और केमिकल विश्लेषक सहित कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

सीजेआई बोले- जज अपनी सीमाएं पहचानें

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब वे स्वयं को पूरी तरह परफेक्ट दिखाने लगते हैं। उन्होंने जजों को अपनी सीमाएं पहचानने और गलतियों से सीखने की सलाह दी। सीजेआई सूर्यकांत कॉमनवेल्थ ज्यूडिशियल एजुकेटर्स की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने न्यायिक नेतृत्व के नजरिए में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया और राष्ट्रमंडल देशों में न्यायिक शिक्षा, बार और बेंच को जोड़ने के लिए एक संस्थागत तंत्र विकसित करने का सुझाव दिया।

स्टडी भारतीय जोड़े बेवफाई को दे रहे नई परिभाषा

संबंध ही नहीं, अन्य के बारे में सोचना भी बेवफाई

जेएनएन, नई दिल्ली। भारतीय दंपति के संदर्भ में शादी से बाहर किसी अन्य से शारीरिक संबंध बनाने को बेवफाई कहा जाता रहा है, लेकिन अब बात और आगे बढ़ गई है, या यूं कहें कि भारतीय जोड़े अब शादी निभाने के प्रति सख्त हैं। शादी से बाहर किसी अन्य के साथ भावनात्मक और मानसिक संबंधों को भी बेवफाई के रूप में देखा जा रहा है। पारिवारिक रिश्तों की काउंसलिंग कराने वाली संस्था और उससे जुड़े एक एप के सर्वे में यह खुलासा हुआ है।

भारतीय विवाहों में बेवफाई पर ग्लीडेन और आईपीएसओएस के सर्वे में विवाहित भागीदारों के बीच गहरी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक अंतरंगता में बदलाव देखा गया है। प्रौद्योगिकी के विकास से भारत में बेवफाई की परिभाषा बदल गई है। विवाह में सिर्फ अंतरंग संबंधों में वफादार होना ही काफी नहीं है, बल्कि इसमें भावनात्मक और मानसिक निष्ठा भी शामिल है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी (अधिक विशेष रूप से, डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया) दोस्ती, छेड़खानी और इच्छा के बीच की सीमाओं को हटा रही है, लोगों को वफादारी का मतलब फिर से परिभाषित करना पड़ रहा है। भावनात्मक निकटता और मानसिक व्याकुलता, जिसे पहले हानिरहित माना जाता था, आज जोड़ों के लिए तेजी से विश्वासघात के अर्थ का हिस्सा बन रही है। ग्लीडेन के सर्वे में टियर 1, टियर 2 शहरों के लोगों में 1,510 से 40 प्रतिशत भारतीय वयस्कों का कहना है कि किसी और के साथ भावनात्मक संबंध भी बेवफाई का एक रूप है। गुवाहाटी में 52, पटना में 44 व कोलकाता में 40 प्रतिशत लोगों ने संकेत दिया कि जीवन साथी के अलावा किसी और से भावनात्मक बंधन विकसित करना विश्वास के रिश्ते का घोर उल्लंघन है। बेंगलुरु (37), हैदराबाद (33) जैसे बड़े महानगरों में भी भावनात्मक विश्वासघात शारीरिक विश्वासघात जितना ही हानिकारक माना गया है। 2026 में शादी का मतलब सिर्फ शारीरिक तरीकों से वफादार बने रहना नहीं है, बल्कि जोड़े में भावनात्मक और मानसिक निष्ठा भी होनी चाहिए।

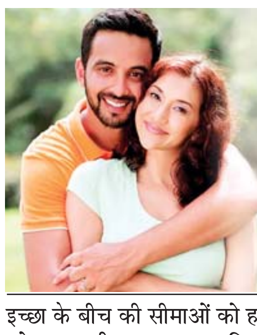

अब यह सिर्फ एक अफेयर नहीं

पिछले दशक में बेवफाई में सबसे महत्वपूर्ण बात अंतरंग संबंधों पर आधारित थी। आज, 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि नियमित साथी के साथ विवाह के बाहर यौन अंतरंगता बेवफाई है। 47 प्रतिशत ने कहा कि विवाह के बाहर किसी भी प्रकार का अंतरंग संबंध बेवफाई है। अंततः और आश्चर्यजनक रूप से 40 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वन नाइट स्टैंड धोखा है। शहरी स्तर पर भी यही प्रवृत्ति जारी है। गुवाहाटी (62 प्रतिशत) और मुंबई (60 प्रतिशत) में व्यभिचार के प्रति निंदनीय दृष्टिकोण सामने आया है। हैदराबाद (40 प्रतिशत) और बेंगलुरु (59 प्रतिशत) काफी पीछे हैं।

रात 2 बजे आदेश, 12.30 बजे मनीष ने संभाल ली जनसंपर्क की कमान

प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव: आबकारी आयुक्त बनाए गए सक्सेना ने सौंपा कार्यभार, एसीएस स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा बने अशोक वर्णवाल

जागरण, भोपाल। प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट और बदलाव अब सरकारी आदेशों के क्रियान्वयन में भी नजर आने लगा है। आदेशों पर अमल की गति इतनी तेज है कि शुक्रवार रात दो बजे 11 सीनियर आईएएस अफसरों का आदेश राज्य शासन द्वारा जारी किया गया और महज साढ़े 10 घंटे के अंदर शनिवार दोपहर साढ़े 12 बजे नए जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह ने अपना पदभार संभाल लिया। आबकारी आयुक्त बनाए गए निवृतमान जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना ने उन्हें कार्यभार सौंपा। आधा घंटे बाद करीब 1 बजे सिंह माध्यम पहुंचे और वहां एमडी का पदभार संभाला। तेज तर्रार छवि और त्वरित कार्यशैली वाले अफसरों में शुमार आईएएस सिंह अभी तक परिवहन सचिव सहित सीईओ इंटरस्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, एमडी मप्र राज्य सड़क परिवहन भी थे। जेल सचिव को छोड़कर सभी पुराने पदों के साथ वे जनसंपर्क आयुक्त व एमडी मप्र माध्यम भी रहेंगे। मनीष करीब दो साल पहले भी जनसंपर्क आयुक्त रह चुके हैं। मगर तब उनका कार्यकाल काफी छोटा रहा था। दिसंबर 2023 में नई सरकार का गठन होते ही उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। वहीं आबकारी आयुक्त बनाए गए दीपक सक्सेना का कार्यकाल भी जनसंपर्क में काफी छोटा रहा। वे मात्र चार माह ही इस पद पर रह सके।

सक्सेना ने मनीष सिंह का पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

नई आबकारी नीति लागू होने के ठीक पहले करीब दो साल से आबकारी आयुक्त रहे अभिजीत अग्रवाल को प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ में पदस्थ कर सक्सेना को जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुक्रवार रात दो बजे निकाले गई आदेश में उक्त अधिकारियों सहित कुल 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए थे।

इनके भी हुए तबादले

नाम	वर्तमान	नई जिम्मेदारी
अशोक वर्णवाल	एसीएस वन व पर्यावरण, आयुक्त कृषि उत्पादन, डीजी एप्को	एसीएस स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, गैस त्रासदी, पर्यावरण तथा आयुक्त कृषि उत्पादन, डीजी एप्को
संदीप यादव	प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा	प्रमुख सचिव वन एवं प्रभारी भारतीय का अति. प्र. गैस त्रासदी, प्रवासी भारतीय
दीपक सक्सेना	आयुक्त जनसंपर्क	आयुक्त, आबकारी
अभिजीत अग्रवाल	आबकारी आयुक्त	प्रबंध संचालक राज्य सहकारी विपणन संघ
अजय गुप्ता	संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास	एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर
उमाशंकर भार्गव	अपर सचिव राजभवन	संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास
सुनील दुबे	सीईओ जिला पंचायत भिंड	उप सचिव, राजभवन
संघमित्रा गौतम	उपसचिव, उच्च शिक्षा विभाग	सीईओ, जिला पंचायत आलीराजपुर
नंदा भलावे कुशरे	सीईओ जिला पंचायत आगर मालवा	अपर परियोजना संचालक राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
कमल सोलंकी	उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग	सीईओ, जिला पंचायत रायसेन

इनके भी बदले पद सूची में राज्य प्रशानिक सेवा के भी चार अधिकारियों के पदभार बदले गए हैं। इनमें भुरला सिंह सोलंकी को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आगर मालवा, मिलिंद कुमार को जिला पंचायत खरगोन, वीर सिंह चौहान को जिला पंचायत भिंड और राकेश शर्मा को मुख्य महाप्रबंधक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बनाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

छात्राओं को साइबर सुरक्षा की चुनौतियों के बारे में समझाया

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और नूतन कालेज द्वारा शनिवार को साइबर सुरक्षा चुनौतियों एवं समाधान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व आईएएस ओपी रावत द्वारा की गई। प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की महता और आज के समय में इसकी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ शिक्षकों की ही नही, बल्कि छात्राओं के लिए भी अति महत्वपूर्ण है। इस समस्या से किस प्रकार हम स्वयं को एवं अपने परिवार तथा साथियों की सुरक्षा कर सकते हैं इसकी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस केके सेठी, विशिष्टि अतिथि पूर्व आईपीएस नरेंद्र प्रसाद रहे। कार्यक्रम के मुख्य बीज वक्ता राज्य साइबर सेल एसपी प्रणय नागवंशी ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि किस प्रकार साइबर स्कैम किया जाता है एवं किस किस ऐप को अपने मोबाइल में डाउन लोड कर इन स्कैमों से बचा जा सकता है। चक्षु ऐप तथा अन्य ऐप किस प्रकार हमारे मोबाइल को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

राज्यपाल से जस्टिस संदीप एन भट्ट ने की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से शनिवार को लोकभवन में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के जज जस्टिस संदीप एन भट्ट ने सौजन्य भेंट की। लगभग दस मिनट तक चली इस औपचारिक मुलाकात के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई। इससे पहले जस्टिस संदीप भट्ट ने राज्यपाल को पुश्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके अलावा शनिवार को ही राज्यपाल मंगुभाई पटेल से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा ने भी लोकभवन में सौजन्य भेंट की। इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान राच्यपाल ने डॉ. मिश्रा को अंग वस्त्रम् और सांची स्तूप की प्रतिकृति स्मृति स्वरूप भेंट की।

बजट में हो सातवां वेतनमान व कैशलेस इलाज का प्रावधान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश के वित्त मंत्री को मांग पत्र सौंप कर मांग की है कि 18 फरवरी को प्रस्तुत किए जा रहे मप्र सरकार के बजट में प्रदेश के कर्मचारी स्थाई कर्मियों दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन कर्मचारी के लिए प्रमुखता से प्रावधान किए जाएं। नियमित कर्मचारियों को तीन प्रतिशत डीए स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ, प्रदेश के साढ़े सात लाख कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सुविधा, दैनिक वेतन भोगियों को नियमित करने कर्मचारियों को कलेक्टर दर का वेतन देने का प्रावधान बजट में आवश्यक रूप से किया जाए। मांग करने वालों में अशोक पांडे, सुधीर नायक, सुनील पाठक, सत्येंद्र पांडे, हरि सिंह गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर, नितिन गुप्ता समेत दर्जनों कर्मचारी शामिल हैं। कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारी कैशलेस इलाज की सुविधा, आठवें वेतन आयोग का गठन, स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ, अंशकालीन कर्मचारी कलेक्टर दर की पात्रता देने की मांग कर रहे हैं।

विस सत्र कल से, हंगामेदार होने के आसार

18 को आएगा मध्यप्रदेश विधानसभा का पहला पेपरलेस बजट, तीन मंत्री विपक्ष के रडार पर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र के पहले ही दिन से सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और भारी हंगामे के आसार नजर आ रहे हैं। एक तरफ जहां सरकार इस बार लगभग 4.80 लाख करोड़ रुपये का अपना सबसे बड़ा और पहला पेपरलेस बजट पेश करने की तैयारी में है, वहीं विपक्ष ने कफ सिरप कांड, इंदौर जल त्रासदी और मंत्री विजय शाह की कर्नल सोफिया पर अपमानजनक टिप्पणियों के मुद्दों पर सरकार के डिप्टी सीएम समेत दो अन्य मंत्रियों की घेराबंदी करने की रणनीति बनाई है। नेता प्रतिपक्ष ने 16 की शाम को अपने दल के विधायकों की बैठक बुलाई है, लेकिन कांग्रेस ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि सत्र के दौरान डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय व जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह निशाने पर होंगे।

3478 सवाल, 132 ध्यानाकर्षण और 8 स्थगन प्रस्ताव मिले

इस बजट सत्र के दौरान विधायकों द्वारा लगभग साढ़े तीन हजार सवाल लगाए गए हैं। विधानसभा सचिवालय को अब तक कुल 3478 सवाल प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2253 ऑनलाइन और 1225 ऑफलाइन माध्यम से आए हैं। इसके अलावा सचिवालय को 8 स्थगन प्रस्ताव, 132 ध्यानाकर्षण सूचनाएं और नियम 139 के अंतर्गत चर्चा के दो प्रस्ताव भी मिले हैं, जिन पर सदन की कार्यवाही के दौरान चर्चा की जाएगी। सरकार पहले ही यह साफ कर चुकी है कि वह विपक्ष के हर सवाल का तथ्यपरक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

गूंजेगा कफ सिरप, भागीरथपुरा और बयानबाजी का मामला

कांग्रेस ने बजट सत्र में सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह जहरीले कफ सिरप और दूषित पानी से हुई सामूहिक मौतों के मामले में मंत्रियों की जवाबदेही तय कराएगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक में मंत्रियों के बहिष्कार की रूपरेखा तैयार की जाएगी। कांग्रेस छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सिरप से हुई 25 बच्चों की मौत और इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 30 से अधिक मौतों को लेकर इन मंत्रियों के इस्तीफे की मांग करेगी। साथ ही कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी को लेकर मंत्री विजय शाह भी विपक्ष के निशाने पर रहेंगे। इसके अलावा कांग्रेस अन्य मुद्दों पर भी सरकार को घेरने की हर संभव कोशिश करेगी। बीजेपी भी विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का तथ्यों के साथ जवाब देने और विपक्ष को घेरने की तैयारी के साथ सदन में पहुंचेगी।

विधायकों को टैबलेट पर दिखेंगे आंकड़े

इस सत्र के दौरान 18 फरवरी को प्रदेश का पहला डिजिटल यानी पेपरलेस बजट पेश किया जाएगा। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा इस बजट को पेश करेंगे। इस बार विधायकों को पारंपरिक बजट प्रतियों के स्थान पर टैबलेट दिए जाएंगे, जिसके लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, 4.80 लाख करोड़ रुपये के इस बजट में महिला सशक्तिकरण, लाड़ली बहना योजना, कृषि विकास और अधोसंरचना पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वित्त विभाग ने इस बार विभिन्न विभागों के बजट में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी का खाका तैयार किया है।

थ्री लेयर सिक्योरिटी में चलेगा सत्र

सुरक्षा के लिहाज से विधानसभा परिसर में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैनात किया गया है। पहले घेरे में बाहरी गेटों पर सघन चेकिंग होगी, जबकि दूसरे और तीसरे घेरे में परिसर और सदन के प्रवेश द्वारों पर तकनीकी उपकरणों और सुरक्षा कर्मियों की कड़ी निगरानी रहेगी। सत्र से पहले शनिवार को अतिरिक्त पुलिस बल को विधानसभा परिसर के बाहर और भीतर तैनात कर दिया गया है। इस दौरान विधानसभा से सटे इलाकों के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किए जाएंगे। हालांकि विधानसभा की अधिसूचना 6 मार्च तक के लिए जारी की गई है और इसमें कुल 13 बैठकें प्रस्तावित हैं, लेकिन राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी है कि इस बार भी विपक्षी हंगामे को देखते हुए सत्र को समय से पहले भी समाप्त किया जा सकता है।

पीएम ने मप्र की प्रशासनिक व्यवस्था देखने की दी प्रेरणा

जागरण, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के 'भाजपा फॉर विकसित केरलम' कार्यक्रम के तहत केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों का समूह प्रदेश के दो दिनी प्रवास पर पहुंचा। शनिवार को केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। मुख्य मंत्री निवास पहुंचे केरल के जनप्रतिनिधियों से चर्चा में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि केरल निकाय चुनाव में भाजपा व एनडीए की सफलता पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनविश्वास का सशक्त प्रमाण है। यह प्रतिनिधि मंडल मप्र से निकायों की कार्यप्रणाली, योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व नवाचारों को अध्ययन कर रहा है। मप्र के निकायों के कार्यों को केरल में भी आदर्श बनाया जाएगा। शनिवार सुबह मुख्यमंत्री निवास पहुंचे केरल के निकायों के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री ने कहाकि पार्टी कार्यकर्ताओं के संघर्षों से आने वाले समय में केरल में भाजपा व एनडीए का परचम लहराएगा। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, भोपाल नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी भी उपस्थित रहे। वहीं, शाम को ग्वालियर पहुंचे केरल के जनप्रतिनिधियों के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष तोमर से चर्चा की। तोमर ने कहा कि केरल में जनसंघ के समय से विचार के लिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ता संघर्ष कर रहे हैं। आने वाले चुनावों में भाजपा की विजय सुनिश्चित है। केरल के जनप्रतिनिधियों ने मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से मप्र प्रवास पर आए हैं। प्रधानमंत्री ने मप्र की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए यहां आकर कार्यप्रणाली का अवलोकन करने के लिए कहा था।

सीएम डॉ. यादव व विस अध्यक्ष तोमर से मिले केरल के निकाय जनप्रतिनिधि

केरल के जनप्रतिनिधियों ने विस अध्यक्ष तोमर से मुलाकात की।

डीएफओ विपिन पटेल ने लिया यू-टर्न, 10 दिन के बाद वापस लिया अपना इस्तीफा

हॉफ को लिखा पत्र : मानसिक स्थिति ठीक न होने पर दे दिया था आवेदन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। एमपी कैडर के 2013 बैच के आईएफएस अधिकारी विपिन पटेल ने अपना त्यागपत्र वापस ले लिया है। जबलपुर में वर्किंग प्लान शाखा में डीएफओ पटेल ने निजी कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। अब दस दिनों बाद उन्होंने अपने फैसले पर यू-टर्न ले लिया है। पटेल ने प्रदेश के वन बल प्रमुख (हॉफ) को लिखे पत्र में कहा है कि उन्होंने मानसिक हालत ठीक न होने के कारण इस्तीफा दिया था, जिसे वे वापस ले रहे हैं। मंत्रालय से मिली विभागीय जानकारी के अनुसार, अब पटेल के इस्तीफे को मंजूरी के लिए आगे प्रोसेस नहीं किया जाएगा। विभाग को इस्तीफा वापसी का पत्र मिलने के बाद अब उनकी नौकरी पर मंडरा रहे खतरे के बादल फिलहाल छंट गए हैं।

पति के इस्तीफे के बाद पत्नी हुईं सक्रिय

घटनाक्रम में पटेल का इस्तीफा मंजूर न होने में उनकी पत्नी की सक्रियता और विभाग ने भी बड़ी भूमिका निभाई। 4 फरवरी को पीसीसीएफ और हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स को भेजे गए अनकंडीशनल इस्तीफे में विपिन पटेल ने निजी कारणों का हवाला देते हुए नौकरी छोड़ने की बात कही थी। इसके तुरंत बाद उनकी पत्नी ने मोर्चा संभाला और पीसीसीएफ को आवेदन देकर गुहार लगाई कि उनके पति का इस्तीफा स्वीकार न किया जाए। पत्नी ने लिखा था कि इस्तीफा देते समय विपिन पटेल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी।

पटेल को विभाग ने दिया था अल्टीमेटम

पत्नी के पत्र को संज्ञान में लेते हुए वन विभाग ने ई-मेल से विपिन पटेल से स्पष्टीकरण मांगा था। विभाग ने कहा था कि यदि तीन दिनों के भीतर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई, तो इस्तीफे पर एकपक्षीय निर्णय लेकर उसे मंजूर कर लिया जाएगा। इस दबाव के बीच पटेल ने पत्र लिखकर स्वीकार किया कि उन्होंने जल्दबाजी में यह कदम उठाया था और उस वक्त वह मानसिक रूप से स्थिर नहीं थे। हालांकि विपिन पटेल रीवा, दमोह, सतना और अनूपपुर जैसे जिलों में डीएफओ रह चुके हैं, लेकिन कई जगह उनकी कार्यप्रणाली विवादों में भी घिरी रही है।

अनुकंपा नियुक्ति छीनने का आदेश किया निरस्त

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने अनुकंपा नियुक्ति छीनने का आदेश निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता लवकुशनगर, छतरपुर निवासी राकेश अहिरवार को राहत मिल गई। याचिकाकर्ता का पक्ष अधिवक्ता प्रवीण वर्मा व च्यांति वर्मा ने रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पिता नारायण प्रसाद अहिरवार, सहायक ग्रेड-थ्री के पद पर जनपद पंचायत में पदस्थ थे। उनके तीन पुत्र हैं, सबसे बड़ा याचिकाकर्ता, उसके बाद महेंद्र कुमार और सबसे छोटा दिलीप अहिरवार। बड़ा पुत्र होने के नाते याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन किया। मां पुष्पा देवी अहिरवार ने उसके पक्ष में शपथपत्र दिया। 20 नवंबर, 2024 को समिति गठित कर आवेदन पर विचार किया गया। जांच प्रतिवेदन पर गौर करने के बाद सीईओ ने 30 जनवरी, 2025 को याचिकाकर्ता को अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्र माना। इसी के साथ 28 फरवरी, 2025 को अनुकंपा नियुक्ति दे दी गई।

कल से शुरू होगा पुलिस कमिश्नरेट का 35वां कजलीखेड़ा थाना

पुलिस लाइन में अभी 14 निरीक्षक बैठे कजलीखेड़ा के काबिल कोई नहीं मिला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस कमिश्नरेट का 35वां थाना कजलीखेड़ा सोमवार को धरातल पर साकार रूप लेने जा रहा है। थाने का स्वीकृत बल एक निरीक्षक, 7 एसआई, 7 एएसआई, 8 हवलदार और 29 आरक्षक व एक हवलदार चालक समेत 55 है। लेकिन वर्तमान में तो चालक ही नहीं हैं। ऐसे में स्वीकृति का औचित्य समझ नहीं आता। शुक्रवार को जारी सूची के अनुसार एक एसआई समेत 20 पुलिसकर्मियों का कोलार थाने से कजलीखेड़ा थाना ट्रांसफर किया गया है। कजलीखेड़ा थाने के लिए कोई काबिल प्रभारी नहीं मिला है। जबकि पुलिस लाइन में 14 निरीक्षक बैठे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि लाइन में बैठे निरीक्षक कोई काम के नहीं है या सिर्फ लाइन एंड आर्डर के लिए ही फिट हैं। जानकारी के अनुसार

कजलीखेड़ा थाना प्रभारी की नियुक्ति पुलिस कमिश्नर संजय कुमार करेंगे। डीसीपी जोन-फोर मयूर खंडेलवाल ने वर्तमान में चौकी प्रभारी केशांत शर्मा को अभी वैकल्पिक व्यवस्था के लिए रखा है। ऐसे में यदि कोई निरीक्षक नहीं मिला है तो केशांत शर्मा ही थाने का संचालन कर सकते हैं। इधर, शाहपुरा थाना प्रभारी का पद भी लोकेंद्र ठाकुर के सस्पेंड होने के बाद से खाली पड़ा है। लोकेंद्र ठाकुर एक मामले में लापरवाही के चलते थाने से हटाए गए हैं। ऐसे में दो थानों के प्रभारियों की नियुक्ति की जानी है।

शिकायतकर्ता को थाने में बैठाया

कोलार, कजलीखेड़ा इलाका संवेदनशील है। जिस दिन पुलिस कमिश्नर ने कोलार रोड थाने का निरीक्षण किया। उसी समय कुछ महिलाएं थाने के बाहर खड़ी मिली। आरोप था कि उनके पतियों को पुलिस ने 151 में बैठा लिया है। पुलिस कमिश्नर के दखल के बाद उनके पतियों को तुरंत छोड़ा। बाद में इन महिलाओं ने पुलिस उपायुक्त मुख्यालय कार्यालय में शिकायत की। महिलाओं का आरोप है कि उनकी पुश्तैनी जमीन पर कुछ लोग जबरन कब्जा करना चाहते हैं। वे फेंसिंग कर रहे थे, जिसकी शिकायत डायल-112 पर की थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय शिकायतकर्ता यानी उनके पतियों को ही थाने ले आई और बैठा लिया। तभी पुलिस कमिश्नर का औचक निरीक्षण हुआ।

आयोजन प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को सिंगल क्लिक से जारी किए 1836 करोड़ रुपए

बहनों को प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों से जोड़ना हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बहनें मध्यप्रदेश की लक्ष्मी हैं, अन्नपूर्णा हैं, उनके लिए जितना करें, उतना कम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सदैव नारी कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित है। सनातन संस्कृति में नारी का स्थान सर्वोपरि है। महा शिवरात्रि के पावन पर्व से पहले प्रदेश की लाड़ली बहनों को 1500 रुपए सम्मान राशि की अद्भुत सौगात मिल रही है। बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार बहनों के कल्याण के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में हमारी प्राथमिकता है कि बहनों को प्रशिक्षण मिले, उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जाए और मेहनत की सही कीमत मिले। बहनें एक बगिया मां के नाम योजना और स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। हमारी बहनें लखपति दीदी के साथ अब ड्रोन दीदी भी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित 5 लाख स्व-सहायता समूह के माध्यम से अब तक 62 लाख बहनें आत्मनिर्भर हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना में लाडली बहनों को योजना की 33वीं किस्त की सौगात देने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाडली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपए अंतरित किए।

खंडवा में 255 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर खंडवा के चहुंमुखी विकास के लिए 608 करोड़ रुपए से अधिक के 13 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 255 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 353.82 करोड़ लागत के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में 301 करोड़ लागत की निर्मित भाम सिंचाई परियोजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्रयोगशाला और पंधाना के नवीन शासकीय सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ भी किया।

खेती में महिलाओं की बढ़ेगी भागीदारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिला है। गेहूं का समर्थन मूल्य भी 2700 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। खेती में महिलाओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, गांव, किसान परिवार और प्रदेश की अर्थव्यवस्था उतनी ही सशक्त होगी।

धार्मिक पर्यटन का अद्भुत केंद्र बनकर उभरेगा निमाड़

मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडवा दादा धूनीवाले दादा, क्रांति सूर्य जननायक टंट्या मामा और सुप्रसिद्ध गायक किशोर कुमार की धरती है। राज्य सरकार ने टंट्या मामा के नाम पर खरगौन में विश्वविद्यालय स्थापित किया। साथ ही जनजातीय महापुरुषों को सम्मान देने के लिए कार्यक्रमों की रचना भी की है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा और निमांड़ अंचल की पहचान है। उन्होंने वाराणसी के काशी विश्वनाथ सहित अनेक मंदिरों को भव्यता प्रदान की। बहुत जल्द खंडवा से ओंकारेश्वर और ओंकारेश्वर-इंदौर के बीच नई रेल लाइन की शुरुआत होगी। निमाड़ की कनेक्टिविटी इंदौर और दिल्ली-मुंबई से बढ़ जाएगी। औद्योगिक विकास के साथ निमाड़ अंचल भी समृद्ध होगा। बाबा ममलेश्वर धाम (ओंकारेश्वर) को विकसित करने के लिए 300 करोड़ लागत से विकास कार्य किए जा रहे हैं।

शोध-पत्र प्रस्तुत करने पर किया गया सम्मान

भोपाल। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) में शनिवार को भारतीय शिक्षण मंडल, मध्य भारत प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सतत विकास पर अंतर्विषयी दृष्टिकोण विषय पर आयोजन हुआ। शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने भौतिक माध्यमों में उपस्थित होकर अपने शोधपत्रों का प्रस्तुतिकरण किया गया। डॉ. संजय पाठक ने स्वीकार किया कि सतत विकास तभी सार्थक है जब वह प्रकृति, संस्कृति और मानवता-तीनों के संतुलन को साधे। डॉ. संदीप कुलश्रेष्ठ ने भारत की विकास अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि विकास केवल अर्थवृद्धि नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों की समृद्धि है। जब विकास में धरती मां का सम्मान जुड़ता है, तभी वह सच में 'सतत' बनता है। सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण वाले प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों प्रमाण-पत्र व शील्ड वितरित कर सम्मानित किया गया।

नगर में आज

स्थापना दिवस समारोह
- स्थान: भारत भवन परिसर।
- समय: सुबह 11:00 बजे से।

अपात्र गुलाबकावली
- स्थान: एलबीटी
- समय: शाम 7:00 बजे से।

पुस्तक चर्चा
- स्थान: दुष्यंत संग्रहालय
- समय: दोपहर 3 बजे

काव्य गोष्ठी
- स्थान: हिन्दी भवन।
- समय: दोपहर 2 बजे से।

आदि महोत्सव
- स्थान: भोपाल हाट, अरेरा हिल्स।
- समय: दोपहर 12 से रात 9 बजे

माह का प्रादर्श
- स्थान: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- समय: शाम 4:00 बजे।

आयोजक: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

चित्र प्रदर्शनी
- समय: दोपहर 12:00 बजे से
- स्थान: मप्र जनजातीय संग्रहालय

केरवा के कैचमेंट में बन रही प्रकाश झा की कालोनी पर कार्रवाई, बाउंड्रीवॉल सहित सभी पक्के निर्माण तोड़े गए

▶▶ जागरण ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा ▶▶ कैचमेंट में सिर्फ बॉटनिकल गार्डन बनाने की अनुमति, फिर भी खड़ी कर दी 7 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल

जागरण संवाददाता, भोपाल। केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में लगभग 30 एकड़ में विकसित की जा रही प्रकाश झा की कालोनी के निर्माण को जिला प्रशासन ने रोक दिया है। अमले ने शनिवार को करीब 70 करोड़ रुपए कीमत की जमीन पर कार्रवाई करते हुए कालोनी की बाउंड्रीवॉल को जमींदोज किया। कार्रवाई के दौरान किसी बड़े विरोध की खबर सामने नहीं आई है। बता दें कि यह कालोनी केरवा डैम के पास बरखेड़ी बाजयाफ्त की पंचायत कुशलपुरा में विकसित की जा रही थी। दैनिक जागरण ने 12 फरवरी 2026 के अंक में रोक के बावजूद केरवा के कैचमेंट में बन रही कालोनियां के शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। ठीक दो दिन बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सभी पक्के निर्माणों को जमींदोज कर दिए। बता दें कि जिस जगह पर निर्माण चल रहा था, वह केरवा डैम के लो डेंसिटी एरिया में आता है। इसी केरवा डैम से पूरे कोलार क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जाती है, ऐसे में यदि कालोनी का निर्माण हो जाता, तो पानी के प्रदूषित होने का खतरा तो पैदा होता ही, बारिश के दौरान डैम तक पानी की आपूर्ति भी रुक जाती। मामले में पर्यावरण कार्यकर्ता राशिद नूर खान का कहना है कि कार्रवाई का स्वागत होना चाहिए, साथ ही अन्य अवैध निर्माणों को भी इसी तर्ज पर हटाया जाना चाहिए।

पहले ▶ केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में आलीशान गेट लगाकर किया जा रहा था निर्माण।

अब ▶ केरवा डैम के कैचमेंट एरिया में बन रही कालोनी की बाउंड्रीवाल तोड़ी।

> " शहर में बिना नियमों के बनी अवैध कालोनियों पर कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।
> ■ कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर भोपाल

प्रकाश झा के नाम विकसित की जा रही थी कालोनी

इस कालोनी का नाम प्रकाश झा प्रोडक्शन के नाम पर पीजेपी एस्टेट रखा गया था, लेकिन सूत्रों ने बताया कि फिल्म निर्देशक प्रकाश झा से यह जमीन शहर के कुछ रसूखदारों ने खरीद ली थी, लेकिन केरवा के कैचमेंट पर होने के कारण उन्हें कालोनी विकसित करने की अनुमति नहीं मिली। इसके चलते कुछ समय से बिना अनुमति ही काम किया जा रहा था। इसके बाद जागरण ने इस पर विस्तार से समाचार का प्रकाशन किया था।

कैचमेंट में केवल 6 फीसदी निर्माण की ही अनुमति

किसी भी जलस्रोत के कैचमेंट में निर्माण को लेकर मास्टर प्लान 2005 में स्पष्ट नियम बताए गए हैं। इसके तहत ऐसे इलाकों में केवल 6 फीसदी एफएआर की अनुमति मिलती है। यदि 10 हजार वर्गफीट का प्लॉट है, तो केवल 600 वर्गफीट पर ही निर्माण हो सकता है, लेकिन इन आलीशान कालोनियों में 10 से 12 हजार वर्गफीट के प्लॉट काटकर 7 से 9 हजार वर्गफीट के एरिया पर निर्माण किया जाता है। सीसी रोड व अन्य पक्के निर्माण होने से डैम के कैचमेंट की भूजल सप्लाई रुक जाती है। इस कारण इन क्षेत्रों में केवल खेती, नर्सरी या बॉटनिकल गार्डन बनाने की ही अनुमति मिलती है, जिसमें यदि एक एकड़ का प्लॉट है, तो 2400 वर्गफीट तक ही निर्माण किया जा सकता है। सीवेज निस्तारण व कचरे के लिए भी सख्त नियम होते हैं, कालोनी विकसित हो जाने से इन नियमों का पालन नहीं हो पाता है।

रोक के बावजूद केरवा के कैचमेंट में बन रही कॉलोनियां
50 एकड़ के कैचमेंट एरिया में 7 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल, फुल टैंक लेवल तक हो रहे निर्माण, डैम में जा रहा सीवेज

व्हिस्प्रिंग पाम और सेंट्रल पार्क कालोनी पर भी हो सकेगी कार्रवाई

केरवा डैम के लो डेंसिटी में बनी पीजेपी एस्टेट कालोनी पर कार्रवाई के बाद शहर के अन्य जलाशयों के कैचमेंट और लो डेंसिटी एरिया में बनी कालोनियों पर भी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। बता दें कि कलियासोत डैम के कैचमेंट एरिया में व्हिस्प्रिंग पाम और बड़े तालाब के लो डेंसिटी व कैचमेंट एरिया में सेंट्रल पार्क कालोनी को भी अवैध तारीके से विकसित किया गया है, जिससे इन जलाशयों के प्रदूषित होने का खतरा बना रहता है। प्रशासन लगातार अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक मना

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी के जैन मंदिरों में शनिवार को श्रद्धा भक्ति के साथ भगवान मुनिसुव्रत नाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। जैन मंदिनों में भक्ति मय स्वर लहरियों के साथ प्रभु की वंदना में आस्था का सैलाब उमड पड़ा। मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। सभी मंदिर में श्रद्धा भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दिया। मंदिरों में निर्वाण लाडू अर्पित किए गए साथ ही विधान अनुष्ठान हुए। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया गोदरमऊ एयर पोर्ट रोड स्थित जिनालय में विशाल प्रतिमा के अभिषेक के साथ निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। सिद्धार्थ लेक सिटी में स्वर्ण कलश से अभिषेक हुआ। नेहरू नगर में रत्नमई प्रभु मुनिसुव्रत नाथ की प्रतिमा पर जगत शांति की कामना के साथ शांति धारा की गई। शहर के नंदीश्वर जिनालय, चौक मंगलवारा, कस्तूरबा नगर, टीटी नगर, पिपलानी, अशोका गार्डन, सहित सभी मंदिरों में अनुष्ठान हुए।

आज इग्नू के यूजी-पीजी में प्रवेश लेने का अंतिम दिन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि (इग्नू) द्वारा जनवरी सत्र 2026 के लिए विभिन्न विषयों में प्रवेश का रविवार को अंतिम दिन है। विद्यार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध समर्थ एडमिशन पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। द्वितीय वर्ष सेमेस्टर में पुनः प्रवेश के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इग्नू के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उमेश चंद्र पांडेय बताया कि जनवरी सत्र 2026 में इग्नू द्वारा परास्नातक, स्नातक, डिप्लोमा तथा छह माह के प्रमाणपत्र सहित 330 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यूजीसी द्वारा जारी ड्यूल डिग्री दिशा-निर्देशों के तहत विद्यार्थी पारंपरिक शिक्षा के साथ दूरस्थ अथवा ऑनलाइन माध्यम से दूसरी डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि इग्नू के कोर्स सभी आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होने के कारण अधिकाधिक उपयोगी है।

न्यू लाइफ डायग्नोस्टिक सेंटर की मान्यता निरस्त

भोपाल। पीसीपीएनडीटी एक्ट अंतर्गत जिला सलाहकार समिति की बैठक गत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 43 अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटर्स के आवेदनों पर चर्चा कर एक्ट के प्रावधानों के अनुरुप कार्यवाही की गई। जिला सलाहकार समिति की अनुशंसा पर सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा ने एयरपोर्ट रोड स्थित न्यू लाइफ डायग्नोस्टिक सेंटर की पीसीपीएनडीटी मान्यता निरस्त की है। पीसीपीएनडीटी निरीक्षण दल को इस केंद्र में रिक्त एफ फॉर्म में डॉ ईशांत जाटव के सील साइन मिले थे। साथ ही ए एन सी फॉर्म और एफ फॉर्म भी अपूर्ण भरे मिले। जो कि एक्ट के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस मामले में डॉ ईशांत जाटव को भी नोटिस जारी किया गया है।

निशातपुरा आरओबी का सुस्त रफ्तार से चल रहा काम, एक साल में सिर्फ 25 फीसदी काम

नवंबर 2026 है प्रोजेक्ट की डेडलाइन, 90 करोड़ की लागत से बन रहा 610 मीटर लंबा ब्रिज

नगर संवाददाता, भोपाल। छोला-भानपुर से शुरू होकर निशातपुरा कोच फैक्ट्री तक बनने वाला रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य सुस्त रफ्तार से चल रहा है।

इस ब्रिज का निर्माण कार्य वर्ष 2024 के अंत में शुरू हुआ था, एक साल बीत जाने के बाद भी ब्रिज का काम सिर्फ 25 से 30 फीसदी तक हुआ है। जबकि इस ब्रिज को पूरा करने की डेडलाइन नवंबर 2026 तय है। वर्तमान में यहां जो काम चल रहा है वह सिर्फ पिल्लर खड़े करने के लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं। इसके बाद पिल्लर का काम शुरू होगा। निर्माण कार्यों से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि अभी जो काम बचा है, उसे पूरा करने के लिए एक से डेढ़ का समय चाहिए। यानि यह ब्रिज वर्ष 2027 से पहले शुरू होना मुश्किल है।

9 लाख से अधिक लोगों को इंतजार

आरओबी के निर्माण से करोंद, बैरसिया, बैरागढ़ और विदिशा की ओर से आने-जाने वाले लोगों को भोपाल रेलवे स्टेशन तक पहुंचना सुगम होगा। वहीं, पुराने शहर से भेल क्षेत्र जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह ओवरब्रिज राहत लेकर आएगा। यही कारण है कि इस ब्रिज के जल्द बन जाने और यहां यातायात शुरू होने का करीब 9 लाख लोगों को इंतजार है। भविष्य में यही आरओबी भोपाल एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए एक अहम संपर्क मार्ग के रूप में भी काम आएगा।

2017 में तैयार हुआ था प्रस्ताव, 90 करोड़ लागत

निशातपुरा ओवर ब्रिज का प्रस्ताव सबसे पहले वर्ष 2017 में तैयार कर इसे रेल प्रशासन को भेजा गया था। इसके बाद वर्ष 2023 में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली और 2024 में निर्माण कार्य शुरू हो सका। बजट की बात करें तो इस ओवर ब्रिज पर लगभग 90 करोड़ रुपए खर्च होना है। शुरुआत में दावा किया गया था कि 18 महीनों में ब्रिज बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन अब अधिकारी नवंबर 2026 तक काम पूरा होने की बात कह रहे हैं। ब्रिज बनने से क्षेत्र में यातायात और मूलभूत सेवाओं की पहुंच आसान हो जाएगी। वर्तमान में इस इलाके में एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। रेलवे अंडरपास से बड़ी एंबुलेंस तक नहीं निकल पाती, जिसके कारण लोगों को 10 से 15 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। ब्रिज बनने के बाद इस परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

एक साथ पार करेगा 7 रेलवे ट्रैक

निशातपुरा रेलवे ओवर ब्रिज की सबसे खास बात यह है कि यह देश का पहला ऐसा रेलवे ओवरब्रिज होगा, जो एक साथ सात रेलवे ट्रैक के ऊपर से गुजरेगा। यह आरओबी भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 क्षेत्र से शुरू होकर छोला इलाके में स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर तक जाएगा। परियोजना को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए पीडब्ल्यूडी, रेलवे, एफसीआई सहित सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल के उद्देश्य से एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है, ताकि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी बाधा को समय रहते दूर किया जा सके।

परियोजना का नाम:	निशातपुरा रेलवे ओवर ब्रिज
अनुमानित लागत:	लगभग 90 करोड़ रुपए
निर्माण एजेंसी:	रेलवे
कुल लंबाई:	610 मीटर
ब्रिज की चौड़ाई:	9.50 मीटर
प्रस्ताव भेजा:	2017
कार्य को मंजूरी:	2023
निर्माण कार्य शुरू:	दिसंबर 2024
निर्धारित कार्य पूर्ण होने की तिथि:	नवंबर 2026
अब तक हुआ काम:	30 प्रतिशत

जीएमसी के गर्ल्स हॉस्टल में रात 12 बजे घुसी पुलिस

कोहेफिजा टीआई की कार्यप्रणाली से मेडिकल स्टूडेंट्स नाराज

नगर संवाददाता, भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार-शनिवार दे रात पुलिस के पहुंचने से हंगामा हो गया। कॉलेज के मेडिकल छात्रों पुलिस की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त की। मामला एमबीबीएस छात्रा रोशनी के सुसाइड से जुड़ा है। जानकारी अनुसार भोपाल में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की छात्रा रोशनी कलैश की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। छात्रा के परिजन और एमबीबीएस छात्रों ने धीमी कार्रवाई का आरोप लगाते हुए शुक्रवार दोपहर कोहेफिजा थाने का घेराव किया था। इसके बाद पुलिस रात करीब 12 बजे पूछताछ करने के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल पहुंच गई। यहां वारंट और लिखित आदेश की मांग को लेकर मेडिकल स्टूडेंट्स और पुलिस के बीच काफी बहस हुई। दोनों के बीच रात करीब 2 बजे तक टकराव की स्थिति बनी रही। इसके बाद मेडिकल छात्रों ने जांच प्रक्रिया और पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

छात्रा के सुसाइड से जुड़ा है मामला

अचानक रात में आई पुलिस से नाराज हुए छात्र

तनाव उस समय और बढ़ गया जब रात करीब 12 बजे तीन पुलिसकर्मी गांधी मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल डी ब्लॉक पहुंचे। उनका कहना था कि वे पूछताछ के लिए आए हैं। मौके पर मौजूद छात्रों का आरोप है कि पुलिस बिना वारंट और लिखित आदेश के आई थी। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया ग्रुप में लिखा कि देर रात पुलिस छात्राओं को परेशान करने पहुंची। एक छात्रा को जबरन थाने ले जाने की कोशिश की गई। जिसका स्टूडेंट्स ने विरोध किया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिनमें छात्र पुलिस से लिखित आदेश और वारंट दिखाने की मांग करते नजर आ रहे हैं। वहीं, एडिशनल डीसीपी शालिनी दीक्षित को यह कहते सुना गया कि पुलिस को हर बार अलग से परमिशन की जरूरत नहीं होती। बाद में उन्होंने कहा कि उनके पास आवश्यक अनुमति है। छात्रों ने लिखित रूप में आदेश पेश करने की मांग दोहराई। इस दौरान शुरुआती समय तक केवल पुरुष पुलिसकर्मी मौजूद थे। विरोध बढ़ने के बाद रात करीब 1 बजे एक महिला कॉन्स्टेबल भी मौके पर पहुंची।

एक अकेली छात्रा से एक घंटे पूछताछ

करीब एक घंटे तक संबंधित छात्रा को अलग कमरे में बैठाकर पूछताछ की गई। बाहर खड़े मेडिकल छात्र इस प्रक्रिया का विरोध करते रहे। उनका कहना था कि देर रात छात्राओं से पूछताछ करना अनुचित है। छात्रों ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई उन्हें डराने के लिए की जा रही है, ताकि वे प्रदर्शन से पीछे हट जाएं। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने इसे जांच का हिस्सा बताया।

> " परिस्थितियां कुछ ऐसी बन गई थीं कि रात में ही हमें मृतका की साथी छात्राओं से बातचीत करना थी। इसलिए हम रात में पहुंच गए।
> ■ **केजी शुक्ला**, टीआई कोहेफिजा पुलिस स्टेशन

20 फरवरी से होगी 5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा, विद्यार्थियों का पोर्टल से सत्यापन और शिक्षकों की होगी मैपिंग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। परीक्षाओं की तैयारियों ने तेजी का रुख कर लिया है। राज्य स्तर पर होने वाली 5वीं और 8वीं की परीक्षा की शुरुआत 20 फरवरी से होगी। इसमें सरकारी, प्राइवेट स्कूलों के साथ मदरसों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी शामिल किया गया है। उक्त दोनों परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर होंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इस संबंध में दिशा9निर्देश तक जारी कर दिए हैं। 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं में प्रदेश के कुल 25 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षाओं को बेहतर तरीके से कराने के लिए विशेष आईटी पोर्टल तैयार किया है। पोर्टल से विद्यार्थियों का सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का निर्धारण, केंद्राध्यक्षों की मैपिंग, सामग्री वितरण, रोल नंबर एवं प्रवेश पत्र जारी करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही उपस्थिति दर्ज करने, मूल्यांकन कार्य एवं अंकसूची जारी करने की व्यवस्था भी इसी पोर्टल से की जाएगी। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक सिंह ने बताया कि प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

एनसीईआरटी कोर्स से अलग तैयार होंगे पेपर

राज्य शिक्षा केंद्र के अनुसार वर्तमान सत्र में एक लाख 10 हजार 615 सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों के 24 लाख 90 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा में 86 हजार 109 सरकारी स्कूल, 23 हजार 980 निजी स्कूल और 525 मदरसों के विद्यार्थी शामि होंगे। इसमें से 522 निजी स्कूलों के 20 हजार 736 विद्यार्थियों के लिए एनसीईआरटी कोर्स के अनुसार भाषा विषय के अलग पेपर तैयार किए गए हैं।

नाबालिग ने फांसी लगाने से पहले खाया जहर, मौत

जागरण,भोपाल। सूखी सेवनिया में नाबालिग ने फांसी लगा ली। खुदकुशी करने से पहले उसने जहर खाया था। डॉक्टरों ने जहर खाने से उसकी मौत की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार 16 वर्षीय काजल बंजारा पिता रमेश एकता नगर में रहती थी। पांचवीं तक पढ़ने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। शुक्रवार शाम को मां बाहर गई थी तभी उसने दुपट्टे से फंदा बनाकर जान देने की कोशिश की। तो मां ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़कर बेटी को बचा लिया और फिर उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यक्रम — रवीन्द्र भवन में एआई विजुअल्स और भजनों की धुन पर झूमी राजधानी

'भजन क्लबिंग' में शिवमय हो गई युवा ऊर्जा

जागरण, भोपाल। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर शनिवार को रवीन्द्र भवन का मुक्ताकाश मंच शिवमय हो गया। मौका था मध्यप्रदेश के पहले 'भजन क्लबिंग' आयोजन का, जहां भक्ति, तकनीक और संगीत के अनूठे संगम ने पांच हजार से अधिक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। करुणाधाम आश्रम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में भोपाल के युवा कलाकार मोहित शेवानी और उनके 'हृदय बैंड' ने शिव तत्व को आधुनिक कलेवर में जीवंत किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा महाकाल के नमन के साथ हुई। अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विजुअल्स और हाई-वोल्टेज साउंड के बीच जब 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा संगीत के माध्यम से शुरू हुई, तो पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। शिव बारात के प्रसंग ने दर्शकों को कैलाश धाम की अनुभूति करा दी। अभिषेक बरथरे, शुभम नथानी और श्रीजा उपाध्याय सहित अन्य कलाकारों ने 'बम लहरी' और 'नमो नमो शंकरा' जैसे भजनों पर युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

राम-कृष्ण और शिव का समन्वय

प्रस्तुति में केवल शिव ही नहीं, बल्कि राम और कृष्ण तत्व का भी सुंदर समन्वय दिखा। सोमनाथ की कथा के दौरान मध्यप्रदेश और भगवान श्रीकृष्ण के गहरे संबंध को प्रभावी ढंग से सुनाया गया। वहीं, रामेश्वरम के प्रसंग में शबरी के प्रेम और मीरा के समर्पण को भजनों के माध्यम से पिरोया गया। 'दुनिया चले ना श्रीराम के बिना' जैसे भजनों ने माहौल को भक्ति के चरम पर पहुंचा दिया।

160 सेकंड में हनुमान चालीसा

कार्यक्रम का सबसे ऊर्जावान क्षण वह था जब अत्याधुनिक लाइट-साउंड के बीच 2 मिनट 40 सेकंड (160 सेकंड) में हनुमान चालीसा का सामूहिक वाचन किया गया। पांच हजार दर्शकों का एक साथ चालीसा पढ़ना पूरे मुक्ताकाश मंच पर स्पंदन पैदा कर गया।

शिव थीम पर सजा डिजिटल मंच

एआई विजुअल्स के माध्यम से ज्योतिर्लिंगों की पौराणिक कथाओं को मंच के पीछे बड़ी स्क्रीन पर सजीव किया गया। दिव्या प्रीतमणि और प्रतीश नायर द्वारा तैयार विजुअल्स ने पारंपरिक स्टोरी टेलिंग को एक नया 'डिजिटल आयाम' दिया, जिसे आज की जेन-जी पीढ़ी ने खूब सराहा।

मोहित शेवानी की 'म्यूजिकल स्टोरी टेलिंग'

देश-विदेश में 100 से अधिक शो कर चुके मोहित शेवानी ने न केवल गायन किया, बल्कि शिव-पार्वती विवाह और 12 ज्योतिर्लिंगों के महत्व को एक कहानी की तरह सुनाया। उनके बैंड के 24 कलाकारों ने पारंपरिक भजनों में आधुनिक बीट्स का ऐसा तड़का लगाया कि भक्ति का स्वरूप 'क्लबिंग' के उत्साह में बदल गया।

चंदन तिलक लगाकर किया आगंतुकों का स्वागत

रवीन्द्र भवन में एंट्री का नजारा एकदम अलग था। वहां गुफा मंदिर से आए 20 पंडित लाइन से बैठे थे, जो आने वाले हर शख्स को चंदन का टीका लगा रहे थे। यहां जूते-चप्पल बाहर छोड़ने का झंझट नहीं था; दीदियों के बनाए हैंडमेड झोले सबको दिए गए ताकि लोग अपने जूते उसी में रखकर साथ ले जा सकें। हर कोई वहां नंगे पैर ही अंदर गया। साथ ही, सबको एक रुद्राक्ष और पंच-परिवर्तन नाम की किताब भी दी गई।

इसका नाम ही बेहद यूनिक है 'भजन क्लबिंग'। यह कॉन्सेप्ट हमारी पीढ़ी को महाशिवरात्रि से जोड़ने वाला है। यह भक्ति और म्यूजिक का एक शानदार मेल है, जो युवाओं को स्पिरिचुअलिटी से जोड़ने का नया और प्रभावी तरीका है। इसमें कुछ खास बात है, जो जेन-जी को अपनी ओर खींच रही है। - **आनंदी तिवारी**

भजन क्लबिंग का यह कार्यक्रम युवाओं को महाशिवरात्रि के महत्व से जोड़ने का एक शानदार माध्यम है। यह पहल युवाओं को यह समझाने में मदद करती है कि महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व क्या है। ऐसे कार्यक्रम आगे भी होते रहें। - **अंकित बजाज**

संक्षिप्त खबरें

वैलेंटाइन डे पर 'पहल' का संदेश पेड़ लगाओ, प्रकृति से प्यार जताओ

जागरण, भोपाल। राजधानी के लेक व्यू पर पहल संस्था द्वारा वैलेंटाइन डे के पर संस्था ने युवाओं को सकारात्मक संदेश देने के उद्देश्य से अनोखा जागरूकता अभियान चलाया। शहर के विभिन्न स्थानों पर सदस्यों ने मज़ेदार और संदेशात्मक पोस्टर लगाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पोस्टरों पर लिखे संदेश-गर्लफ्रेंड ने दिया धोखा? पेड़ लगाने का यही है मौका! और उसकी जुल्फ़ों की छाया नहीं, पेड़ों की छाँव ज़रूरी है! युवाओं को मुस्कुराने के साथ सोचने पर भी मजबूर करते नजर आए। संस्था का उद्देश्य है कि वैलेंटाइन डे को केवल व्यक्तिगत उत्सव तक सीमित न रखकर प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी से जोड़ा जाए। इस पहल के माध्यम से हरित सोच विकसित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। पहल-एक प्रयास, एक सामाजिक संस्था, पर्यावरण संरक्षण और बच्चों के अधिकारों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हर वर्ष की तरह इस बार भी जागरूकता अभियान चलाया गया।

आर्च मैनोर की छत पर पानी की टंकी में मृत मिला कर्मचारी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपी नगर स्थित होटल आर्च मैनोर की छत पर पानी की टंकी में एक कर्मचारी मृत मिला। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। उसके मुंह पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस के मुताबिक, 60 वर्षीय अशोक रजक पिता शंकर लाल रजक चांदबड़ विजय नगर स्टेशन बजरिया में रहते थे। वह एमपीनगर जोन-वन स्थित होटल आर्च मैनोर में कपड़े धोने का काम करते थे। शुक्रवार दोपहर को वह छत पर बनी पानी की टंकी से कपड़े धो रहे थे, तभी अचानक चक्कर आने पर वह पानी की टंकी में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। होटल के अन्य कर्मचारी पहुंचे तो वह पानी की टंकी में पड़े मिले। अचेत हालत में उन्हें हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि टंकी में गिरने के कारण मुंह में चोट आई होगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती की शादी कहीं ओर तय होने पर युवक ने अश्लील फोटो किए वायरल

जागरण, भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में युवती की शादी कहीं ओर तय होने से नाराज युवक ने युवती की फोटो एडिट कर अश्लील तस्वीरें बनाई और फिर उसे इंस्टाग्राम पर वायरल कर दी। आरोपी ने युवती के घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट, एसटी/एससी एक्ट समेत आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। 22 वर्षीय पीड़िता मनी खेड़ा गांव में रहती है। वह आचार पुरा स्थित एक फैक्ट्री में काम करती है। काम पर आने-जाने के दौरान उसकी पहचान युवक लोचन मीना से हुई। जो खेती किसानी करता है। बातचीत के बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई। हाल ही में युवती की शादी कहीं ओर तय हो गई है। जिसके बाद युवती ने उससे बातचीत बंद कर दी। इससे आरोपी काफी नाराज था। इसी दौरान लोचन ने युवती की फोटो और वीडियो एडिट कर आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिए। शनिवार शाम को आरोपी युवती के घर पहुंच गया। जहां उसने गाली-गलौज कर किसी ओर शादी करने की बात पर युवती को जान से मारने की धमकी देकर मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने उसने पीड़िता के भाई के साथ जमकर मारपीट की।

कॉर्पोरेट कनेक्शन ने किया सर्वोदय 1.0 कार्यक्रम का सफल आयोजन

जागरण, भोपाल। राजधानी में कॉर्पोरेट कनेक्शन्स भोपाल द्वारा सर्वोदय 1.0 के नाम से शहर का पहला निवेश शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जो राजधानी के व्यावसायिक परिदृश्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि साबित हुआ। सम्मेलन में मुंबई, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, पुणे और कोलकाता सहित देशभर के उद्योगपति और निवेशक शामिल हुए। पहली बार महानगरों के निवेशक स्वयं भोपाल पहुंचे और यहां निवेश की संभावनाओं पर गंभीर चर्चा की। कार्यक्रम को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का सहयोग भी प्राप्त हुआ, जिससे आयोजन को सशक्त मंच मिला।

एमवीएम में पुलवामा के शहीदों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मोतीलाल साइंस कालेज में शनिवार को पुलवामा में शहीद सैनिकों को उनके शौर्य और बलिदान के लिए याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर कालेज के डॉ अशोक कुमार शर्मा ने देश की चुनौतियां से सामना करने, राष्ट्रीय एकता के लिए युवाओं का आव्हान किया। प्राचार्य डॉ गीता मोदी, अल्का प्रधान, अशोक गुप्ता, सुमन अग्रवाल, मनीषा सिंह, सौरभ पाटीदार, अतुल, सचिन और एनसीसी के विद्यार्थियों ने मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिवमय होगा शहर, विशेष संयोगों में मनेगी महाशिवरात्रि

मंदिरों में होंगे विशेष अभिषेक: भोले के जयकारों से गूंजेंगे मंदिर परिसर, रजत रथ पर सवार होकर बाबा बटेश्वर की निकलेगी बारात

जागरण, भोपाल। फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाया जाने वाला महापर्व महाशिवरात्रि इस वर्ष विशेष च्योतिषीय संयोगों के साथ श्रद्धा और उत्साह के माहौल में मनाया जाएगा। पूरे शहर में आज शिवमय वातावरण देखने को मिलेगा। भक्त देवों के देव भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए व्रत रखेंगे और मंदिरों में पूजा-अर्चना करेंगे। जगह-जगह भंडारे, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दिनभर शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप में नजर आएंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार महाशिवरात्रि पर चंद्रमा मकर राशि में रहेगा तथा सूर्य रश्मि योग, सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग जैसे शुभ संयोग बन रहे हैं। च्योतिष मठ संस्थान भोपाल के प्रमुख च्योतिषाचार्य पंडित विनोद गौतम ने बताया कि यह संयोग साधना, उपासना और मंत्र-जाप के लिए अत्यंत फलदायी है। महाशिवरात्रि का व्रत आदि देव सदाशिव और उनके परिवार को समर्पित है। संपूर्ण रात्रि चार प्रहरों में विशेष पूजा, अभिषेक और हवन किए जाएंगे। निशीथ काल में '? नमः शिवाय' मंत्र का जाप विशेष पुण्यदायी माना गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का पावन दिवस है। मान्यता है कि विधि-विधान से व्रत और पूजन करने से मोक्ष की प्राप्ति और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। पंडित एस्ट्रो पूजा दुबे के अनुसार इस रात्रि पृथ्वी की स्थिति ऐसी होती है कि साधक की आंतरिक ऊर्जा ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। शिवलिंग को ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक मानते हुए विशेष अभिषेक और ध्यान से आत्मशुद्धि तथा आध्यात्मिक उन्नति का अवसर प्राप्त होता है। मंदिरों में रात्रि भर हर-हर महादेव के जयघोष गूंजेंगे।

भूतेश्वर की झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट के द्वारा कल महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित बाबा बटेश्वर की भव्य बारात सुबह 10 बजे हजारों भक्तो की अगुवाई में निकाली जाएगी। मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया कि शिव बारात में भगवान राधा कृष्ण द्वारा भोलेनाथ का पूजन, राम दरबार, माता अनुसुइया, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, प्रदोष श्रृंगार एवं पहाड़ पर भूतेश्वर की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बारात के दूसरे भाग में बटेश्वर भक्त मंडल एवं महिला मंडल का डमरु मंजीरा दल, आदिवासी नृत्य दल, बैंड, ओम नमः शिवाय मंडल का अखंड जाप और सबसे पीछे रजत रथ पर नंदी सवार दूल्हा बने बाबा बटेश्वर होंगे। मंदिर परिसर से बारात सिंधी मार्केट, जवाहर चौक जुमेराती, हनुमानगंज, मंगलवारा, इतवारा, चिंतामन चौराहा, चौक लखेरापुरा से रात्रि 11 बजे भवानी मंदिर सोमवारा पहुंचेगी। यहां वरमाला का आयोजन होगा। अर्ध रात्रि मैं बाबा बटेश्वर का मंदिर परिसर में पाणीग्रहण संस्कार किया जाएगा।

भोजेश्वर महादेव का होगा विशेष श्रृंगार

भोजेश्वर मंदिर में विराजमान भोजेश्वर महादेव का महाशिवरात्रि पर्व पर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर को आकर्षक पुष्प सज्जा और रोशनी से भव्य रूप दिया जाएगा। प्राचीन शिवलिंग का दुग्ध, जल, बेलपत्र और विविध सुगंधित द्रव्यों से अभिषेक कर विशेष अलंकरण किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए दिनभर दर्शन और पूजन की व्यवस्था रहेगी। साथ ही मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय महादेव भोजपुर महोत्सव का आयोजन आज से 17 फरवरी तक प्रतिदिन सायं 6:30 बजे से होगा। शिव-साधना और कला-सौंदर्य के इस संगम में लोकगीत, नृत्य और भक्ति संगीत की मनोहारी प्रस्तुतियां होंगी। पहले दिन सागर के ऋषि विश्वकर्मा लोकगायन प्रस्तुत करेंगे, जबकि उमेश नामदेव बधाई एवं बरेदी लोक नृत्य से रंग जमाएंगे। संध्या का मुख्य आकर्षण मुंबई के भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा का भक्ति गायन रहेगा। दूसरे दिन शीला त्रिपाठी का लोकगायन, भावना शाह की शिव-आधारित नृत्य नाटिका और पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर की प्रस्तुति होगी। अंतिम दिन बलराम पुरोहित का लोकगायन, आकृति जैन की नृत्य नाटिका और अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में अशोक चक्रधर सहित कई कवि काव्य पाठ करेंगे।

आज 500 किन्नरों की होगी घर वापसी

राजधानी में किन्नर समुदाय के भीतर चल रहे विवाद के बीच महाशिवरात्रि पर 500 किन्नरों की 'घर वापसी' कराए जाने का दावा किया गया है। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहीं काजल ठाकुर ने कहा कि ये वे किन्नर हैं जो पहले मुस्लिम धर्म अपना चुके थे और अब हिंदू धर्म में वापस लौटेंगे। उनके मुताबिक आयोजन में अलग-अलग राच्यों से किन्नर शामिल होंगे और बड़ी संख्या में संत-महात्मा, मठाधीश तथा भगवा दलों के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। काजल ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम में हिमांगी सखी और प्रज्ञा गुरुजी भी शामिल होंगी। उन्होंने सुरैया नायक को भी खुले मंच से आमंत्रण देते हुए कहा कि वे भी चाहें तो 'घर वापसी' में शामिल हो सकती हैं। कार्यक्रम सुबह लालघाटी के वुड गार्डन में 10 बजे से 4 बजे चलेगा। अलग-अलग राच्यों से आएंगे किन्नर काजल ठाकुर ने कहा, महाशिवरात्रि भगवान शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का पावन पर्व है। इसी अवसर पर 500 किन्नरों की घर वापसी कराई जा रही है।

शिवमहापुराण की कथा में दिगंबर भोले की लीलाओं का का वर्णन

भोपाल। खाटू श्याम मंदिर मां विजयासन धाम प्रांगण में चल रही शिव महापुराण कथा के छटवे दिन आचार्य शशांक शेखर महाराज ने गोपेश्वर भोलेनाथ की दिव्य कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान शिव और श्री कृष्ण की लीलाओं की महिमा सुनकर श्रद्धालु आनंदित हो उठे। इसके साथ ही आचार्य शशांक ने काशी नगरी के महत्व, काल भैरव की महिमा सहित विभिन्न शिव भक्तों की भक्ति की पराकाष्ठा का वर्णन किया।

रिटायर कर्मचारी से 20.77 लाख की ठगी

मोबाइल पर आया क्रेडिट कार्ड के आफर का एड, जालसाज ने गोपनीय जानकारी लेकर की धोखाधड़ी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। यूको बैंक के रिटायर्ड कर्मचारी के साथ आनलाइन 20.77 लाख की ठगी हो गई। उनके मोबाइल पर रिटायर्ड बैंक कर्मचारियों के लिए क्रेडिट कार्ड का एड आ रहा था। फार्म करने के साथ जालसाज का कॉल आया। कॉलर ने उनकी गोपनीय जानकारी मांग ली। आधा घंटे के अंदर उनके बैंक खाते से यह रकम कट गई। सायबर क्राइम से जांच के बाद पिपलानी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पिपलानी पुलिस के मुताबिक, 71 वर्षीय ओमप्रकाश कठल पिता श्यामलाल कठल कल्पनानगर पिपलानी में रहते हैं। वह यूको बैंक से रिटार्यड कर्मचारी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मेरा यूको बैंक में खाता है। 9 फरवरी के रात करीब 10 से 11 बजे के बीच मेरे मोबाइल पर यूको बैंक के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए क्रेडिट कार्ड का एड आ रहा था। जिस पर उन्होंने क्लिक कर दिया। इसके बाद एक फार्म खुला। वह फार्म भरने लगे। तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके मोबाइल पर कॉल किया। उसने फार्म

भरवाने में मदद की। जिसमें 40-45 मिनट लगे। इस बीच कॉलर ने बैंक खाता व एटीएम की जानकारी हासिल कर ली। इस बीच उन्हें अहसास हुआ कि किसी ने उनका मोबाइल हैक कर लिया। फोन काटने के 30 मिनट बाद उनके खाते से 5-5 लाख के तीन ट्रांजेक्शन एवं 3 लाख का ट्रांजेक्शन, 2 लाख का ट्रांजेक्शन डेविट करने का मेसेज आया। अगले दिन 11 बजे उनकी पत्नी के बैंक खाते से 77 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन का मेसेज आया। इस तरह जालसाजों ने उनके खातों से 20.77 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। इसके बाद उन्होंने शिकायत की थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एपीके फाइल की लिंक भेजकर जालसाज ने बुजुर्ग के खाते से 2.57 लाख उड़ाए

बैंक के टोल फ्री नंबर से आया फोन, पैसे ट्रांसफर होने की दी जानकारी, कराए होल्ड

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ ठगी हो गई। जालसाज ने एपीके फाइल की लिंक भेजकर वारदात को अंजाम दिया। हर दिन 25 हजार रुपए ट्रांसफर होने पर बैंक के टोल फ्री नंबर से बुजुर्ग के पास फोन आया। उन्होंने पैसे ट्रांसफर करने की बात से मना किया तो बैंक ने रकम को होल्ड करवा दिया। इसके बाद उन्होंने सायबर क्राइम में शिकायत की। जांच के बाद केस डायरी छोला मंदिर थाने को भेजी गई। छोला मंदिर पुलिस के मुताबिक, 69 वर्षीय बृजेश राय पिता इंद्रासन राय ईकोग्रीन पार्क कालोनी बायपास रोड में रहते हैं। वह रिटायर्ड अधिकारी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर एपीके फाइल की लिंक आई थी। लिंक को उन्होंने खोल लिया था। जिससे उनके मोबाइल का सारा डाटा जालसाज ने शेयर कर लिया। 27 जनवरी से 7 फरवरी तक उनके खाते से 2.57 लाख रुपए निकल गए। रोजाना 25 हजार रुपए उनके खाते से आनलाइन ट्रांसफर हो रहे थे। यह देखकर एसबीआई बैंक के टोल फ्री नंबर से उनके पास कॉल आया। बैंककर्मी ने बताया कि आपके खाते से रोजाना 25 हजार रुपए ट्रांसफर हो रहे हैं। यह रकम आप भेज रहे हैं। उन्होंने इससे मना कर दिया। इसके बाद ट्रांसफर की गई रकम पर होल्ड लगा दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

किस्त वसूलने पहुंचे फायनेंस कंपनी के कर्मचारी से मारपीट

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, टीआई बोले- दोनों पक्षों ने किया समझौता

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। लोन की किस्त वसूलने पहुंचे जेएसआर ग्लोबल कालेज में फायनेंस कंपनी के कर्मचारी से मारपीट की गई। मालिक समेत अन्य लोगों ने उसे कमरे में बंद कर पीटा। बाद में पीड़ित सूखीसेवनिया थाने पहुंचा। जहां सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करवाई। घटना शुक्रवार की है। मारपीट का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। सूखीसेवनिया थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी का कहना है कि शनिवार शाम को दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। दोनों ने लिखित में दिया है कि हमें कोई कार्यवाही नहीं चाहिए। जानकारी के मुताबिक, राजेंद्र चौहान एक निजी फायनेंस कंपनी में एजेंट है। शुक्रवार दोपहर दो बजे वह सूखीसेवनिया स्थित जेएसआर ग्लोबल कालेज गया था। इस कालेज के मालिक सुधीर ने 72 लाख रुपए का लोन उसकी कंपनी से लिया है। लोन की तीन किस्त बाउंस थी। वह 40 हजार रुपए लेने पहुंचा था। कालेज में मिले 5-6 कर्मचारियों ने राजेंद्र को बैठाया। उन्होंने पूछा कि मालिक के घर कैसे गए थे। राजेंद्र ने बताया कि लगातार कालेज आने पर मालिक नहीं मिल रहे थे। तब मुझे मजबूरन उनके घर पर जाना पड़ा। इस पर सभी आक्रोशित हो गए। उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि राजेंद्र को बेल्ट, क्रिकेट के बेल व लात-मुक्कों से पीटा गया। दो बजे से शाम चार बजे के बीच उसे तीन बार पीटा। राजेंद्र के साथ मैनेजर अनिल सिंह भी थे। वह बीचबचाव कर रहे थे, लेकिन आरोपी गाली-गलौच का आरोप लगाकर पीटते रहे। घटना के बाद राजेंद्र थाने पहुंचा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी।

एनआईटीटीटीआर देगा ज्ञान परंपरा पर आधारित डिग्री

बीएसएमएस कोर्स का संचालन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार होगा

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एनआईटीटीटीआर ने डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के बाद अपने यहां बहुत से एकेडेमिक प्रोग्राम स्टार्ट किये हैं। संस्थान आगामी शैक्षणिक सत्र से एक बिशिष्ट प्रोग्राम बीएसएमएस (बैचलर ऑफ साइंस एंड मास्टर ऑफ साइंस) स्टार्ट करने जा रहा है, जो भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगा। देशभर में भारतीय ज्ञान परम्परा का बीएसएमएस कोर्स पहला होगा। कोर्स का संचालन राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसार होगा।

संस्थान निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया कि एनआईटीटीटीआर के विद्यार्थी केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल और इस क्षेत्र से जुडे संस्थानों के साथ कार्य कर करने का अवसर मिलेगा। धर्म, दर्शन, विज्ञान, वास्तु, ज्योतिष, खगोल, स्थापत्य कला, नृत्य कला, संगीत कला, समेत सभी तरह के ज्ञान का जन्म भारत में हुआ है। इसके हजारों प्रमाण हैं। कला, विज्ञान, गणित और ऐसे अनगिनित क्षेत्र हैं जिनमे भारतीय योगदान अनुपम है। आधुनिक युग के ऐसे बहुत से अविष्कार हैं, जो भारतीय शोधों के निष्कर्षों पर आधारित हैं। हमारे देश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह जानकारी होनी। यह कोर्स जॉब ओरिएंटेड होगा स्टूडेंट्स को भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों ,भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परम्पराओं के साथ साथ ज्ञान परम्परा की विरासत के संरक्षण की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी पर अध्ययन एवं फील्ड बेस्ड प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया जायेगा। संस्थान के डीन साइंस एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पीके पुरोहित ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा का बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है, जो आज भी आधुनिक विज्ञान में उपयोगी है।

तीन लाख के गांजे के साथ सीहोर की महिला तस्कर गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। क्राइम ब्रांच की टीम ने नशे के खिलाफ कार्रवाई कर महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस ने 10 किलो 270 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब तीन लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एमपी नगर स्थित जीवन बीमा ऑफिस के सामने ग्राउंड में एक महिला गांजा बेचने की फिराक में किसी ग्राहक का इंतजार कर रही है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर महिला को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान 50 वर्षीय सीता बाई कुचबंदिया निवासी गंज मोहल्ला, सीहोर के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से प्लास्टिक की बोरी में रखा तीन पैकेट गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने महिला के कब्जे से एक मोबाइल भी जब्त किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

केओलिन से पेट में अपच और दूर होगी आइरन की कमी: डॉ श्रीवास्तव

संगोष्ठी में खनिजों से बीमारियों के निदान के दिए उदाहरण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। खनिज संसाधन, औद्योगीकरण एवं पर्यावरणीय मुद्दे पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मोतीलाल साइंस कालेज और भूगर्भशास्त्र विभाग के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ सीपी श्रीवास्तव ने विभिन्न खनिजों से बीमारियों के निदान के अनेक उदाहरण दिये, जैसे कि केओलिन (मृदा) से पेट में अपच, आइरन की कमी को दूर किया जा सकता है, लेपिस लेजुली नाम के खनिज के द्वारा मानसिक शांति एवं आत्म विश्वास को बढ़ाने में मदद मिलती है। डॉ एएन सिंह ने बताया कि कृत्रिम हीरा, डाइमंड उद्योग के लिए बहुत बड़ा खतरा है। वर्तमान में कृत्रिम हीरा बहुतायत में उपलब्ध है, जो आम जन नहीं पहचान पाते एवं धोखे का शिकार हो जाते है। इसलिए हमें प्राकृतिक हीरे की पहचान होना आवश्यक है। डॉ प्रदीप बागड़े ने बताया कि कैसे यह हमारे जीवन में महत्वपूर्ण है। आज हम मोबाइल की स्क्रीन में जो कलर देख पा रहे है, वह यूरोपियम व टरबियम जैस एलिमेंट्स से आते है। विभागाध्यक्ष डॉ आरएस रघुवंशी ने बताया कि हमारा भूविज्ञान विभाग और कालेज निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विकास केवल आधारभूत सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शैक्षणिक, तकनीकी और शोध के क्षेत्र में भी निरंतर उन्नति हो रही है।

हम अभी भी कच्चे तेल पर अत्यधिक निर्भर

सोसाइटी ऑफ जियो-एलुमनी के अध्यक्ष डॉ व्हीके पाराशर ने कहा कि भारत विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। इतनी बड़ी जनसंख्या की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम अभी भी कच्चे तेल पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिसे अमेरिका, रूस और ईरान जैसे देशों से आयात किया जाता है। यह निर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डालती है। प्राचार्य डॉ. गीता मोदी ने कहा कि इस सृष्टि में जो कुछ भी है, वह सब मातृभूमि से ही प्राप्त हुआ है। हमारे जीवन में उपयोग होने वाले सभी खनिज, धातुएं और प्राकृतिक संसाधन पृथ्वी की देन हैं।

भर्ती | 22 विभागों में 55 प्रोफेसर, एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर्स के पद हैं खाली, गत वर्ष आवेदन कराए थे जमा

शैक्षणिक व्यवस्था सुधारने बीयू में फिर शुरू होगी नियुक्ति प्रक्रिया

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि (बीयू) में 55 असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए करीब डेढ़ हजार उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। गत वर्ष 31 मई आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि रखी गई थी, लेकिन बीयू नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं कर सका। अब नवनियुक्त कुलसचिव प्रो समर सिंह ने बीयू की शैक्षधिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। उन्होंने पुराने आवेदनों के साथ नये आवेदनों को जमा कराने के लिए आवेदन खोलने के निर्देश भी जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में जो आवेदन जमा हुए हैं उन्हें अपडेट कराया जाए। क्योंकि कई उम्मीदवारों की डिग्री अपग्रेड होने की संभावना है। अभ्यर्थी पुरानी आईडी से आनलाइन आवेदन खोलकर अपडेट कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें शुल्क नहीं देना होगा। नये आवेदकों को भी आवेदन का मौका दिया जाएगा।

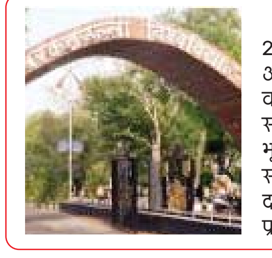

इन विषयों के रखे जाएंगे प्रोफेसर

22 विभागों में 55 असिस्टेंट व एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर रखे जाएंगे। प्रमुख विषयों में वायोकेमिस्ट्री, वायोसाइंस, जैन-बौद्ध दर्शन, संस्कृत, कॉमर्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेनेटिक्स, भूविज्ञान, लॉ, लिम्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, साइकोलॉजी और समाजशास्त्र शामिल हैं। दस्तावेज़ों की स्कूटनी के बाद इंटरव्यू की प्रकिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

2022 में शुरू हुई थी भर्ती प्रक्रिया

बीयू में चार साल से भर्ती प्रक्रिया के नाम पर कुलगुरु सुरेश कुमार जैन वाह-वाही लूट रहे हैं, लेकिन वे प्रक्रिया को पूरी नहीं कर पाएं। भर्ती प्रक्रिया 2022 में शुरू की गई थी, लेकिन आरक्षण विवाद के चलते इसे रद्द कर दिया गया। अब बीयू नया नोटिफिकेशन जारी कर आवेदन जमा कराएगा। इसके लिए उम्मीदवारों को आनलाइन नामांकन करना होगा। इसके बाद मैन्युली कापी को बीयू भेजना होगा।

महिलाओं को दिया 35 फीसदी आरक्षण

भर्ती में 11 असिस्टेंट प्रोफेसर के पद महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। नये रोस्टर में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण दिया गया है। 55 पदों की हैं। उक्त 11 पद 11 विभागों में दिए गए हैं। इसके तहत ही रोस्टर तैयार किया गया है। बीयू को नये विज्ञापन के तहत 13 प्रोफेसर, 11 एसोसिएट प्रोफेसर और 31 असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियुक्त करना है।

इस तरह की जाएगी भर्ती

- **महिलाओं के लिए:** 11 आरक्षित पद
- **सामान्य वर्ग में चार पद:** वाणिज्य, निम्नोलाजी, प्राकृत और मनोविज्ञान
- **एससी वर्ग में दो पद:** जियोलाजी और समाजशास्त्र
- **एसटी वर्ग में एक पद:** भौतिक
- **ओबीसी वर्ग में तीन पद:** इलेक्ट्रिकल, माइक्रोबायोलाजी और संस्कृत
- **ईडब्ल्यूएस में एक पद :** आरपीईएस

आरक्षण के तहत पद

अनारक्षित	10 पद
ओबीसी	09 पद
अनुसूचित जाति	05 पद
अनुसूचित जनजाति	03 पद
ईडब्ल्यूएस	04 पद

एनएसएस के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप प्रवेश एवं शुल्क विनियमन समिति के अध्यक्ष डॉ रविंद्र कन्हारे उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना मात्र एक कार्यक्रम नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला है। जहां विद्यार्थी में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सरोकार और टीम भावना का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ मनोज कुमार अग्निहोत्री, राज्य एनएसएस अधिकारी ने रासेयो के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक, बीयू डॉ अनंत कुमार सक्सेना ने एनएसएस कैंप के दौरान होने वाले व्यावहारिक एवं जीवंत अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा किया।

भारत वर्ष के नव जागरण और विकास की सतत यात्रा

महाशिवरात्रि पर्व
15 फरवरी 2026

विक्रमोत्सव 2026
15 फरवरी से 19 मार्च 2026
विक्रम सम्वत् 2082-83 • उज्जैन

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

महादेव पर्व

भगवान शिव की आराधना

प्रदेश के प्रमुख स्थानों पर आयोजित गतिविधियाँ

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

बटेश्वर हिंदू मंदिर- बटेश्वर (मुरैना)	रानिदहार-पचमढ़ी (नर्मदापुरम)	बहारोघाट-गुना	शिव मंदिर-भिण्ड
जुगलकिशोर मंदिर-पन्ना	चंद्र सागर-तालाब बड़ोदा (श्योपुर)	शाहगढ़-सागर	पथरिया-सागर
प्राचीन शिव मंदिर-देवतालाब (मऊगंज)	बटियागढ़-सागर	खजुराहो-छतरपुर	रीवा किला-रीवा
पशुपतिनाथ मंदिर-मंदसौर	देवतालाब-सागर	शिव मंदिर-रीवा	बीरसिंहपुर-सेमरिया (सतना)
कुण्डेश्वर धाम-टीकमगढ़	शिव मंदिर-अमरकंटक	पाली शिव मंदिर -सागर	बरमान-नरसिंहपुर
कोटेश्वर महादेव-लांजी (बालाघाट)	बांद्राभान-नर्मदापुरम/सीहोर	सोनादहार घाट-नरसिंहपुर	कोटेश्वर-ग्वालियर
नीलकण्ठेश्वर मंदिर-उदयपुरा (विदिशा)	ककरा घाट-गाडरवारा	भुवन-छिंदवाड़ा	खिलचीपुर-राजगढ़
चौदह महादेव-नरवर (शिवपुरी)	बाबई -नर्मदापुरम	पीतांबरा पीठ-दतिया	महिदपुर-उज्जैन
जागेश्वरनाथ धाम मंदिर-बांदकपुर (दमोह)	उदयेश्वर-विदिशा	मासेर-ग्यारसपुर(विदिशा)	बिजावली-देवास
नागर घाट-ओंकारेश्वर (खण्डवा)	सारंगपुर-राजगढ़	भौंरासा -देवास	चांदवासा-मंदसौर
जटाशंकर मंदिर-बागली (देवास)	बनग्राम भोपाली-घोड़ाडोंगरी (बैतूल)	खंडलाई-धार	देव गुरडीया-इंदौर
सहस्त्रमुखेश्वर महादेव मंदिर-कुकड़ेश्वर (नीमच)	तराना-उज्जैन	शिव बाबा का मेला-सत्तापुर	मुल्थान-धार
शिवमंदिर प्रांगण-भोजपुर (रायसेन)	पुंजापुरा-सागर	देवली पहाड़ी-मोरुखेदी (शाजापुर)	शिव मंदिर-धार
नोहलेश्वर मंदिर-नोहटा (दमोह)	किलेश्वर महादेव मंदिर-नीमच	सोमेश्वर-रायसेन	अंजड-बड़वानी
	ओंकारेश्वर, मांधाता (खंडवा)		

आयोजक-संयोजन : संस्कृति संचालनालय, भोपाल

विक्रमोत्सव 2026 के आकर्षक कार्यक्रम

विक्रमोत्सव शुभारंभ, शिवोऽहम- प्रीतम, मुम्बई की प्रस्तुति, **शिवनाद** -शंख एवं डमरु वादन, कलश यात्रा, **विक्रम व्यापार मेला, प्रदर्शनियाँ** (• विक्रमादित्य और अयोध्या • आर्ष भारत • महाभारत कालीन अस्त्र-शस्त्र चक्रव्यूह- पताकाएँ- शंख • 84 महादेव • जनजातीय देवलोक का संयोजन), **विक्रम नाट्य समारोह,** अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम, **पुतुल समारोह**, अंतराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी **विक्रमादित्य का न्याय** (वैचारिक समागम) **लोकरंजन** (बोलियों का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन), **नारी शक्ति** - कवयित्री सम्मेलन **अनहद** (संगीत का उद्भव एवं विकास: वैचारिक समागम), अंतराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, **शिव पुराण** (शिव पुराण आख्यान के चित्रांकन की प्रदर्शनी, शैव परंपरा की कलाओं की प्रस्तुतियाँ) **अंतरराष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव,** भारतीय विज्ञान शोध संगोष्ठी **ज्योतिष सम्मलेन, वेद अंताक्षरी,** कोटि सूर्योपासना, **अखिल भारतीय कवि सम्मेलन,** सम्पूर्ण मध्यपदेश में विक्रमोत्सव का आयोजन सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, उज्जयिनी गौरव दिवस, **सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण,** प्रकाशन लोकार्पण **महादेव नदी कथा** (नृत्य नाट्य प्रस्तुति) सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक **विशाल मिश्रा,** मुम्बई, भव्य आतिशबाजी **ड्रोन शो**

D-11205/25

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित
सहभागिता/संयोजन: धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जिला प्रशासन

आप सादर आमंत्रित हैं। प्रवेश नि:शुल्क

संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और यह आप की ऊंचाई को खत्म भी कर सकता है
-स्वामी विवेकानंद

एआई वास्तव में छीन रहा नौकरियां या सिर्फ कंपनियों का बहाना?

अमेजन से निकाले गए एआई एक्सपर्ट एन ली प्लंब की कहानी इस धारणा पर सवाल खड़े करती है कि नौकरियां केवल एआई न सीखने की वजह से जा रही हैं। प्लंब खुद अमेजन में एआई को लागू करने वाले प्रमुख लोगों में थे और कंपनी के टॉप एआई यूजर्स में गिने जाते थे। इसके बावजूद उनकी छंटनी यह दिखाती है कि मौजूदा जॉब कट्स के पीछे सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि कंपनियों की रणनीति और शेयर बाजार को खुश करने की सोच भी काम कर रही है।

● सुयश पांडेय ●

प्लंब अपनी टीम में एआई को लागू करने वाले मुख्य व्यक्ति थे और कंपनी के कोडिंग टूल्स का इतना बेहतरीन इस्तेमाल करते थे कि अमेजन ने खुद उन्हें अपने टॉप यूजर्स की सूची में शामिल किया था। एक तरफ अमेजन के सीईओ एंडी जैसी का तर्क है कि 16,000 कर्मचारियों की छंटनी इसलिए की गई क्योंकि एआई ने काम को इतना आसान बना दिया है कि अब कम लोगों की जरूरत है। लेकिन दूसरी तरफ, प्लंब जैसे एक्सपर्ट्स और कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह पूरी तरह सच नहीं है। उनका कहना है कि जब एआई में माहिर लोगों को ही निकाला जा रहा है तो साफ है कि इन छंटनी के पीछे की असली वजह सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि कंपनी के कुछ और अंदरूनी कारण या रणनीतियां हैं।

वॉल स्ट्रीट को लुभाने का खेल?

अमेजन के साथ-साथ एक्सपीडिया, पिनट्रेस्ट और डॉव जैसी बड़ी कंपनियां भी अपनी छंटनी के पीछे एआई का ही हाथ बता रही हैं। लेकिन एन ली प्लंब का नजरिया थोड़ा अलग है। उनका कहना है कि कंपनियां शेयर बाजार में खुद को बेहतर दिखाने के लिए एआई का नाम ले रही हैं। जब कोई कंपनी कर्मचारियों की संख्या घटाती है तो वह यह दिखाती है कि वह अब कम खर्च में ज्यादा काम (दक्षता) कर रही है। इससे कंपनी के शेयर की कीमतें बढ़ती हैं और नए निवेशक आकर्षित होते हैं। प्लंब का मानना है कि हो सकता है इन कंपनियों में जरूरत से ज्यादा कर्मचारी पहले से ही हों लेकिन वे छंटनी का सारा दोष एआई पर मढ़ रही हैं ताकि इसे एक 'प्रगतिशील कहानी' की तरह पेश किया जा सके।

क्या एआई वाकई तैयार है?

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर करण गिरोत्रा का कहना है कि एआई अभी इतना काबिल नहीं हुआ है कि वह भारी संख्या में लोगों की जगह ले सके। उनके मुताबिक, एआई से फिलहाल सिर्फ इतना फायदा हो रहा है कि कर्मचारी अपना काम थोड़ा जल्दी निपटा लेते हैं। लेकिन पूरी कंपनी का ढांचा बदलकर उसे कम लोगों से चलाना इतना आसान नहीं है, इसमें काफी समय लगता है। असल में, अमेजन जैसी कंपनियों में छंटनी की एक बड़ी वजह यह भी हो सकती है कि उन्होंने कोरोना काल के दौरान जरूरत से ज्यादा भर्तियां कर ली थीं, जिसे अब वे कम कर रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स की एक रिपोर्ट भी यही कहती है कि पूरी दुनिया के नौकरी बाजार पर एआई का असर अभी बहुत कम है। हालांकि मार्केटिंग, डिजाइनिंग और टेक सेक्टर में इसका प्रभाव दिखने लगा है, लेकिन एआई के नाम पर जितनी छंटनी की बातें हो रही हैं, असल में आंकड़े उतने बड़े नहीं हैं।

अन्य कंपनियों का रुख

- पिनट्रेस्ट ने साफ-साफ कहा कि वह अपने 15 फीसदी कर्मचारियों को इसलिए निकाल रही है ताकि वह अपनी एआई-फर्स्ट रणनीति पर काम कर सके। उनका मकसद पुराने कर्मचारियों की जगह ऐसे नए लोगों को रखना है जो एआई चलाने में माहिर हों।
- मेटा के मार्क जुकरबर्ग का मानना है कि साल 2026 वह समय होगा जब एआई हमारे काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। हालांकि, अभी मेटा में जो छंटनी हो रही है, उसका मुख्य कारण उनके मेटावर्स विभाग (वर्चुअल रियलिटी) में बदलाव करना है।
- होम डिपो ने भी अपने 800 कर्मचारियों को निकाला है, लेकिन उन्होंने ईमानदारी से यह साफ कर दिया कि इसका एआई से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने यह कदम सिर्फ कंपनी के काम की रफ्तार बढ़ाने और उसे फुर्तीला बनाने के लिए उठाया है।
- अमेजन अब तक 30,000 से भी ज्यादा नौकरियां कम कर चुका है, लेकिन यहां एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिलता है। एक तरफ कंपनी अपने कर्मचारियों को सलाह दे रही है कि वे भविष्य के लिए एआई के प्रति जिज्ञासु बनें, तो दूसरी तरफ वह प्लंब जैसे उन पावर यूजर्स को भी बाहर का रास्ता दिखा रही है जो एआई का इस्तेमाल करने में पहले से ही माहिर थे।
- इससे यह साफ हो जाता है कि आज के कॉर्पोरेट जगत में एआई दोहरी भूमिका निभा रहा है। यह न केवल नई तकनीक और सुधार का एक जरिया है, बल्कि कंपनियों के लिए अपना खर्च घटाने और शेयर बाजार में अपनी छवि चमकाने का एक सुविधाजनक बहाना भी बन गया है।

वेदों से जोड़ा जाता है शिव की उत्पत्ति को

● देवदत्त पटनायक ●

महाकाव्य में सती का कोई जिक्र नहीं है, जिन्हें लोककथाओं में दक्ष की पुत्री और शिव की पत्नी के रूप में जाना जाता है। जिनके अनुसार सती ने अपने पिता के अग्नि-दीक्षागृह में आत्मदाह कर लिया था, क्योंकि उनके पिता ने अपने दामाद को समारोह में आमंत्रित करने से इनकार कर दिया था। सती के शव को शिव द्वारा ले जाने और शव के टुकड़ों के भारत के विभिन्न भागों में बिखरने का भी कोई उल्लेख नहीं है, जहाँ शक्ति-पीठ के नाम से जाने जाने वाले देवी मंदिर स्थापित हैं। सती और शिव की ये कथाएँ 500 ईस्वी से 1000 ईस्वी के बीच मिलती हैं। महाभारत इससे पुराना है, जो 100 ईसा पूर्व का है।

महाभारत में शिव की पत्नी का नाम पार्वती बताया गया है। इससे पहले केना उपनिषद में शिव की पत्नी का नाम उमा बताया गया है और शिव को परम जीवन शक्ति या ब्रह्म के रूप में वर्णित किया गया है। सती का कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए, शिव की दो पत्नियों (पहली दक्ष की पुत्री और दूसरी हिमवान की पुत्री) का विचार बाद में सामने आया। महत्वपूर्ण बात यह है कि शिव भले ही एक तपस्वी थे, लेकिन उनकी पहली पत्नी सती एक ब्राह्मण की पुत्री थीं, जबकि उनकी दूसरी पत्नी पार्वती एक क्षत्रिय की पुत्री थीं।

शिव की उत्पत्ति को आमतौर पर वेदों से जोड़ा जाता है, जो 1000 ईसा पूर्व के हैं। रहस्यमय देवता रुद्र, जो वन में निवास करते हैं, पशुओं की देखभाल करते हैं, रोग और औषधियों दोनों से जुड़े हैं, जिनके हाथ में धनुष है और जिन्होंने एक बाण चलाकर आदिम पिता को अपनी पुत्री का पीछा करने से रोका था। रुद्र का दक्ष से संबंध बाद में स्थापित हुआ। इसके बाद ही उनके विवाह और संतान की कथाएं आती हैं। यह सब इस बात की ओर ध्यान दिलाता है कि शिव की कथाएं समय और स्थान के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक प्रेरणाओं और चुनौतियों के अनुरूप कैसे बदलती रहीं।

1000 ईसा पूर्व के बाद गंगा और यमुना के बीच स्थित दोआब क्षेत्र में वैदिक संस्कृति फली-फूली। यहीं वैदिक अनुष्ठानों का विकास हुआ। यहाँ कोई मंदिर या स्थायी तीर्थस्थल नहीं थे, जो इसके घुमंतू अतीत की स्मृति दर्शाते थे। यहीं पर देवताओं और असुरों के बीच युद्ध की सबसे प्राचीन कथाएँ सुनाई जाती हैं। देवताओं और असुरों को प्रजापति का सौतेला भाई माना जाता था, जो प्रथम सत्ता थे, जिन्हें बाद में ब्रह्मा के रूप में पहचाना गया। यह युद्ध संसाधनों के लिए था।

- लगभग 500 ईसा पूर्व, गंगा नदी बेसिन के निचले हिस्से से, यानी वर्तमान झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार से आए मठवासी विचारों ने इस भौतिकवादी दुनिया को चुनौती दी। इन मठवासी संप्रदायों में सबसे प्रमुख बौद्ध धर्म है। बौद्ध मान्यता के अनुसार, इसके संस्थापक बुद्ध एक तपस्वी थे जो गृहस्थ बन गए।

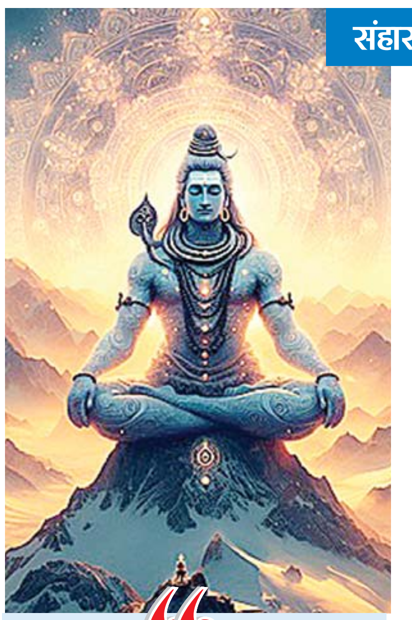

हिंदू महाकाव्य महाभारत में भीष्म अर्जुन को शिव और दक्ष के बीच हुए युद्ध की कथा सुनाते हैं। शिव ने दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर दिया क्योंकि दक्ष ने उन्हें यज्ञ में भाग लेने के लिए आमंत्रित करने से इनकार कर दिया था। यह घटना गंगाद्वार में घटी थी, जिसे कुछ लोग आज का हरिद्वार मानते हैं।

महाभारत हमें शिव से परिचित कराता है, जो एक तपस्वी थे और गृहस्थ जीवन व्यतीत कर रहे थे। रामायण शिव कथा को और विस्तृत करती है। इसमें बताया गया है कि कैसे शिव ने गंगा को स्वर्ग से अवतरित होने और मृत पूर्वजों के पुनर्जन्म को संभव बनाने में मदद की।

- 500 ईस्वी तक, शिव की कथाएँ मुख्यधारा में आ चुकी थीं। वे एक तपस्वी हैं जो गृहस्थ बन जाते हैं (सन्यासी जीवन का त्याग करते हुए) और वैदिक यज्ञों का नाश करते हैं (ब्राह्मणवादी अनुष्ठानों का त्याग करते हुए)। उनकी प्रतिमाएँ भारत के पश्चिमी और पूर्वी तटों पर कलचुरी, चालुक्य और पल्लव राजाओं द्वारा स्थापित की गईं, जिनका व्यापार मार्गों और बंदरगाहों पर नियंत्रण था। मंदिरों में उन्हें रामायण के खलनायक रावण को कुचलते हुए दिखाया गया है, जब रावण शिव के पर्वतीय निवास कैलाश को ले जाने का प्रयास करता है।
- सन् 1000 ईस्वी तक, हम देखते हैं कि रक्त, शराब और यौन क्रियाओं से जुड़े तंत्र अनुष्ठानों के माध्यम से देवी को प्रसन्न करने के प्रयास बढ़ते गए। हमें शिव को काली के चरणों में बैठे, देवी के लिए संतान प्रदान करते, युद्धों में उनकी सहायता मांगते और उनकी रसोई में भोजन करते हुए दिखाया गया है। जब शिव देवी पर ध्यान देते हैं, तो उग्र देवी का स्वभाव शांत हो जाता है।
- सन् 1500 ईस्वी तक, इस्लाम भारत में अपनी जड़ें जमा चुका था। मांसाहार को बाहरी लोगों से जोड़ा जाने लगा। शुद्धिकरण के अनुष्ठान लोकप्रिय हो गए। शिव का आदिवासियों और अनुष्ठानिक रूप से अपवित्र श्मशान घाट से पुराना संबंध कम महत्व का हो गया।

संहारक क्यों कहा जाता है शिव को

पौराणिक कथाओं की प्रचलित समझ के अनुसार, ब्रह्मा को सृष्टिकर्ता, विष्णु को पालनकर्ता और शिव को संहारक कहा जाता है। जब आप लोगों से पूछते हैं कि , तो वे उत्तर देते हैं कि क्योंकि वे बुराई का संहारक हैं। यदि शिव बुराई का संहारक हैं तो बुराई शब्द हिंदू धर्म का शब्द नहीं है। यह उन संस्कृतियों से संबंधित है जो पुनर्जन्म और कर्म में विश्वास नहीं करतीं। शिव वास्तव में क्या नष्ट करते हैं, इसका अध्ययन करने से शायद इस प्रश्न का उत्तर मिल सके।

अंधकार के नाश से जुड़े हैं शिव

शिव को अंधक नामक असुर के वध से जोड़ा जाता है, जो अपनी अंधता के कारण माता और पत्नी के बीच अंतर नहीं कर पाता था। उन्हें कामदेव, यानी वासना के देवता, के संहार से भी जोड़ा जाता है, इसलिए शिव को कामंतका कहा जाता है। उन्होंने मृत्युदेव, यम को पराजित किया, इसलिए शिव को यमंतका कहा जाता है। उन्हें ब्रह्मा का सिर कलम करने से भी जोड़ा जाता है, इसलिए उन्हें कपालिन कहा जाता है। उन्होंने दक्ष का सिर कलम किया और दक्ष के यज्ञ को उलट दिया, जो एक बहुत प्रसिद्ध कथा है। उन्होंने असुरों के तीन नगरों, त्रिपुरा का विनाश किया, इसलिए उन्हें त्रिपुरंतका कहा जाता है। उन्हें दूध के सागर से निकलने वाले विष, हलाहल, के संहार से भी जोड़ा जाता है। इन कथाओं से हमें यह अहसास होता है कि शिव अंधकार के नाश से जुड़े हैं, जो इच्छा, मृत्यु और समय के साथ-साथ तीनों लोकों और यज्ञों के नाश से भी प्रकट होता है। लेकिन इस नाश की भरपाई शिव के पुनर्जन्म से जुड़े कार्यों से होती है- शक्ति से विवाह, कार्तिकेय और गणेश के पिता बनना, गंगा नदी को स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित करना और पुनर्जन्म को संभव बनाना। यज्ञ, त्रिपुरा, काम, यम और अंधक का नाश करके हम देखते हैं कि शिव एक स्तर पर पुनर्जन्म के चक्र को नष्ट करने से जुड़े हैं।

बजट, अरबपति और सौदेबाजी की कला

● ट्विंकल खन्ना ●

एक निवेश बैठक में शामिल होने के लिए मैं जब अपनी अलमारी के सामने खड़ी हुई तो कुछ देर कन्फ्यूज होती रही। हालांकि मेरी पहली पसंद एक नारंगी जंपसूट है, जो कम रोशनी में मुझे एक अमेरिकन सीरीज में दिखाए के जेल कैदी जैसा दिखता है। मैंने इसे तुरंत वापस रख दिया. मेरी सामान्य पोशाक जींस और डेनिम शर्ट भी अपर्याप्त लगी। मैं सोच में पड़ गई, स्टीव जॉब्स हर दिन एक ही काला टर्टलनेक टी शर्ट पहन कर जीनियस कहला सकते थे, वहीं, यदि कोई महिला कपड़े रिपीट करती है, तो वह अजीब या 'ओल्ड स्कूल' है। मैं गुच्ची के लेबल वाली ब्लेज़र पहनती हूं, तो मैं एक उद्यमी महिला की तरह की तरह नहीं बल्कि बैगेज टैग लगे सूटकेस की तरह नजर आती हूं। गनीमत है कि तो कम से कम मेरे पास अपना नाम है। जब भी मैं ईमेल देखती हूं, मुझे लगभग उन दिनों की याद आ जाती है जब बिल गेट्स एक्सेल के कारण ट्रेंड में थे न कि एप्सटीन के कारण। एक सेकंड के लिए, मैं माइक्रोसॉफ्ट का बहिष्कार करने पर विचार करती हूं, अगले ही पल इस विचार को निकाल कर वर्ड में टाइप करना जारी रखती हूं। सही है, मनुष्य ने सदैव नैतिकता के स्थान पर सुविधा को चुना है।

बजट दिवस की साड़ियां

बजट के गहन विश्लेषण की तलाश में फोन देखा तो वित्त मंत्री की साड़ी के बारे में रिपोर्टों की बाढ़ ही आई हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में सीतारमन के बजट दिवस की साड़िया.... अख़बारों में नौ बजट जैसी सुर्खियों में छपती हैं, नौ साड़ियां। जाहिर है, वित्त मंत्री ने मैजेंटा कांजीवरम में बजट शो चुरा लिया। उन्होंने स्वयं लैंगिक भेदभाव को उजागर करते हुए कहा है कि कोई भी पुरुष राजनेता से यह नहीं पूछता कि वह क्या पहनने की योजना बना रहा है। यह कल्पना करना भी कठिन है कि एक पत्रकार अरुण जेटली के पास जाएगा और पूछेगा, सर, क्या आप काले या खाकी में बजट की घोषणा करेंगे? वह कहती हैं, यह द्वेष नहीं है, सिर्फ कंडीशनिंग है। ऐसा समझा जाता रहा है कि पुरुष नीतियां प्रस्तुत करते हैं और महिलाएं, जाहिर तौर पर पल्लू पेश करती हैं।

प्राडा का 'स्कार्फ'

लंच ब्रेक के दौरान फोन पर स्क्रॉल करने के दौरान 'द डेविल वियर्स प्राडा' की क्लिप दिखाई देती है। मुझे तुरंत वह याद आया जब प्राडा ने 1,200 डॉलर की कोल्हापुरी चप्पल लॉन्च की थी। कोल्हापुरी पर हुए विवाद से बेपरवाह प्राडा ने अब 'चाय परफ्यूम' पेश किया है। लगता है अब जल्दी प्राडा डेविल एक 'गमछे' में दिखाई देगा, जिसे बेचने के लिए हाई प्रोफाइल नाम दिया जाएगा...'चेकर्ड, हाथ से बुने हुए तौलिया स्कार्फ'।

सौदेबाजी में श्रेष्ठ भारतीय

मैंने अपने एक बैंकर मित्र को फोन पर पूछा कि मेरा कुछ निवेश महीनों से मध्यस्थता में रखा हुआ है उसका क्या करना है? उन्होंने हंसी के अंदाज में कहा सेंसेक्स भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर खुशी मना रहा है, ऐसा लगता है कि हम उस काम में सफल हो गए हैं जो हम भारतीय सबसे अच्छे तरीके से करते हैं- सौदेबाजी.. चाहे फिर वह सब्जी वाला हो, विवाह तय करना हो या वैश्विक व्यापार डील हो। आगे बोले- ठीक है, 600 बिलियन आयात और 30फीसदी टैरिफ। मैनें कहा- अरे इसे 500 बिलियन और 12 फीसदी करो और मैं नट्स पर फीस में कटौती करूंगी। साथ ही, कुछ स्कूटर भी। यार, खुल कर बताओ, शरमाओ मत...तुम्हें इसकी जगह फ्रिज चाहिए या वॉशिंग मशीन? उन्होंने कहा- 25 फीसदी और कुछ विमान... । ...चलो विमानों की बात ठीक है, लेकिन हम टैरिफ के लिए एक राउंड फिगर तय करते हैं। 18फीसदी कैसा रहेगा, मेरे अंकशास्त्री ने कहा है कि यह एक भाग्यशाली संख्या है। उन्होंने इस डील को लॉक कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि कोई भी यह रिपोर्ट नहीं करता कि राजनेताओं ने व्यापार वार्ता के दौरान क्या पहना था। मुझे विश्वास है कि ट्रम्प 'प्राडा' में थे।

महिला के कपड़े उसकी योग्यता का बयान

मेरी बिल्डिंग में एक रिंग सेरेमनी है और मेरे पास तैयार होने के लिए पंद्रह मिनट हैं। एक आदमी कुर्ता-पायजामा को संसद में, शादी में या स्लीपिंग ड्रेस के तौर पर भी पहन सकता है। लेकिन हमारे पास वह आज़ादी नहीं है। एक महिला के कपड़े उसकी योग्यता का सार्वजनिक बयान होते हैं। पश्चिम में, एंजेला मर्केल, हिलेरी क्लिंटन और मार्गरेट थैचर ने पावर सूट के साथ इस समस्या का समाधान किया। लेकिन उनके पास हमारा छह गज का इतिहास, रेशम और हथकरघा की हमारी विरासत नहीं थी। पूरे दिन सीतारमण की मैजेंटा साड़ी की तस्वीरें देखने के बाद, मैं भी कांजीवरम की ओर रुख करती हूं। जैसे ही मैं रेशम पहनती हूं, मैं महिलाओं के कपड़ों की कई भूमिकाओं के बारे में सोचती हूं। महिलाओं के परिधान मंत्रालयों, बोर्डरूमों और घरों में, कवच, सजावट, आराम और आत्मविश्वास का काम करते हैं। मैं साड़ी की प्लीट्स को टक करती हूं और पिन से सुरक्षित करती हूं। आम तौर पर हमारे पल्लू के रंग पर ध्यान देते हैं, न कि यह कि हम महिलाएं अपने देश के ताने-बाने को बिना किसी सेफ्टी पिन के एक साथ कैसे रख पाती हैं।

दुनिया के सामने आ रही तेज गर्मी की चुनौती

दुनिया के मौसम में बदलाव की एक अहम प्रणाली 'अल नीनो' प्रशांत महासागर के तापमान और हवा के प्रवाह के उतार-चढ़ाव से जुड़ी हुई है। इसका असर भारत से लेकर अमेरिका तक देखा जाता है। एक्सपर्ट ने दुनिया को चेताया है कि दुनिया को अगले साल तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। इसकी वजह प्रशांत महासागर में अल नीनो का बनना होगा। मौसम विज्ञान के एक्सपर्ट का कहना है कि प्रशांत महासागर में अल नीनो का बनना 2027 में ग्लोबल तापमान को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा सकता है। यह इसलिए चिंताजनक है क्योंकि बीते तीन वर्ष पहले ही सबसे गर्म साल रिकॉर्ड किए गए हैं। मौसम एजेंसियों और क्लाइमेट वैज्ञानिकों ने इस साल के आखिर में प्रशांत महासागर में अल नीनो बनने की संभावना जताई है। पूरी दुनिया में इसका सीधा असर देखने को मिलेगा।

अमेरिकी सरकार के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन और ऑस्ट्रेलिया के ब्यूरो ऑफ मेटियोरोलॉजी ने कहा है कि क्लाइमेट मॉडल अल नीनो का अनुमान लगा रहे हैं।

अल नीनो कैसे बनता है

प्रशांत महासागर में समुद्र के तापमान का चक्र दुनिया भर में मौसम की चरम घटनाओं से जुड़ा हुआ है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पूर्व में औसत से ज्यादा गर्म पानी इकट्ठा होकर अमेरिकी महाद्वीप के तट तक फैलता है तो इसे अल नीनो कहा जाता है। यह ग्लोबल तापमान को बढ़ाता है। ऑस्ट्रेलिया के ब्यूरो ने कहा है कि कुछ मॉडल जून से अल नीनो के बनने की संभावना बता रहे हैं। अमेरिकी एजेंसी के क्लाइमेट साइंटिस्ट एंड्रयू वॉटकिंस ने कहा है कि हमारे पास पश्चिमी ट्रॉपिकल प्रशांत महासागर में बहुत सारा गर्म पानी जमा है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रिया टैशेटो ने कहा कि मौजूदा वक्त में ला नीना खत्म हो रहा है, जहां गर्म पानी ऑस्ट्रेलिया के करीब है।

जब चित्रा ने जगजीत से कहा- मैं तुमसे शादी कैसे कर सकती हूं?

ये साल 1968 की बात है। उस वक्त चित्रा जी जीवन में अकेली पड़ चुकी थी। एक दूसरी महिला के लिए चित्रा जी के पहले पति देबू प्रसाद ने उन्हें छोड़ दिया था। उसी दौरान जगजीत सिंह जी ने चित्रा जी को शादी के लिए प्रपोज़ किया था। और चित्रा जी ने उनसे कहा था कि अभी मेरा तलाक नहीं हुआ है। जिसके जवाब में जगजीत साहब ने कहा था कि मैं इंतज़ार करूंगा।

फिर आता है साल 1969। एक दिन जगजीत सिंह ने अपने परिवार वालों को बताया कि वो चित्रा से शादी करना चाहते हैं। लेकिन परिवार के लोग इनसे नाराज़ हो गए। क्योंकि एक तो चित्रा तलाकशुदा थी। दूसरे, उनकी एक बेटी भी थी जो तलाक के बाद उनके ही साथ थी। घरवालों की नाराज़गी के बाद भी जगजीत सिंह जी ने अपने कदम पीछे नहीं खींचे। चित्रा भी अब उनसे शादी के लिए तैयार थी। सो, आखिरकार साल 1969 में जगजीत सिंह और चित्रा जी ने शादी कर ली। और चित्रा बन गई चित्रा सिंह। उनकी बेटी मोनिका भी शादी के बाद उनके साथ ही रही।

शादी के एक साल बाद चित्रा जी और जगजीत सिंह जी का बेटा हुआ जिसे नाम दिया गया विवेक। बेटे विवेक के जन्म के कुछ दिनों बाद ही जगजीत सिंह व चित्रा जी ने 'द अनफोर्गेटेबल' नाम से एक एल्बम रिलीज़ किया। ये एल्बम बहुत बड़ा हिट साबित हुआ।

एक वक्त था जब चित्रा ने जगजीत सिंह के साथ गाने से इन्कार कर दिया था। ये उन दिनों की बात है जब जगजीत सिंह संघर्ष के दौर में थे। चित्रा के पूर्व पति देबू प्रसाद तब ब्रिटानिया कंपनी में बड़े ओहदे पर कार्यरत थे। उनके पड़ोस में एक गुजराती फ़ैमिली रहती थी जिनसे जगजीत सिंह जी की जान-पहचान थी। जगजीत साहब उनसे मिलने आते रहते थे। चित्रा के पति देबू प्रसाद को भी संगीत में बड़ी दिलचस्पी थी। उन्होंने अपने घर पर एक छोटा सा रिकॉर्डिंग स्टूडियो बनवा लिया था। एक दिन चित्रा जी अपने घर की बालकनी में खड़ी थी। उन्होंने देखा कि एक नौजवान पड़ोसियों के घर आया है। चित्रा ने जानकारी की तो पता चला कि जगजीत नाम का एक लड़का है जो बहुत अच्छा गाता है। वक्त गुज़रा। जगजीत सिंह जी को जिंगल गायकी करने का मौका मिलने लगा। दूसरी तरफ़ चित्रा भी अपनी गायकी के लिए मशहूर हो गई। एक दिन चित्रा के पति देबू प्रसाद ने भी जगजीत सिंह को एक जिंगल रिकॉर्ड करने के लिए बुलाया। देबू प्रसाद उस जिंगल में अपनी पत्नी चित्रा से भी गवाना चाहते थे। लेकिन चित्रा ने ये कहकर जगजीत सिंह के साथ गाने से इन्कार कर दिया कि इस लड़के की आवाज़ बहुत भारी है। मैं इसके साथ रिकॉर्डिंग नहीं करूंगी। जगजीत सिंह को भी चित्रा जी की वो बात बुरी लगी। उन्होंने भी जवाब में चित्रा से कह दिया कि आपकी ज़रूरत भी नहीं है। चित्रा को जगजीत साहब का जवाब बुरा तो लगा था। मगर उनकी खुद्दारी से चित्रा बहुत प्रभावित हुई थी।

मैं तुमसे शादी कैसे कर सकती हूं? मेरा अभी तलाक नहीं हुआ है....जब चित्रा ने जगजीत सिंह से यह कहा तो वे बोले- मैं तुम्हारा इंतज़ार करूंगा।

हाई कैपेसिटी वाला एयरपोर्ट बनेगा राजा भोज हवाई अड्डा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के बाशिंदों के लिए यह अच्छी खबर है कि राजा भोज एयरपोर्ट जो पहले से इंटरनेशनल की अनेक सुविधाएं अपनी गोद में समाए बैठा है, उच्च क्षमता वाले एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें रनवे विस्तार सुदृढ़ीकरण सहित अनेक योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

जानकारी के अनुसार भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने प्रदेश की राजधानी के हवाई अड्डा को आधुनिक एवं उच्च क्षमता वाले एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, भोपाल के रनवे विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण सहित समग्र उन्नयन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

रनवे विस्तार व सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्र सरकार ने दी स्वीकृति

जोड़ी गई प्रमुख सुविधाएं

अगर एयरपोर्ट पर हाल ही में जोड़ी गई सुविधाओं पर एक नजर डाली जाए तो पता चलता है कि राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हाल के समय में कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिनमें शामिल हैं। न्यू कार्गो टर्मिनल, कैट-2 प्रणाली में उन्नयन (कम दृश्यता में सुरक्षित लैंडिंग हेतु) एच-24 संचालन की सुविधा (24 घंटे उड़ान संचालन) ग्राउंड फ्लोर पर नए आगमन हॉल (हरवाइल हाल) का निर्माण नई फायर स्टेशन केटेगिरी 9 शीघ्र जोड़ी जाएगी नया एमएसएसआर (मोनोपल्स सेकेंडरी सर्विलांस रडार) स्थापना कार्य प्रगति पर इन सभी सुविधाओं के जुड़ने से एयरपोर्ट की सुरक्षा, संचालन क्षमता और यात्री सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे राजधानी और प्रदेश को मिलेगा व्यापक लाभ मिलेगा साथ ही बड़े एवं वाइड-बॉडी विमानों का संचालन संभव होगा। लंबी दूरी एवं संभावित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का मार्ग प्रशस्त होगा। यात्री एवं कार्गो क्षमता में वृद्धि होगी। पर्यटन, व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा। भोपाल एयरपोर्ट आधुनिक सुविधाओं और उच्च क्षमता के साथ देश के शीर्ष हवाई अड्डों की श्रेणी में शामिल होगा। एयरपोर्ट अर्थारि आफ इंडिया द्वारा राजधानी भोपाल के हवाई अड्डे को निरंतर उन्नत किए जाने से यह एयरपोर्ट मध्य भारत के प्रमुख और आधुनिक हवाई अड्डों में तेजी से अपनी पहचान स्थापित कर रहा है।

रनवे विस्तार एवं एप्रन निर्माण

वर्तमान में एयरपोर्ट का रनवे 2,744 मीटर लंबा है, जिसे बढ़ाकर 3,416 मीटर किया जाएगा। रनवे को कोड-ई मानक के अनुरूप सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे भविष्य में वाइड-बॉडी विमानों का सुरक्षित संचालन संभव हो सकेगा। इसके अन्तर्गत प्रधानमंत्री जिस विमान में यात्रा करते हैं, उतनी ही क्षमता वाले अन्य विमान भी शामिल हैं। इसके साथ ही अतिरिक्त एप्रन का निर्माण किया जाएगा। वर्तमान में एयरपोर्ट पर 17 विमान पार्किंग बे उपलब्ध हैं, जिनमें वृद्धि कर पार्किंग क्षमता को और मजबूत किया जाएगा। जिसके बाद 25 से अधिक विमान पार्किंग की क्षमता विकसित हो जाएगी। यह परियोजना आल इंडिया एयरपोर्ट अर्थारिटी के बजट 2026-27 में शामिल है तथा निर्माण कार्य प्रारंभ होने के पश्चात इसे लगभग दो से तीन वर्षों में पूर्ण होगे । कार्य चरणबद्ध रूप से किया जाएगा

"हां यह सही है कि भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट उच्च क्षमता वाले एयरपोर्ट में विकसित होगा, रनवे बढ़ाकर 2,744 से 3,416 किया जाएगा साथ ही सुदृढ़ीकरण के लिए भी केन्द्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है।

- रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर

ब्लैकमेल कर बनाए शारीरिक संबंध धर्म परिवर्तन का आरोप, गिरफ्तार

जागरण, मंडीदीप। नगर में एक गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती के साथ लव जिहाद, यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और धर्मांतरण के दबाव के आरोप लगे हैं। पूरा मामला विहिप और बजरंग दल की सक्रियता और हस्तक्षेप के बाद उजागर हो पाया। पीड़िता की शिकायत पर मंडीदीप थाना में आरोपी जुनैद खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार आरोपी द्वारा लंबे समय से पीड़िता को निजी फोटो-वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल के साथ, शारीरिक शोषण किया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। पीड़िता ने बताया कि आरोपी न केवल उसे धमकाता था, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर पीछा कर मानसिक प्रताड़ना भी देता था। विहिप व बजरंग दल के पदाधिकारियों को जैसे ही मामले की जानकारी मिली, कार्यकर्ताओं ने पीड़िता को सुरक्षा प्रदान की, कानूनी सहायता दिलवाई और तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

"हिंदू बेटियों की आस्था, अस्मिता और भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की कानून से बचने की हर कोशिश नाकाम होगी - दोषियों को सख्त सजा दिलाकर ही दम लेंगे।

सुरेंद्र कीर, जिला मंत्री
जिला भोजपुर विहिप

"सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया है। केस की विवेचना जारी है।

-शीला सुराणा,
औबेदुल्लागंज एसडीओपी

नई पीढ़ी को संस्कार देने मना मातृ-पितृ पूजन दिवस

जागरण, मंडीदीप। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मंडीदीप में शनिवार को मातृ-पितृ पूजन दिवस अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। मुख्य अतिथि संतोष सेन (अध्यक्ष, योग वेदांत सेवा समिति, मंडीदीप) एवं विशिष्ट अतिथि अरुण बरबड़े की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना

के साथ शुभारंभ हुआ। श्री सेन ने वर्तमान समय में माता-पिता के सम्मान एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों और अभिभावकों को स्मरण शक्ति एवं एकाग्रता बढ़ाने के लिए योग और प्राणायाम का अभ्यास भी कराया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा मातृ-पितृ पूजन का भावपूर्ण आयोजन किया गया। भैया-बहनों ने कुमकुम, अक्षत एवं पुष्प अर्पित कर अपने माता-पिता का पूजन किया, आरती उतारी और पुष्पमालाएं पहनाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान कई अभिभावकों की आंखें भावुकता से नम हो उठीं। इस दौरान विद्यार्थियों ने चरण स्पर्श कर कृतज्ञता व्यक्त की।

इस साल भी चैटीचंड पर भगवान झूलेलाल की निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी सिंधियों के इष्ट देव एवं गांव-गांव में पूजे जाने वाले वरूणावतार भगवान झूलेलाल की जयंती उत्साह एवं परंपरागत ढंग से मनाने के लिए जोरदार तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार चैटीचंड झूलेलाल जयंती 20 मार्च को है। उपनगर में उनकी जयंती पर पिछले 60 साल से सामाजिक संस्था सिंधु समाज यह महोत्सव मनाती आ रही है। इसके लिए गणमान्य नागरिकों की बैठक लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ सभागार में की गई, जिसकी अध्यक्षता सिंधु समाज के अलावा सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी ने की।

पिछले तीन साल से संयोजक का दायित्व निभाने वाले कपड़ा एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी की विशेष उपस्थिति में हुई इस बैठक में सभी से सुझाव लिए गए। कपड़ा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद वीधानी ने जहां उस दिन सभी बाजार बंद रखकर जुलूस में शामिल होने की बात कही, वहीं पंचायत महासचिव सुरेश जसवानी ने

संत हिरदाराम नगर में नागरिकों की बैठक आयोजित

शोभायात्रा में सभी साधु-संतों को शामिल करने के लिए उनसे विशेष आग्रह करने के अलावा गैर सिंधी भाषी लोगों व संस्थाओं से भी इसमें आने का आग्रह करने का सुझाव दिया। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील वासवानी, सिंधु समाज के मुख्य सलाहकार नरेश तोलानी, संयोजक कन्हैयालाल इसरानी, राजेश बेलानी, संस्थापक सदस्यों में से एक लोकूमल आसवानी, भरत आसवानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती मूलचंदानी, जगदीश आसवानी, नरेश केवलरामानी, शेट्टी चंदनानी, नरेश चोटरानी, हीरो हिन्दू इसरानी, झूलेलाल मंदिर के प्रभारी राजकुमार वाधवानी, नानक दादलानी, पुरुषोतम हरचंदानी, मोहनलाल चंदनानी, राजा इसरानी ने भी शोभायात्रा को लेकर अनेक सुझाव दिए। आरंभ में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी ने आयोजन को लेकर विस्तार से जानकारी दी।

भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम : झूलेलाल महोत्सव समिति के संयोजक कन्हैयालाल इसरानी ने बताया कि जहां दिन में आकर्षक शोभायात्रा निकाली जाएगी, वहीं दूसरे दिन 21 मार्च को दशहरा मैदान पर भव्य सिंधी सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है, जिसमें मुंबई के जाने माने विश्व प्रसिद्ध सिंधी कलाकार शामिल होंगे।

कैनोइंग प्रतियोगिता में सीआईएसएफ की खिलाड़ियों ने हासिल किए पदक

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की नवगठित जल क्रीड़ा टीम, जिसकी समुचित देखरेख एवं व्यवस्थाएं वर्तमान में भोपाल एयरपोर्ट से संचालित की जा रही हैं, ने केनोइंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बल का गौरव बढ़ाया है। यह प्रतियोगिता भोपाल के छोटा तालाब में पुरुष एवं महिला वर्ग में आयोजित की गई।

राजा भोज एयरपोर्ट स्थित सीआइएसफएफ की जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस प्रतियोगिता में सीआईएसएफ के कुल 5 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के दौरान सीआईएसएफ की खिलाड़ी मिस मशूमा यादव ने कैनोइंग खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त कर बल को गौरवान्वित किया। वहीं, कैनोइंग खेल की अन्य खिलाड़ी कुमारी शिवानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 किलोमीटर स्पर्धा में कांस्य पदक अर्जित किया और इसी क्रम में सनातोम्बी देवी ने 500 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर बल का नाम रोशन किया है।

ज्योतिर्लिंगम की भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ

सिद्ध भाऊ एवं विधायक कार्यक्रम में हुए शामिल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर में भी महाशिव रात्रि पर्व का जगह जगह पूजा अर्चना एवं विधि विधान से धार्मिक कार्यक्रमों के बीच शुभारंभ हुआ। जहां कृष्णा प्लाजा कॉम्पलेक्स में दो दिवसीय ब्रम्हकुमारी 12 ज्योतिर्लिंगम की भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी आम जनता के लिए खोल दी गई, वहीं स्टेशन रोड पर पिछले 50 सालों से लगाए जाने वाले सिंधी भक्ति गीत संगीत एवं मेले का शुभारंभ स्वामी हिरदाराम जी के उत्तराधिकारी सिद्ध भाऊ एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मंदिर समिति के प्रभारी रमेश हिंगोरानी, उप प्रभारी योगेश हिंगोरानी, विधायक प्रतिनिधि राम बंसल रैनवाल, सिंधी सेंट्रल पंचायत अध्यक्ष चंद्रप्रकाश इसरानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष माधु चादवानी, कपड़ा

एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी एवं मंडल भाजपा अध्यक्ष मनीष बागवानी की विशेष उपस्थिति में हुए इस समारोह में सिद्ध भाऊ ने कहा कि स्वामी हिरदाराम जी ने महाराज घमटमल एवं भगत नथुरमल ने विधिवत से इसकी स्थापना की, इसलिए इस मंदिर में शक्ति है, जो भी यहां श्रद्धा से आता है, उसकी मनोकामना पूर्ण होती है उन्होंने सभी से भगवान में विश्वास प्रगाढ़ करने की अपील की। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भगवान शिव सभी का कल्याण करे, पूरे हिंदुस्तान को प्रसन्न रखें, जिससे पूरा विश्व खुश हो, क्योंकि मानवता का सच्चा हितैषी भारत ही है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक मंघाराम मेंघवानी, घनश्याम लालवानी, नंदकुमार दादलानी, नीलेश हिंगोरानी, कमल वीधानी, महेश खटवानी आदि भी मौजूद थे।

समागम में भारतीय दृष्टि, मौलिक शोध और कार्यसंस्कृति पर मंथन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। हम औपनिवेशकों के हाथों अपनी दृष्टि गवा चुके हैं। अपने ऋषिओं के उत्तराधिकारी भी साबित नहीं हो पा रहे हैं।औपनिवेशिकों की कृपा से हम इतिहास व्याकुल बन गए और हर चीज को इतिहास में ढूंढने लग गए। हमें अपने देश का ज्ञान उसकी ही भूमि और इतिहास बोध में समझना होगा। ये कहना है कि पद्मश्री डॉ कपिल तिवारी का। डॉ तिवारी शनिवार को मैपकास्ट में दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम-2026 में अंतिम दिन समारोप सत्र को संबोधित कर रहे थे।

देर रात तक चली आकर्षक भजनों की प्रस्तुति

जागरण संवाददाता, औबेदुल्लागंज। सुषमा स्वराज की जयंती पर स्थानीय दशहरा मैदान में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें नई दिल्ली की मशहूर गायिका निकुंज कामरा ने देर रात तक अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के आयोजक जयप्रकाश शर्मा व उनके मित्र मंडल व परिजनों ने विख्यात भजन गायिका निकुंज कामरा का शॉल-श्रीफल से स्वागत किया। इस दौरान आयोजन स्थल पर विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया।

व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्टेट लॉ कालेज में शनिवार को सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. श्याम सिंह कुमारे रहे। मुख्य वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य मिहिर कुमार झा मौजूद थे। उन्होंने बताया कि व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रो रोमा मुखर्जी ने की, जिन्होंने कहा कि कालेज में चल रहे ईको क्लब सराहनीय कार्य कर रहा है और बताया कि कालेज के विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम करते रहते है। कार्यक्रम का धन्यवाद डॉ. विश्वास कुमार चौहान के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र कुमार गुप्ता और अर्चना रैकवार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक कालेज के विद्यार्थी सचिन अहिरवार रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कालेज के विद्यार्थी, शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ ने सहभागिता की।

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्कीम नं. 78-सी पार्ट-2 अरण्य, विजय नगर, इन्दौर-452010

लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स श्री सतीश जायसवाल (Lessee) 'मोमिनपुरा स्टोन एण्ड एम-सेण्ड माईन' माईनिंग ऑफ मिनरल्स, उत्पादन क्षमता- 14,250 घनमीटर प्रतिवर्ष, स्टोन (गिट्टी)- 9,500 घनमीटर प्रतिवर्ष, एम-सेण्ड 4750 घनमीटर प्रतिवर्ष खसरा नं. 7, ग्राम- मोमिनपुरा, तहसील-खरगोन, जिला- खरगोन (म.प्र.) लीज क्षेत्रफल 1.0 हेक्टेयर के लिए भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में जिला-खरगोन (म.प्र.) में लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित परियोजना का ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में सॉफ्ट कॉपी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर, खरगोन (2) कार्यालय जिला पंचायत, खरगोन (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, खरगोन (4) कार्यालय ग्राम पंचायत, सिनखेडा, तहसील- खरगोन, जिला खरगोन (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन, लिंक रोड क्रमांक-3, राजयोग भवन के पास, ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल (6) मुख्यालय, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्कीम नं. 78 सी, पार्ट-2, अरण्य, विजय नगर, इन्दौर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाईट www.mppcb.mp.gov.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान परियोजना में पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने की दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, इन्दौर जिला-इन्दौर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस खदान परियोजना के लिए लोक सूनवाई दिनांक 18/03/2026 दिन बुधवार को प्रात: 11.30 बजे से, स्थल- ग्राम पंचायत भवन सिनखेडा, तहसील-खरगोन, जिला-खरगोन में आयोजित की जायेगी, जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका-टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, **निखिल भार्गव पुत्र श्री विवेक भार्गव निवासी 67, रचना नगर, हुजूर, भोपाल (म.प्र.)**। यह घोषित करता हूं कि मेरे पुत्र का **जन्म दिनांक** 12.09.2025 को हुआ था जिसके पश्चात उसका नाम **धृतिमान भार्गव** रखा गया था। यह कि मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रेशन नंबर B202523902350018627 **धृतिमान भार्गव** के नाम से पंजीकृत है। यह कि मैं अपने पुत्र का नाम **धृतिमान भार्गव** से बदलकर **अमोघ भार्गव** रखना चाहता हूँ। यह कि भविष्य में मेरे पुत्र को **अमोघ भार्गव** के नाम से ही जाना व पहचाना जाए।

NOTICE TO THE RESPONDENT TO SHOW CAUSE [SCR, Order XXII]

IN THE SUPREME COURT OF INDIA CRIMINAL APPELLATE JURISDICTION

PETITION FOR SPECIAL LEAVE PETITION (CRIMINAL) No(s) 18402-18403 OF 2024 WITH I.A. No.29434/2026- APPLICATION FOR SUBSTITUTED SERVICE

M/S DREAM BELL INFRA Petitioner(s)/Appellant(s).. VERSUS. B.C. WAHANE... Respondent(s)

To, B.C. WAHANE S/O LATE CHIRKUT RAO WAHANE , R/O HOUSING BOARD COLONY, AMAI EX ROAD, BAGSEVNIYA, DISTRICT- BHOPAL, MADHYA PRADESH(PROCESS ID:40694/ 2026)(SLP(CRL) NO. 18402-18403/ 2024/ II-E)

Whereas the Petition for SPECIAL LEAVE PETITION (CRIMINAL) above-mentioned (copy enclosed) filed in the Registry by Mr. YASHARTH KANT, advocate on-record, on behalf of the Petitioner(s) above named, was listed for hearing before the Court on 28th March, 2025 and the Court was pleased to pass the following order:- 1. Issue notice to the respondent on the issue of terms of the settlement returnable in four weeks.2. Dasti service, in addition, is permitted. "AND WHEREAS, the service of show cause notice could not be effected on unserved sole Respondent and the matter above-mentioned was listed before Ld. Registrar's Court on 20th January, 2026, When the following order was passed:-"Ld. counsel for the petitioner to take fresh steps by 28.01.2026 with regard to service on the sole respondent. It has been submitted by the ld. Counsel for the petitioner, Mr Surendra Kumar Maurya that permission be granted to serve the sole respondent also through paper publication. Allowed. Appropriate application be filed by 28.01.2026.List again on 17.02.2026.Copy of this Record of proceeding be furnished to the concerned ld. Advocate-on-record for information and compliance."NOW, THEREFORE, TAKE NOTICE that the above matter(s) will be posted for hearing before the Court in due course when you may appear before this Court either in person or through an advocate-on-record of this Court duly appointed by you in that behalf within thirty days from the date of service of notice. You may thereafter show cause to the Court on the day that may subsequently be specified as to why special leave and interim relief, as prayed for, be not granted and the resultant appeal be not allowed.You may file your affidavit in opposition to the petition as provided under Rule VI of Order XXII, SCR 2013, within thirty days from the date of receipt of notice or not later than two weeks before the date appointed for hearing, whichever be earlier, but shall do so only by setting out the grounds in opposition to the questions of law or grounds set out in the SPECIAL LEAVE PETITION (CRIMINAL) and may produce such pleadings and documents filed before the Court against whose order the SPECIAL LEAVE PETITION (CRIMINAL) is filed and shall also set out the grounds for not granting interim order or for vacating interim order if already granted.TAKE FURTHER NOTICE that if you fail to enter appearance, as aforesaid, no further notice shall be given to you even after the grant of special leave for hearing of the resultant appeal and the matter above mentioned shall be disposed of in your absence. Dated: 11th February, 2026

ASSISTANT REGISTRAR

SUDOKU 148

1		3		2				
		6			5			
7			4					3
2						6		8
3			9		1			2
8		9						7
9					8			4
			1			7		
				7		3		6

SOLUTIONS 147

3	8	4	2	7	6	9	1	5
5	2	7	9	1	3	4	8	6
1	6	9	8	5	4	3	7	2
6	7	2	5	3	1	8	9	4
4	3	1	6	8	9	2	5	7
8	9	5	7	4	2	1	6	3
7	5	3	4	9	8	6	2	1
9	4	6	1	2	5	7	3	8
2	1	8	3	6	7	5	4	9

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill in the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में लाभ होगा। समाज में यश, मान और सम्मान में बढ़ोतरी होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृषभ : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। आपकी सूझबूझ से कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं।

मिथुन : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा और धनप्राप्ति के योग रहेंगे। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

कर्क : आज का दिन सामान्य रहेगा। अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह बखूबी कर सकेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

सिंह : आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं, लेकिन अनावश्यक और व्यर्थ खर्चे भी अधिक रहेंगे।

कन्या : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। सामाजिक कार्यों में सुयश मिलेगा। यात्रा पर जाने से बचें।

तुला : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। धन प्राप्ति के योग बनेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से चिंतित रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यभार की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा रहेगा। पारिवारिक सुख और धन में बढ़ोतरी होगी। समाज के कार्यों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

धनु : आज का दिन शुभ रहेगा। परिवार में सुख और धन की वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन का योग बन सकता है। वाणी पर संयम रखें।

मकर : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में लाभ प्राप्ति के योग हैं। आर्थिक निवेश फायदेमंद होगा। धन संबंधित कार्य पूरे होंगे।

कुंभ : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। धनप्राप्ति के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्चों की भी अधिकता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मीन : आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है। कारोबार में नई योजनाओं की शुरुआत हो सकती है। अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाएं।

आज का पंचांग: 15 फरवरी रविवार 2026। **दिशाशूल :** पश्चिम। **पर्व एवं त्योहार :** महाशिवरात्रि। **विशेष :** महानिशीथ काल (रात्रि के 11.49 से 12.10 तक।) **भद्रा :** सायं 05 बजकर 10 मिनट से 16 फरवरी को प्रातः 05.20 मिनट तक। दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तत्पश्चात चतुर्दशी, उत्तरा आषाढ़ा नक्षत्र 19 घंटे 49 मिनट तक तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, व्यतिपात योग 26 घंटे 47 तक तत्पश्चात वरियान योग, मकर में चंद्रमा।

दस्तावेज गुम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार प्रेमचंद मांडली आ. श्री धनलाल निवासी मकान नं. 124, वार्ड नं. 04, पुलिया के पास, आमोदा, गौहरगंज, तह. गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र., म.प्र. गृह निर्माण मंडल भोपाल से एक भूखंड क्रमांक 256, जो कि वार्ड क्रमांक 14, सतलापुर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, मंडीदीप, तह. गौहरगंज, जिला रायसेन म.प्र., में स्थित है, को क्रय किया गया है, जिसके दस्तावेज का ई-पंजीयन उपपंजीयक कार्यालय ओबेदुल्लागंज, जिला रायसेन म.प्र. में ग्रथ क्र. 650, पृष्ठ क्रमांक 8, 79 से 86 तक पर दस्तावेज क्रमांक 723, दिनांक 23.09.1991 को पंजीबद्ध है, उक्त पंजीवद्ध दस्तावेज, मेरे पक्षकार से आते जाते समय कहीं मिस (गुम) हो गया है, अनेक प्रयत्नों के उपरांत भी मिल नहीं सका है, जिसकी गुम सूचना थाना सतलापुर में दे दी है, उक्त दस्तावेज का मेरे पक्षकार द्वारा किसी भी प्रकार से दुरूपयोग नहीं किया गया है, अगर ऐसा पाया जाता है तो संपूर्ण जवावदारी पक्षकार की होगी या भविष्य में दस्तावेज प्राप्त होता है तो पक्षकार द्वारा संबंधित ऋण प्रदाय करता संस्था को प्रस्तुत करेगा। उक्त दस्तावेज मुझ से कहीं गुम हो गया है, जिन्हे बहुत खोजने पर भी नहीं मिल रहा है। मेरे आलाव अन्य जिस किसी सज्जन को प्राप्त हो मुझे सूचित करें।

भवदीय **सरिता शैर्या** अधिवक्ता
Office:-Chitransh Enterprises(Chitransh Typing) Mandideep, Distt Raisen M.P.
मो-9425301684

आम सूचना

प्लाट क्रं.-3, सेक्टर-ई, ब्लाक नंबर-8, इन्द्र विहार कॉलोनी, ग्राम सिंगारचोली, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के संबंध में

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि फिरोज पुत्र श्री मुईन उद्दीन सिद्दीकी एवं मोहम्मद इसरार खान पुत्र श्री मोहम्मद इम्तियाज, निवासीगण-84-सी एवं बी, नवीन नगर, बिहाईंड हिन्द कांवेट स्कूल, ऐशबाग स्टेडियम, भोपाल, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीयता- भारतीय, के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का प्लाट क्रं.-3 जो कि तिलक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल द्वारा विकसित 'इन्द्र विहार कॉलोनी', सेक्टर-ई, ब्लाक नंबर-8, ग्राम सिंगारचोली, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है, उक्त संपत्ति को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार नें अनुबंधकर्तागण को बयाना राशि अदा कर सौदा पक्का किया है, उक्त संपत्ति पर यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, समिति, बैंक, वित्तीय संस्थान, शासकीय / अशासकीय विभाग का हित व अधिकार, गिरवी या बंधक होतो वह इस प्रकाशन से 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे उल्लेखित पते पर अपनी आपत्ति दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ स्वंय या अपने अभिभाषक के साथ प्रस्तुत करें अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करवाने हेतु स्वतंत्र रहेगा व समयावधि पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, इति।

सुनील कुमार जैन अधिवक्ता
कार्यालय-"आर.के.जैन लॉ चेम्बर" 67, आदर्श हॉस्पीटल के पास, थाना रोड, शाहजहाँनाबाद, भोपाल-462001 (म.प्र.)
मो. 9131859720

महाशिवरात्रि

आध्यात्मिक मिलन का प्रतीक शिव-पार्वती का विवाह

● ओशो रजनीश ●

शिव एक ऊर्जा, एक शुद्ध चेतना और परम जागरूकता का प्रतीक हैं। शिव और पार्वती का विवाह केवल एक पौराणिक कथा नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक मिलन का प्रतीक भी है। इस विवाह की गहराई को समझे बिना शिव-सूत्रों की वास्तविकता को समझना मुश्किल हो सकता है। ओशो ने शिव-पार्वती के विवाह को प्रतीकात्मक रूप में देखा और इसे ध्यान, प्रेम, और अस्तित्व की परम संभावना से जोड़ा।

शिव-सूत्र- अस्तित्व का रहस्य

शिव-सूत्र ध्यान की 112 विधियाँ प्रस्तुत करते हैं, जिन्हें भगवान शिव ने देवी पार्वती को बताया था। ये विधियाँ किसी को भी आत्मज्ञान की ओर ले जा सकती हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, पार्वती ने शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। शिव वैराग्य और ध्यान में डूबे हुए थे, लेकिन पार्वती का प्रेम और समर्पण इतना गहरा था कि उन्होंने शिव को अपनी ओर आकर्षित किया। यह दर्शाता है कि प्रेम और भक्ति भी ध्यान और आत्मज्ञान के द्वार खोल सकते हैं। जब शिव ने पार्वती को स्वीकार किया, तब उन्होंने उन्हें ब्रह्मांड के सबसे गहरे रहस्य बताए, यही शिव-सूत्र हैं। ये सूत्र केवल बौद्धिक समझ के लिए नहीं, बल्कि अनुभव के लिए हैं। वे ध्यान की विधियाँ हैं, जो हमें शिवत्व का अनुभव करने में मदद कर सकती हैं।

ध्यान और प्रेम का गहरा संतुलन

शिव और पार्वती का विवाह को केवल एक सांसारिक घटना नहीं बल्कि इसे ध्यान और प्रेम के गहरे संतुलन के रूप में देखा जाना चाहिए। शिव पूर्ण शून्यता का प्रतीक हैं, और पार्वती पूर्ण प्रेम का। जब शून्यता और प्रेम मिलते हैं, तब जीवन में समग्रता आती है।

शुद्ध चेतना, शून्यता, और वैराग्य

शिव का व्यक्तित्व ध्यान की चरम अवस्था को दर्शाता है। वे हिमालय की बर्फीली चोटियों पर ध्यान में मग्न रहते हैं, सांसारिक गतिविधियों से परे। यह दिखाता है कि जब कोई व्यक्ति गहरे ध्यान में उतरता है, तो वह अस्तित्व की सीमाओं से मुक्त हो जाता है। शिव का यह रूप ध्यान की चरम स्थिति है, जहाँ कोई भी बाहरी चीज व्यक्ति को प्रभावित नहीं कर सकती।

पार्वती- प्रेम, भक्ति और ऊर्जा का प्रतीक

पार्वती प्रेम और भक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने शिव को प्राप्त करने के लिए कठिन तपस्या की, और यह दर्शाता है कि प्रेम यदि गहरा और समर्पित हो, तो वह स्वयं परमात्मा को भी मोहित कर सकता है। पार्वती यह दर्शाती हैं कि प्रेम और भक्ति के माध्यम से भी व्यक्ति आत्मज्ञान को प्राप्त कर सकता है।

विवाह का गूढ़ अर्थ

- शिव और पार्वती का विवाह केवल एक सांसारिक घटना नहीं, बल्कि दो ऊर्जाओं का मिलन है। ओशो ने इसे आध्यात्मिक और अस्तित्वगत संतुलन का प्रतीक बताया।
- शिव, स्थिरता का प्रतीक हैं, और पार्वती, ऊर्जा का प्रवाह। जब ये दोनों मिलते हैं, तो जीवन में संतुलन आता है।
- शिव, ध्यान हैं, और पार्वती, प्रेम। जब ध्यान और प्रेम मिलते हैं, तब जीवन में परिपूर्णता आती है।
- शिव, शून्यता हैं, और पार्वती, पूर्णता। जीवन में आनंद तभी आता है जब यह दोनों तत्व संतुलित होते हैं।

ऊर्जाएँ पूरक हैं, विरोधी नहीं

शिव और पार्वती का मिलन यह दर्शाता है कि पुरुष और स्त्री ऊर्जा विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। ओशो ने इसे यिन और यांग की अवधारणा से जोड़ा और बताया कि पुरुष और स्त्री का मिलन केवल शरीर का नहीं, बल्कि चेतना का भी हो सकता है। महाशिवरात्रि या शिव-पार्वती विवाह का वास्तविक अर्थ यही है कि हम अपने भीतर इन दो ऊर्जाओं को संतुलित करें। जब हम ध्यान और प्रेम को साथ लेकर चलते हैं, तब हम भी उस परम सत्य को अनुभव कर सकते हैं, जिसे ओशो ने 'शिवत्व' कहा। शिव-पार्वती का विवाह कोई बाहरी घटना नहीं, बल्कि हमारे भीतर घटने वाली एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

शिव और शक्ति के मिलन की दिव्य कथा

महाशिवरात्रि से जुड़ी शिव-पार्वती की विवाह कथा जो सच्चे प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व सच्चे प्रेम को पाने से पहले खुद को बदलने की आध्यात्मिक कथा है। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर मंदिर रात पर दीयों के रोशनी में जगमगाते हैं, घंटियां गूंजती हैं। भक्त हाथ जोड़कर ओम नमः शिवाय का जाप करते हैं. कई लोग इसे शिव और पार्वती की विवाह की रात कहते हैं, लेकिन इस भव्य उत्सव के पीछे शक्तिशाली कहानी छिपी है। यह मात्र साधारण विवाह नहीं है, बल्कि शिव और शक्ति के मिलन का दिव्य दिन है।

सती को खोकर शिव विरक्ति की राह पर

संसार के स्वामी महान तपस्वी भगवान शिव सती को खोने के बाद विरक्त हो गए थे। समाज से विरक्त होकर वे गहरी साधना में लीन हो गए और फिर पार्वती मां आई.

मां पार्वती प्रेम की खोज में एक राजकुमारी के रूप में नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय संतुलन को बहाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित आत्मा के रूप में। एक राजकुमारी जिसने ऐशो-आराम की जगह तपस्या को चुना। पार्वती का जन्म हिमालय में राजा हिमवान और रानी मैना के घर हुआ था. राजसी परिवेश होने के बाद भी उनका मन राख से सने योगी की ओर आकर्षित हुआ। शिव पुराण के अनुसार, माता पार्वती ने शिव जी को प्राप्त करने के लिए बर्फीली हवाओं में ध्यान किया। उन्होंने अपना भोजन मात्र पत्तों तक सीमित कर दिया और आखिर में उन्हें भी त्याग दिया। वह खुद को शिव की चेतना के स्तर तक उठा रही थीं। उन्होंने साबित किया कि, दिव्य प्रेम को अनुशासन में रहकर अर्जित किया जा सकता है।

कुमारसंभवम् के काव्यात्मक वर्णन के अनुसार, शिव स्वयं एक विचरणशील ऋषि के वेश में उनके समक्ष प्रकट हुए. उन्होंने शिव की कमियों को वर्णन किया, राजकुमारी से पूछा कि, आप ऐसे दूल्हे की इच्छा क्यों कर रही हैं? पार्वती ने बिना संकोच किए ऋषि के समक्ष शिव के ब्रह्मांडीय स्वरूप, वैराग्य और सर्वोच्च चेतना का वर्णन किया।

सती की मृत्यु के बाद शिव का एकांतवास कमजोरी नहीं, बल्कि गहन भाव था, लेकिन पार्वती को स्वीकार करने से पहले उन्हें अपने दुख से ऊपर उठना पड़ा. दुख में डूबे रहने के दौरान विवाह संभव नहीं था. इसका मतलब यह परीक्षा आंतरिक थी. शिव को संसार से जुड़ना पड़ा। पार्वती को स्वीकार किया तो यह उपचार का प्रतीक है। राख से सने योगी से लेकर गृहस्थ तक शिव महायोगी हैं। वे श्मशान घाटों से लेकर ऊंचे हिमालयों तक ध्यान करते हैं। वे आभूषणों का त्याग करते हैं। परंपराओं से परे पार्वती जीवन, उर्वरता, गति और गर्माहट का प्रतीक मानी जाती है।

विरक्त से गृहस्थ जीवन की यात्रा

स्कंद पुराण के अनुसार, शिव को आखिर में गृहस्थ जीवन अपनाना पड़ा. स्कंद पुराण में वर्णित है कि, कैसे उनकी विवाह में गणों, भूत-प्रेत को देखकर पार्वती के परिवार वाले डर गए थे. तपस्वी जीवन की उग्रता राजसी परंपरा के परिष्कार से टकराई. शिव ने यह सिद्ध किया कि, पारलौकिकता और उत्तरदायित्व एक साथ विद्यमान हो सकते हैं। शक्ति के बिना शिव भी प्रकट नहीं हो सकते हैं । उनका विवाह लोगों को सिखाता है कि, दिव्य मिलन इच्छा के बारे में नहीं, बल्कि विकास से जुड़ा है। यह योग्यता को जानने के बारे में. महाशिवरात्रि पर जब मंदिरों में दीपक की रोशनी टिमटिमाते हैं और शिव से जुड़े मंत्रोच्चार गूंजते हैं, तब इस कथा का गहरा सत्य समझ आता है। मिलन के कामना करने से पहले खुद को तैयार करो। आशीर्वाद प्राप्त करने से पहले रूपांतरित हो जाओ।

महाशिवरात्रि व्रत के नियम, इस दिन कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें

महाशिवरात्रि का व्रत 15 फरवरी, रविवार के दिन रखा जाएगा। शिव पुराण के अनुसार, जो भक्त महाशिवरात्रि का व्रत और शिवजी की श्रद्धापूर्वक आराधना करते हैं उन पर भोलेनाथ की विशेष कृपा बनी रहती है। शास्त्रों में शिवरात्रि के व्रत के कुछ महत्वपूर्ण नियम भी बताए गए हैं जिनका ख्याल रखना आवश्यक होता है। माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। शिव पुराण के अनुसार जो भी महाशिवरात्रि का विधि विधान से व्रत और पूजा करता है उसे पूरे साल शिवजी की पूजा करने के समान फल की प्राप्ति हो सकती है। महाशिवरात्रि का व्रत फलाहार करके किया जाता है और इस दिन शाम से रात्रि के समय तक शिवजी की विशेष पूजा करनी चाहिए।

क्या नहीं करना चाहिए?

- शिव पुराण के अनुसार कभी भी शिवलिंग की पूरी परिक्रमा नहीं करनी चाहिए। हमेशा आधी परिक्रमा करना ही उचित माना जाता है। परिक्रमा के समय सोमसूत्र को लांघने गलती नहीं करनी चाहिए।
- इस दिन झगड़े, बहस या कटु वचनों का प्रयोग करने से भी बचना चाहिए।
- व्रत के दौरान दिन के समय शयन करना वर्जित माना जाता है। दोपहर के समय शयन करने की बजाए शिवजी के मंत्रों का जाप करें।
- शिवजी की पूजा में हल्दी, सिंदूर, केतकी, कमल और तुलसी कभी भी अर्पित नहीं करने चाहिए।
- भगवान की पूजा में शंख का प्रयोग करना भी वर्जित माना गया है।
- व्रत रखने वालों को त्रयोदशी तिथि से ही लहसुन, प्याज आदि तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए।
- भगवान शिव की पूजा में खट्टे फलों का भोग लगाना वर्जित माना गया है। इसकी बजाए आप शिवजी को सफेद मिष्ठान का भोग लगा सकते हैं।

भगवान शिव पर लिखी गई आध्यात्मिक किताबें

महाशिवरात्री पर भक्त उपवास, रात्रि जागरण और पूजा-अर्चना करते हैं। अध्यात्म में रूचि रखने वाले कुछ लोग भगवान शिव को समझने के लिए उनसे जुड़े ग्रंथ और किताबों को भी पढ़ते हैं। यहां हमने शिव से जुड़ी कुछ लोकप्रिय किताबों की बात की है, जो रोमांच और भावनाओं से भरपूर है। इन किताबों को बेहद आसान शब्दों में लिखवा गया है जिससे इसे पढ़ना हर किसी के लिए आसान हो सकता है।

शिव ट्रायोलॉजी, अमीश त्रिपाठी

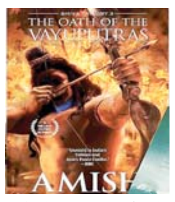

यह 3 किताबों का सेट उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं, जो भगवान शिव को एक नए और दिलचस्प नजरिए से जानना चाहते हैं। इस बॉक्ससेट में द इम्मोर्टल्स ऑफ मेलुहा, द सीक्रेट ऑफ नागाज, द ओथ आफ द वायुपुत्राज शामिल हैं। लेखक अमीश त्रिपाठी ने इनमें शिव को एक इंसान के रूप में दिखाया है, जो अपने कर्म, सोच और फैसलों से महादेव बनते हैं। इन किताबों को बेहद आसान भाषा में लिखा गया है, जिससे इसे पाठक आसानी से पढ़ सकते हैं।

शिव के सात रहस्य, देवदत्त पटनायक

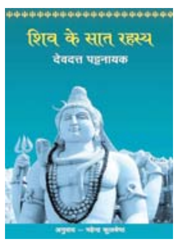

यह एक ऐसी किताब है जो भगवान शिव के स्वरूप और उनकी कहानियों के पीछे छिपे अर्थ को आसान भाषा में समझाने की कोशिश करती है। इस किताब की सबसे खास बात यह है कि इसमें परंपरागत कथाओं को आज के समय की सोच से जोड़ा गया है। इसमें शिव के सात रहस्यों के जरिए जीवन, संतुलन, शक्ति और चेतना जैसे विषयों पर बात की गई है। ऐसे में अगर आप भी शिव भक्त है और भगवान शिव की कथाओं को अच्छी तरह जानना चाहते हैं, तो यह किताब आपके लिए हो सकती है।

द शिव सूत्र, रंजीत चौधरी

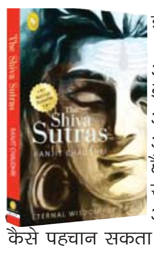

इस किताब में भगवान शिव के द्वारा बताए गए जीवन की जानकारी आपको मिलेगी। यह किताब कश्मीर शैव दर्शन पर आधारित है और मन, आत्मा और ब्रह्मांड के रिश्ते को आप तक आसान शब्दों में पहुंचाती है। इसमें छोटे-छोटे सूत्रों के माध्यम से बताया गया है कि इंसान अपने अंदर की शक्ति और सच्चे स्वरूप को कैसे पहचान सकता है।

नमः, अभिषेक सिंह

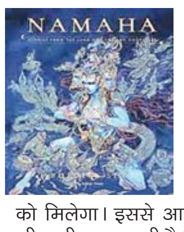

इस किताब को लिखा है अभिषेक सिंह ने, जिसमें भारतीय पौराणिक कथाओं को छोटे-छोटे किस्सों के रूप में पेश किया गया है। जिसमें आपको आसान शब्दों के साथ-साथ शानदार आर्टवर्क भी देखने को मिलेगा। इससे आपकी इस किताब को पढ़ने की रूची बढ़ सकती है।

शिव, शुभा विलास

यह किताब भगवान शिव के जीवन, उनके विचारों और उनके आदर्शों को आसान शब्दों में बताती है। शुभा विलास ने इस किताब में भगवान शिव को देवता के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में पेश किया है। इस किताब की भाषा काफी आसान है, जिसे हर कोई पढ़ सकता है।

भोलेनाथ के अनोखे मंदिर, आज भी रहस्यमय

"भारत मंदिरों का देश है। सनातन परंपरा में इनका निर्माण हजारों सालों से होता आ रहा है। हमारे देश में भी बहुत से ऐसे प्राचीन मंदिर हैं जिनके बारे में ऐसे कई रहस्य हैं जिन्हें आज तक कोई नहीं जान पाया। इन मंदिरों की प्रसिद्ध मान्यता के चलते श्रद्धालु दूर-दूर से इसकी भव्यता देखने और दर्शनों के लिए आते हैं। भगवान शिव के कई मंदिर हैं जिनके चमत्कारों को सुनकर लोग हैरान हो जाते हैं। इन चमत्कारिक और रहस्यमयी घटनाओं पर कई रिसर्च हुए, लेकिन कोई भी इन रहस्यों का राज नहीं खोल पाया।

बिजली महादेव मंदिर, कुल्लू

बिजली महादेव मंदिर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक पहाड़ी पर 2460 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो भारत के प्राचीन और पवित्र शिव मंदिरों में से एक है। शिव जी के इस मंदिर में शिवलिंग पर हर 12 साल के बाद आसमानी बिजली गिरती है। जिसके बाद मंदिर में स्थित शिवलिंग टुकड़ों में बंट जाता है। इसके बाद मंदिर के पुजारी शिवलिंग को मक्खन में लपेटकर रख देते हैं। फिर शिवलिंग पुनः अपने आकार में आ जाती है। यह शिव लिंग क्यों टूट जाती है इस बारे में विभिन्न स्रोतों में अलग-अलग मान्यताएं हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि बिजली का प्रहार सरासर भगवान की कृपा है और वे यहाँ के निवासियों को सभी प्रकार की बुराई से बचाना चाहते हैं।

अचलेश्वर महादेव मंदिर, माउंट आबू

अचलेश्वर महादेव मंदिर माउंट आबू से लगभग 11 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में अचलगढ़ की पहाड़ियों पर अचलगढ़ के किले के पास स्थित है। अचलेश्वर महादेव मंदिर दिन में तीन बार रंग बदलने वाला शिवलिंग है। पूरी दुनिया में ये एक ऐसा मंदिर है, जहाँ पर शिवलिंग की नहीं, बल्कि उनके पैर के अंगूठे की पूजा की जाती है। माना जाता है कि यहाँ भोलेनाथ अंगूठे में वास करते हैं। और इस मंदिर में मौजूद भगवान शिव के अंगूठे की वजह से ही माउंट आबू के पहाड़ टिके हुए हैं। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग दिन में 3 बार अपना रंग बदलता है। शिवलिंग का रंग सुबह लाल, दोपहर में केसरिया और रात में श्याम रंग हो जाता है।

लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर, खारोद

लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ के रायपुर के पास खारोद में स्थित है। के गर्भगृह में एक शिवलिंग है जिसके बारे में मान्यता है कि इसकी स्थापना स्वयं लक्ष्मण ने की थी। इसलिए इस मंदिर को लक्ष्मणेश्वर महादेव कहते हैं। इस शिवलिंग में एक लाख छिद्र है। इसलिए इसे लक्षलिंग कहा जाता है। ये मान्यता है कि इनमें से एक छेद ऐसा है जो पाताल से जुड़ा है। इसमें जितना भी पानी डाला जाता है सब उसी में समा जाता है। इसके अलावा एक छेद ऐसा है जो पूरा का पूरा जल से भरा रहता है। इस रहस्य से आज तक कोई परदा नहीं उठा पाया है। मंदिर के पुजारी के अनुसार एक लाख छिद्रों वाला यह दुनिया का एकलौता शिवलिंग है।

बोधेश्वर महादेव मंदिर, उन्नाव

बांगरमऊ उन्नाव नगर के दक्षिण कटरा-बिल्हौर मार्ग पर स्थित है बोधेश्वर महादेव मंदिर। कथा मिलती है कि नेवल के राजा को पंचमुखी शिवलिंग, नंदी और नवग्रह स्थापित करने का बोध स्वयं भोलेनाथ ने कराया था। इसी के चलते मंदिर का नाम भी बोधेश्वर महादेव मंदिर पड़ा। कहा जाता है कि जब राज्यकर्मी रथ पर शिव, नंदी और नवग्रह को लेकर आ रहे थे तभी वह रथ भूमि में धंसने लगा। फिर राजा ने उसी स्थान पर सभी प्रतिमाओं की स्थापना करवा दी। कहा जाता है कि इस शिवलिंग के स्पर्श मात्र से ही भक्तों की बीमारियां दूर हो जाती हैं। यही नहीं भोले के पंचमुखी शिवलिंग मंदिर में अर्धरात्रि में दर्जनों सांप पंचमुखी शिवलिंग को स्पर्श करने आते हैं। फिर वापस जंगल में ही लौट जाते हैं। कहा जाता है कि आज तक इन सांपों ने किसी भी स्थानीय नागरिक को कोई क्षति नहीं पहुंचाई है। वह केवल शिवलिंग को स्पर्श करके वापस लौट जाते हैं।

स्तंभेश्वर महादेव मंदिर, गुजरात

भगवान शिव का एक ऐसा अद्भुत मंदिर है, जो दिन में दो बार कुछ समय के लिए समंदर में डूब कर गायब हो जाता है। लेकिन फिर थोड़ी देर बाद दुबारा नजर आने लगता है। सबसे पुराना मंदिर होने के होने के साथ स्तंभेश्वर महादेव मंदिर को गायब मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर के गायब होने के पीछे लोग समुद्र द्वारा शिव जी का अभिषेक करना मानते हैं।

प्राचीन गंगा मंदिर, गढ़मुक्तेश्वर

प्राचीन गंगा मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर प्रत्येक वर्ष एक अंकुर उभरता है। जिसके फूटने पर देवी-देवताओं की आकृतियां निकलती हैं। इस विषय पर काफी रिसर्च वर्क भी हुआ लेकिन शिवलिंग पर अंकुर का रहस्य आज तक कोई समझ नहीं पाया है। यही नहीं मंदिर की सीढ़ियों पर अगर कोई पत्थर फेंका जाए तो जल के अंदर पत्थर मारने जैसी आवाज सुनाई पड़ती है। ऐसा महसूस होता है कि जैसे गंगा मंदिर की सीढ़ियों को छूकर गुजरी हों।

'ऐरावतेश्वर मंदिर, तमिलनाडु

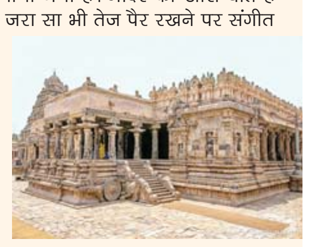

तमिलनाडु में 12वीं सदी में चोल राजाओं ने 'ऐरावतेश्वर मंदिर' का निर्माण करवाया था। यह बेहद ही अद्भुत मंदिर है। यहां की सीढ़ियों पर संगीत गूंजता है। इस मंदिर को बेहद खास वास्तुशैली में बनाया गया है। मंदिर की खास बात है तीन सीढ़ियां। जिनपर जरा सा भी तेज पैर रखने पर संगीत की अलग-अलग ध्वनि सुनाई देने लगती है। लेकिन इस संगीत के पीछे क्या रहस्य है। इसपर से पर्दा नहीं उठ पाया है। यह मंदिर भोलेनाथ को समर्पित है। मंदिर की स्थापना को लेकर स्थानीय किवंदतियों के अनुसार यहां देवताओं के राजा इंद्र के सफेद हाथी ऐरावत ने शिव जी की पूजा की थी। इस वजह से इस मंदिर का नाम ऐरावतेश्वर मंदिर हो गया। यह भी उल्लेख मिलता है कि मृत्यु के राजा यम जो कि एक ऋषि द्वारा शापित थे और शरीर की जलन से पीड़ित थे। इसके बाद वह इसी मंदिर में आए परिसर में बने पवित्र जल में स्नान कर भोलेनाथ की पूजा की। इसके बाद वह पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गए। यही वजह है कि मंदिर में यम की भी छवि अंकित है। बता दें कि यह मंदिर महान जीवंत चोल मंदिरों के रूप में जाना जाता है। साथ ही इसे यूनेस्को की ओर से वैश्विक धरोहर स्थल भी घोषित किया गया है।

भोजेश्वर महादेव मंदिर, भोजपुर

भोजेश्वर महादेव मंदिर ये दुनिया का सबसे पुराना शिव मंदिर माना जाता है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर भोजपुर नामक गाँव में ये मन्दिर स्थित है। इसे भोजपुर मन्दिर के नाम से भी जाना जाता हैं। मान्यताओं के अनुसार, इस मन्दिर को एक ही रात में निर्मित होना था किन्तु इसकी छत का काम पूरा होने के पहले ही सुबह हो गई, इसलिए इस मंदिर का काम आजतक अधूरा रह गया। और फिर इसका निर्माण कभी नहीं करवाया गया। यहाँ भोपाल और उसके आसपास के इलाकों और देशभर से श्रद्धालु हजारों की संख्या में आते हैं।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

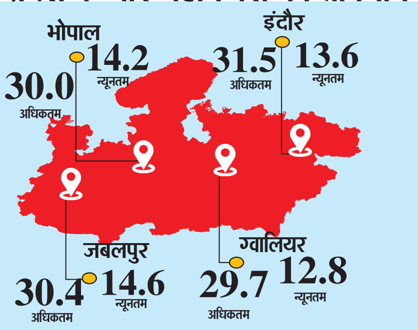

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	27.0	9.2
मुंबई	33.8	19.9
चेन्नई	36.0	18.5
कोलकाता	28.5	16.2

सूर्यास्त 6:16 PM
सूर्योदय 6:54 AM
चन्द्रोदय 04:38 AM
चन्द्रास्त 3:20 PM

छतरपुर के राजनगर में पुलिस हिरासत में युवक की मौत, थाने के बाहर प्रदर्शन, दो आरक्षक सस्पेंड

पिता के आरोप : पुलिसवाले छोड़ने के मांग रहे थे 50 हजार रुपए, पीट-पीटकर मारा

जागरण, छतरपुर। प्रदेश में छतरपुर के राजनगर थाने में 22 साल के युवक का शव फांसी के फंद से लटका मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस इसे खुदकुशी मान रही है, जबकि परिजनों ने थाने के पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस मामले को हत्या से जोड़ा है। घटना से आक्रोशित परिजनों और अन्य लोगों ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। रात करीब 11.30 बजे छतरपुर एसपी अगम जैन ने जानकारी दी कि मामले की जांच मजिस्ट्रेट कर रहे हैं। दो कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया है। इसके बाद धरना प्रदर्शन खत्म हो गया। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मृतक युवक की पहचान राजेश पटेल के

रूप में हुई है। घटना के बाद थाने में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। आरोपी का शव देर रात तक थाने में ही रखा गया। इधर घटना से आक्रोशित राजेश के परिजन और ग्रामीण भी थाने पहुंचे। पुलिस युवक को शनिवार सुबह करीब 10 बजे उसके घर से पकड़कर ले गई थी। घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर एसपी अगम जैन और मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे। मौके पर तनाव को देखते हुए आसपास के इलाकों से भी पुलिस बल बुलाकर तैनात किया गया।

सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग पर अड़े परिजन

आक्रोशित लोगों और मृतक के परिजनों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। खजुराहो एसडीओपी ने परिजनों से थाने के अंदर चलकर मजिस्ट्रेट के सामने बयान देने को कहा लेकिन परिजन सबसे पहले सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग पर अड़े रहे। राजेश के पिता किशोरी पटेल का आरोप है कि बेटे को किस आरोप में पकड़ा था, बताया नहीं। थाने से दो लोग संजय कुमावत और शिवकुमार पाल आए थे। दोनों 50 हजार रुपए मांग रहे थे, उनका कहना था पैसे दे दो तो बेटे को छोड़ देंगे। मैंने गांव वालों से पैसे लेकर व्यवस्था भी कर ली थी। मेरा लड़का फांसी से नहीं, पुलिस वालों की मार से मरा है। परिजनों के मुताबिक, करीब 1 माह पहले आरक्षक संजय कुमावत और आरक्षक शिवकुमार पाल का ट्रांसफर हो गया था। फिर भी वह थाने आते-जाते रहते थे।

पेशाब के बहाने वॉशरूम में जाकर फांसी लगाई: एसपी

एसपी अगम जैन ने बताया कि आरोपी पेशाब करने के बहाने वॉशरूम गया था। वहां जाकर उसने फांसी लगा ली। मौके पर एफएसएल टीम जांच कर रही है। घटना स्थल पर क्रॉस पट्टी लगा दी गई है। बागेश्वर धाम में ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को भी राजनगर थाने भेजा गया है।

करैरा में कोर्ट जा रहे वकील की गोली मारकर हत्या

जागरण, शिवपुरी। प्रदेश के शिवपुरी जिले में शनिवार को दिनदहाड़े एक वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना (57) रोज की तरह बाइक से कोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वारदात करैरा कस्बे की है। अधिवक्ता घिरियाली मोहल्ला पुराना बाजार के निवासी थे। वारदात करैरा इलाके के किले के पीछे स्थित आनंद सागर मंदिर के पास सिद्धन रोड पर हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमलावर पैदल आए थे या किसी गाड़ी से। वारदात के कुछ देर बाद उसी सड़क से गुजर रहे एक अन्य वकील की नजर सड़क पर पड़े संजय सक्सेना पर पड़ी। उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि संदेहियों पर नजर रखी जा रही है। साइबर टीम और थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ लेगी।

छुहिया घाटी में लगी आग, छह हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित

जागरण, सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत बघवार स्थित छुहिया घाटी में आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी अनुसार इस घटना में लगभग 6 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित हुआ है। आग तेजी से फैली, जिससे पेड़-पौधे और झाड़ियां इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में पर्यावरण और जैव विविधता को नुकसान पहुंचने की आशंका है। घटना शनिवार दोपहर 3 बजे की है।

स्थानीय लोगों ने घाटी क्षेत्र से धुआं और लपटें उठती देख तुरंत फायर ब्रिगेड और वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई और मौके पर तैनात वनकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गए। हालांकि, यह क्षेत्र दुर्गम और पहाड़ी होने के कारण आग बुझाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बघवार में तैनात वनकर्मी विक्रम सिंह ने बताया कि उन्हें शुरुआत में आग की जानकारी नहीं थी, लेकिन चौकीदार मौके पर पहुंच चुके हैं और आग बुझाने की कोशिश जारी है।

आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। वन विभाग की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है, ताकि आग की वास्तविक वजह सामने आ सके।

एमबीए छात्रा की हत्या का आरोपी गोवा में ट्रेन से पकड़ाया

जागरण, इंदौर। शहर के द्वारकापुरी इलाके में एमबीए छात्रा की हत्या के मुख्य आरोपी पीयूष धनोतिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी रिश्ते को आगे नहीं बढ़ाना चाहता था और इसी वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की लोकेशन गोवा में ट्रेस हुई थी, जहां वह मृतका का

मोबाइल इस्तेमाल कर रहा था। घेराबंदी के बाद पुलिस ने उसे गोवा से महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेन में दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक 10 फरवरी की रात हत्या के बाद आरोपी करीब 8 बजे अपने कमरे से निकल गया था। रात 11 बजे उसने छात्रा के मोबाइल से उसकी बहन को मैसेज भेजा- पापा से कहना अब वह घर नहीं लौटेगी। इसके बाद परिजनों ने सहेलियों और परिचितों को कॉल किए, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जांच में सामने आया कि आरोपी ने दोनों के बीच के 11 आपत्तिजनक वीडियो कॉलेज ग्रुप में शेयर किए। बाद में युवती के वॉट्सऐप स्टेटस पर भी वीडियो अपलोड किए और मोबाइल में सेव नंबरों पर भेजे गए, जिससे रिश्तेदारों में हड़कंप मच गया।

उमरिया में घर लौट रहे बुजुर्ग पर भालू ने किया हमला

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से सटे रायपुर क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम एक भालू के हमले में 65 वर्षीय ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत है, वहीं वन विभाग ने आसपास के गांवों में अलर्ट जारी कर गश्त बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार धमोखर परिक्षेत्र के कुम्हर्रा गांव निवासी कमल सिंह शुक्रवार को रायपुर गांव से शाम के समय गेहूं पिसवाकर सूनसान रास्ते से घर लौट रहे थे। जब वे राजस्व क्षेत्र महुआ हार के पास पहुंचे, तभी अचानक उनका सामना दो भालुओं से हो गया। इससे पहले कि वे स्थिति को समझ पाते, एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में कमल सिंह की जांघ पर गहरी चोट आई है। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत गंभीर तो है, लेकिन फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है।

प्रसाद की मिठाई खाने के बाद 19 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार

6 बच्चों के साथ 11 महिलाएं बीमार, एक गंभीर पीड़ित नागपुर रेफर

जागरण, जबलपुर। शहर के भेड़ाघाट क्षेत्र में एक धार्मिक आयोजन के दौरान चढ़ाए गए प्रसाद की मिठाई खाने के बाद 19 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। इनमें 6 बच्चे और 11 महिलाएं शामिल हैं। सभी मरीजों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जबकि एक मरीज की हालत गंभीर होने पर उसे नागपुर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार ने भेड़ाघाट चौराहे स्थित राजस्थान स्वीट्स की दुकान से 4 किलो मिठाई खरीदी थी। यह मिठाई त्रिपुर सुंदरी मंदिर (हथियागढ़) में चढ़ाई गई और प्रसाद के रूप में सभी लोगों ने ग्रहण की। खाने के कुछ घंटों बाद ही लोगों को उल्टी-दस्त, पेट दर्द और चक्कर आने जैसी शिकायतें शुरू हो गईं। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि अधिकांश मरीजों की स्थिति स्थिर है, लेकिन एक व्यक्ति की हालत चिंताजनक है, जिसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर अस्पताल रेफर किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घटना की जांच शुरू कर दी है और मिठाई के सैंपल लेकर फूड सेफ्टी लैब में भेजे गए हैं। प्रारंभिक जांच में मिठाई में बैक्टीरियल कंटेमिनेशन या एक्सपायरी की संभावना जताई जा रही है। परिजनों ने भेड़ाघाट थाने में दुकानदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मिठाई खराब या मिलावटी होने से यह हादसा हुआ।

खजराना गणेश के गर्भगृह में पहुंचा बदमाश सतीश भाऊ

जागरण, इंदौर। प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश को लेकर बने नियम फिर से टूटे हैं। इस बार बदमाश सतीश भाऊ ने गर्भगृह में प्रवेश किया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसे लेकर मंदिर की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि आम श्रद्धालुओं के गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध है। वायरल वीडियो में सतीश भाऊ पहले मंदिर के गर्भगृह के बाहर भगवान के दर्शन और पूजन करता दिख रहा है। इसके बाद वे गर्भगृह के अंदर जाकर आयोजन का निमंत्रण कार्ड भगवान के चरणों में रखता है, उसके साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। मंदिर के पुजारी पंडित अशोक भट्ट के मुताबिक यह वीडियो 11 फरवरी का है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा गार्ड को यह जानकारी नहीं थी कि वह कौन है। सतीश ने बताया था कि वे एक बड़े आयोजन (शिवाजी जयंती महोत्सव) का निमंत्रण देने आए हैं। इसके बाद गार्ड ने उसे मंदिर में प्रवेश दे दिया।

इमाम की अपील- जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें

धार्मिक आजादी पर हमला बताकर सरकार से फैसला वापस लेने की मांग

जागरण, उज्जैन। केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुसलमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे। इमाम ने अपील करते हुए कहा कि हम कहेंगे कि जिन स्कूलों में वंदे मातरम् को अनिवार्य किया जा रहा है, वहां से सभी मुसलमान अपने बच्चों को निकाल लें। हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते कि वह इस्लाम में रहकर किसी और खुदा की इबादत करें। यह फैसला कानून के खिलाफ है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि अपना फैसला वापस ले।

कांग्रेस विधायक मसूद भी जता चुके विरोध

इससे पहले भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी केंद्र सरकार के इस फैसले का विरोध जता चुके हैं। मसूद ने 12 फरवरी को कहा था- भारत एक प्रजातांत्रिक देश है। हमें संविधान के आर्टिकल 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार मिला हुआ है। वंदे मातरम् के सम्मान को लेकर कोई झगड़ा नहीं है। विवाद केवल वंदे मातरम् की कुछ लाइनों को लेकर है, जो हमारी मजहबी आजादी पर अंकुश लगाती हैं, जो लोग आज वंदे मातरम् पर बहस कर रहे हैं, वही सबसे ज्यादा संविधान का मजाक उड़ाते हैं।

एक चिता पर तीन बच्चों का दाह संस्कार देख सहमे ग्रामीण, मां ने पिलाई थी जहरीली चाय

जागरण, आलीराजपुर। पारिवारिक विवाद में मां द्वारा दी गई जहर मिली चाय पीने वाले तीनों बच्चों ने दम तोड़ दिया। शनिवार को आलीराजपुर जिले के आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम अडवाड़ा में तीनों बच्चों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। तीन-तीन मासूमों का एक साथ अंतिम संस्कार देख ग्रामीण खुद को रोक नहीं सके और पूरा गांव गम में डूब गया। घटना के बाद गांव में भारी सुरक्षा बल भी तैनात कर दिया गया है। शुक्रवार शाम यह मार्मिक हादसा सामने आया था। जब गांव वालों को तीनों बच्चों को मां नूरी बाई द्वारा जहर पिलाने की सूचना मिली। मां ने खुद ने भी कीटनाशक मिली चाय पी ली थी। परिजन तीनों बच्चों व मां को लेकर तत्काल अस्पताल पहुंचे थे। मगर सावित्री की मौत रास्ते में ही हो गई। जबकि दो बच्चों कार्तिक और दिव्या को दाहोद के जिला अस्पताल में रेफर किया गया था। वहां रात में ही दोनों बच्चों ने भी दम तोड़ दिया।

जबलपुर से खाटू श्याम दर्शन करने गए 5 लोगों की हादसे में मौत

जयपुर के चाकसू में ट्रेलर और कार की टक्कर

जागरण, जबलपुर। खाटू श्याम के दर्शन करने जा रहे जबलपुर के 5 लोग जयपुर में हादसे का शिकार हो गए है। इस भीषण हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में 1 महिला सहित कार सवार 5 लोग शामिल है। सभी मृतक जबलपुर के रहने वाले थे। हादसे की खबर से परिजन सहित शहर में शोक की लहर है। दरअसल सभी लोग 12 फरवरी को उज्जैन महाकाल दर्शन के बाद वहां से खाटू श्याम जाने के लिए रवाना हुए थे। शनिवार को सुबह करीब साढ़े 5 बजे जयपुर के चाकसू इलाके में ट्रेलर और कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन जयपुर के लिए रवाना हो गए हैं। मृतकों में पीयूष, राहुल, अनुराग, रेशमा और शानू शामिल है। 5 लोगों की मौत की खबर से परिवार सहित मोहल्ले में शोक की लहर है। हादसे की पूरी जानकारी परिजनों के घटनास्थल पहुंचने पर होगी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिजनेस प्लस

एलएनसीटी में मनाया गया गाम्बिया देश का 61वां स्वतंत्रता दिवस

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में गाम्बिया देश का 61वां स्वतंत्रता दिवस भव्य रूप से मनाया गया। यूनिवर्सिटी कैंपस में गाम्बिया और भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद दोनों देशों का राष्ट्रगान हुआ। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सभागार में रंगारंग कल्चरल प्रोग्राम आयोजित किए गए, जिन्होंने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। मध्य भारत की प्रमुख निजी यूनिवर्सिटी एलएनसीटी यूनिवर्सिटी ने इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन की सफल मेजबानी की। कार्यक्रम में अजी फॉतुमाता जूफ, फर्स्ट सेक्रेटरी गाम्बिया दूतावास,और इंद्राणी मूले, सलाहकार, अफ्रीकन स्टूडेंट असोसिएशन, गाम्बिया दूतावास, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर जय नारायण चौकसे, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पूजाश्री चौकसे, डायरेक्टर धर्मेंद्र गुप्ता, कुलपति डॉ एन के थापाक की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान गाम्बिया के देश भर से आये करीब 200 छात्र-छात्राएं का फ्री मेडिकल चेकअप भी किया गया ।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने दिखाई आईसेक्ट के कौशल रथ को हरी झंडी

नई दिल्ली। देशभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसेक्ट की मोबाइल बस 'कौशल रथ' को आज कर्तव्य पथ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस पहल का शुभारंभ केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा किया गया। यह अभियान 16-20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले देशव्यापी पहुंच कार्यक्रम को गति देगा। इस अवसर पर श्री जितिन प्रसाद ने कहा कि कौशल रथ देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचकर वंचित समुदायों को भी एआई साक्षरता से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि यह मिशन युवाओं को भविष्य की अर्थव्यवस्था में सफल होने के लिए आवश्यक तकनीकी समझ और कौशल प्रदान करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एआई जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है और भारत को वैश्विक स्तर पर तकनीकी प्रतिभा एवं एआई पेशेवरों का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा गवलि पलासिया में मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को विभिन्न कृषि ऋण योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि

उपकरण ऋण, डेयरी एवं पशुपालन ऋण तथा अन्य सरकार समर्थित वित्तीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर. के. सिंह, आंचलिक कार्यालय भोपाल से पधारे एन के अहिरवार, उप क्षेत्रीय प्रमुख प्रबोध जैन, गवलि पलासिया के शाखा प्रमुख अरविंद निगवाल एवं मुख्य अतिथि के रूप में एनआरएलएम की जिला प्रबंधक प्रियंका राठौर, गवलि पलासिया ग्राम के सरपंच रवि पाटीदार की गरिमामयी उपस्थिति थी। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, महिला समूहों एवं ग्रामीण ग्राहकों को बैंक की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा उन्हें लाभान्वित करना था।

एक दिन में 20 सर्जरी कर एमपी के डॉक्टरों ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मंत्रासन रोबोटिक चेयर से जटिल सर्जरी को बनाया आसान, भविष्य की सुविधाओं की मिली झलक

जागरण, भोपाल। सुबह साढ़े पांच बजे से जुटे प्रदेश के दो सर्जनों ने एक ही दिन में 20 ऑपरेशन कर एक बार फिर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। दोनों डॉक्टरों ने रोबोटिक चेयर मंत्रासन के जरिए धड़ाधड़ सटीक ऑपरेशन किए। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं और दर्द रहित सफल ऑपरेशन की झलक भी दिखाई है।

यह कारनामा किया है एसएआईएमएस इंदौर के बैरियाट्रिक, मेटाबोलिक, रोबोटिक और एंडोस्कोपिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी और हर(एचईआर) अस्पताल की प्रजनन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने। डॉ. प्रिया ने इंदौर के एसएआईएमएस में बैठकर एचईआर अस्पताल में मौजूद 6 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की। वहीं डॉ. मोहित भंडारी ने एचईआर अस्पताल में बैठकर एसएआईएमएस इंदौर के 14 मरीजों के ऑपरेशन किए। डॉ. प्रिया ने सुबह 5.30 बजे इंदौर से सर्जरी शुरू की, जबकि डॉ. भंडारी सुबह 7 बजे ओटी में पहुंचे। सर्जरी कराने वाले सभी मरीजों का वजन 100 से 150 किलोग्राम के बीच था। उन्हें मोटापे से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं थीं। इनमें से किसी गर्भाशय निकाला गया तो किसी का फैलोपियन ट्यूब निकाला गया। इसी तरह सिस्ट रिमूवल भी डॉक्टर्स ने इसी पद्धति से किया। सर्जरी में इस्तेमाल की गई मंत्रासन नामक नई रोबोटिक चेयर से वीआर गॉगल्स का उपयोग किया जाता है। सर्जन कुर्सी पर बैठकर वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से मरीज के शरीर के अंदर का दृश्य देख सकता है और रोबोटिक आर्म्स को नियंत्रित कर सर्जरी कर सकता है। इसमें ऐसा लगता है जैसे डॉक्टर सीधे मरीज के अंदर बैठे हों। इसमें खून भी कम निकलता है और मरीज को दर्द भी नहीं होता। सर्जन अपने ओपीडी कक्ष में बैठकर दुनिया के किसी भी हिस्से में मौजूद मरीज की सर्जरी कर सकता है। एक दिन में 20 ऑपरेशन करने पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन द्वारा दोनों सर्जनों को सर्टिफिकेट दिया गया है। इसे हेल्थ सेक्टर में भविष्य की क्रांति भी माना जा रहा है।

बहू की प्रताड़ना से तंग 95 साल के ससुर ने की खुदकुशी

जागरण, ग्वालियर। शहर में बहू और अन्य परिजनों की प्रताड़ना से तंग आकर 95 साल के बुजुर्ग ने लाइसेंसी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना ग्वालियर के थाटीपुर थाना क्षेत्र के नेहरू कॉलोनी की है। बताया गया कि गोली बुजुर्ग के पेट में लगकर पीठ से आर-पार निकली। पास ही उनकी बारह बोर की लाइसेंसी राइफल भी मिली है। पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल की तो मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है जिससे पता चला है कि बुजुर्ग अपनी बड़ी बहू से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित हो गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/उत्तर मध्य रेलवे/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इंजी-जी.एस.यू.-2026-01

कार्य का नाम : बैलेंस वर्क ऑफ प्रोवीजन ऑफ टू लॉगर लूप एट सरसोकी स्टेशन ऑफ वीजीएलजे - बीजेडएम सेक्शन इन अप एण्ड डाउन डायरेक्शन।

अनुमानित लागत रु.: 8074035.69 | अमानत राशि रु.: 161500.00

निविदा बंद होने की तिथि : 10.03.2026

स्वीकृत पत्र जारी होने के कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

- निविदा दिनांक 10.03.2026 को 10:30 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे।
- पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 328/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या : ECR_Cleaning_OT-06_25-26 दिनांक- 11.02.2026.

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरीय मंडल विधुत अभियंता/मेमू, झाझा, पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर, मेमू कार शेड, झाझा, निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए फॉर्म/एजेंसी/ठेकेदार जिन्हें किसी भी राज्य/केंद्र सरकार के पास से वैद्य लाइसेंस तथा पर्याप्त अनुभव एवं वित्तिय क्षमता है, से ऑनलाइन (ई टेंडरिंग) खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम एवं कार्यस्थलः एमईएमयू कोचों की गहन सफाई, एमईएमयू कोचों में पानी भरना, एमईएमयू शेड परिसर की सफाई और एमईएमयू शेड झाझा में दो साल (730 दिन) तक कचरा निपटान। 2. कार्य अवधि की पूर्णता अवधि : 24 महीने। 3. कार्य का अनुमानित लागत : ₹21866929.52/- (रूपये दो करोड़ अठारह लाख छियासठ हजार नौ सौ उनतीस और बावन पैसे मात्र)। 4. अग्रधन राशि : ₹259300/- (रूपये दो लाख उनसठ हजार तीन सौ मात्र)। 5. निविदा जमा करने एवं खुलने की तिथि व समय : निविदा ऑन लाइन https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर प्रस्तुत की जानी है। निविदादाताओ द्वारा निर्धारित तिथि 06.03.2026 को 15:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 15:30 बजे निविदा खोली जाएगी। 6. वेबसाईट विवरण और सूचना, बोर्ड का स्थान, जहां पूरा टेंडर नोटिस का विवरण मिले : विस्तृत निविदा सूचना, पात्रता मानदंड और निविदा दस्तावेज CRIS's वेबसाइट https://www.ireps.gov.in/ से देखा जा सकता है। नोटिस का पूरा विवरण वरीय मंडल विधुत अभियंता/मेमू, झाझा, मेमू कार शेड झाझा पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। सभी शुद्धी (corrigendum) इसी वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी यदि आवश्यक हो।

वरीय मंडल विधुत अभि./मेमू, झाझा/ मेमू कार शेड झाझा/पूमरे/दानापुर

पीआर/1781/डीएनआर/वि./टी/25-26/56

हैंडशेक न करने का जवाब मैच में देंगे : सलमान

सूर्य कुमार ने कहा: इंतजार करिए, 24 घंटे बाद देखेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से पहले शनिवार को कोलंबो में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हैंडशेक विवाद पर कहा- इसका जवाब हम कल मैदान पर देंगे। इसके बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी हैंडशेक को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर वे बोले- 24 घंटे इंतजार कीजिए, तब देखेंगे। पिछले साल हुए एशिया कप 2025 में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव समेत सभी प्लेयर्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। सूर्यकुमार ने कहा था कि उनकी टीम पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाएगी। यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों के सम्मान में लिया गया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के समर्थन के तौर पर भी देखा गया था।

आगा बोले-इतिहास नहीं बदल सकते

पाक कप्तान सलमान आगा से भारत-पाक मैच के माहौल और राजनीति से अलग खेल भावना पर सवाल हुआ। उन्होंने कहा, मैच अच्छे जज्बे में खेला जाना चाहिए। मेरा मानना मायने नहीं रखता। खेल जैसे शुरू से खेला जाता रहा है, वैसे ही होना चाहिए। आगा ने माना कि वर्ल्डकप में पाकिस्तान का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, इतिहास नहीं बदल सकते। रिकॉर्ड अच्छा नहीं है, लेकिन इस बार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेंगे। पाकिस्तान कप्तान ने बाबर आजम की फॉर्म को लेकर चिंता से इनकार किया। उन्होंने कहा, बाबर हमारे लिए चिंता का विषय नहीं हैं। वे रन बना रहे हैं। उम्मीद है कल भी टीम की मदद करेंगे। हम बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहते।

मैच से पहले श्रीलंका की राजधानी में कड़ी सुरक्षा

श्रीलंका पुलिस ने शनिवार को कहा कि रविवार को कोलंबो में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले से पहले विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार को यहां स्थित आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। श्रीलंका के अधिकारियों ने कहा कि मैच के आयोजन की सुरक्षा के मामले में कोई जोखिम नहीं लिया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता एफ टी वूटलर ने संवाददाताओं से कहा, हमने (श्रीलंका पुलिस) ने एक विशेष यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की है। यह मुकाबला कई हफ्तों की अनिश्चितता के बाद हो रहा है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में मैच के बहिष्कार की घोषणा की थी। इस मुद्दे पर फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच गहन बातचीत हुई।

टी-20 वर्ल्डकप: इंग्लैंड की दूसरी जीत स्कॉटलैंड को पांच विकेट से दी शिकस्त

टॉम बैंटन ने नाबाद 63 रन बनाए, आदिल रशीद को 3 विकेट

कोलकाता, जेएनएन। इंग्लैंड ने स्पिन गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद टॉम बैंटन (नाबाद 63 रन) के अर्धशतक की बदौलत शनिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप सी मैच में स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। स्कॉटलैंड की पूरी टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद के तीन विकेट जबकि लियाम डॉसन और जोफ्राआर्चर ने दो दो विकेट झटके। इंग्लैंड ने बैंटन की चार चौके और तीन छक्के जड़ित 41 गेंद की नाबाद अर्धशतकीय पारी से 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए दिन के दूसरे मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

स्काटलैंड 151 पर हुई ऑलआउट

पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर मैच अपने नाम कर लिया। इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। इससे पहले 8 फरवरी को टीम ने नेपाल को रोमांचक मुकाबले में 4 रन से हराया था। इस जीत के साथ इंग्लैंड पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। वहीं, स्कॉटलैंड की तीन मैचों में यह दूसरी हार रही। इससे पहले उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। 17वें ओवर की पहली बॉल पर स्कॉटलैंड को बड़ी सफलता मिली। तेज गेंदबाज ब्रैड व्हील ने सैम करन को आउट कर दिया। ऑफ स्टंप पर हार्ड लेंथ की क्रॉस-सीम गेंद पर करन ने फ्रंट लेग हटाकर जोरदार हिट लगाने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का ऊपरी किनारा लग गया। गेंद काफी ऊंची हवा में गई। विकेटकीपर मैथ्यू क्रॉस ने दाईं ओर बढ़ते हुए खुद कॉल किया और आसान कैच लपक लिया। करन 20 गेंदों में 28 रन (1 चौका, 2 छक्के) बनाकर पवेलियन लौटे।

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया इस वर्ल्डकप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया

कोलंबो। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के 22वें मुकाबले में आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मैच में ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला टीम के लिए उलटा साबित हुआ। आयरलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 235 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। लॉर्कन टकर (94*) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टारगेट का पीछा करने उतरी ओमान के लिए ओपनर आमिर कलीम ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 29 हॉल पर 50 रन बनाए। उनके अलावा हम्माद मिर्जा ने 37 बॉल पर 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोशुआ लिटिल ने 3, मैथ्यू हम्फ्रीज और बैरी मैकार्थी ने 2-2 विकेट लिए। जॉर्ज डॉकरेल को 1 विकेट मिला।

टकर ने नाबाद 94 रन बनाए

आयरलैंड के लिए कप्तान लॉर्कन टकर और गैरेथ डेलानी ने शानदार अर्धशतक जड़े। टकर ने 51 गेंदों पर नाबाद 94 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि डेलानी ने 30 गेंदों में 56 रन बनाए। वहीं जॉर्ज डॉकरेल ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के जड़ते हुए महज 9 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाकर पारी को धमाकेदार अंदाज में समाप्त किया। ओमान की ओर से शकील अहमद ने 3 विकेट झटके, जबकि शाह फैजल और आमिर कलीम को 1-1 सफलता मिली।

न्यूजीलैंड को हराकर द. अफ्रीका ग्रुप डी में टॉप पर

अहमदाबाद, जेएनएन। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। जबकि न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। कीवियों की ओर से मार्क चापमन ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 32 और फिन एलन ने 31 रन का योगदान दिया। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। लुंगी एनगिडी, केशव महाराज और कॉर्बिन बॉश को एक-एक विकेट मिला। अफ्रीकी टीम ने 176 रन का टारगेट 17.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। डेविड मिलर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कप्तान मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली: ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। उन्होंने 44 बॉल की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मिलर ने नाबाद 24 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 21, रायन रिकेल्टन ने 21 और क्विंटन डी कॉक ने 20 रन का योगदान दिया।

मिलर के छक्के से जीता साउथ अफ्रीका: डेविड मिलर ने 17वें ओवर में लॉकी फर्ग्यूसन की पहली बॉल पर छक्का लगाकर साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया है। यह अफ्रीका की इस टूर्नामेंट में तीसरी जीत है।

साउथ अफ्रीका का अजेय रिकॉर्ड जारी

इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड जारी रखा है। यह प्रोटियाज की कीवियों पर 5वीं जीत है। दोनों के बीच अब तक 5 मैच ही खेले गए हैं।

खेल एक नजर

एक महासंग्राम बुमराह और साहिबजादा फरहान में भी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और पाकिस्तान के बीच कल जबरदस्त भिड़ंत होनी है। भारत और पाक दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में 2-2 मैच जीत चुकी हैं लेकिन, रन रेट के लिहाज से टीम इंडिया नंबर 1 पर है। ऐसे में आज के मुकाबले में यह नंबर 1 कुर्सी की तस्वीर भी साफ हो जाएगी। मैच में एक मुकाबला बुमराह और साहिबजादा फरहान के बीच भी होने जा रहा है। फरहान ने एशिया कप के दौरान बुमराह की पहली गेंद पर छक्का जड़ा था और वह बुमराह के खिलाफ ऐसा करने वाले इकलौते पाक खिलाड़ी हैं। आपको क्या लगता है इस बार बुमराह बदला ले पाएंगे या फिर फरहान भारी पड़ेंगे? गौरतलब है कि एशिया कप के दौरान जब साहिबजादा फरहान बल्लेबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने बुमराह के खिलाफ 3 छक्के जड़े। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन पूरे पाकिस्तानी क्रिकेट इतिहास में फरहान के अलावा आजतक किसी भी खिलाड़ी ने बुमराह के खिलाफ छक्का नहीं लग पाया है। भारत और पाक के बीच इस हाईवोल्टेज मुकाबले से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर खास नजर होंगी। बुमराह भारत के स्टार तेज गेंदबाज हैं। क्या फरहान को उन्हें छक्के लगाना महज एक इत्तेफाक था या फिर उनके अंदर सच में बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ ऐसी हिट लगाने कि काबिलियत है। कल सब कुछ सबके सामने हो जाएगा और साफ हो जाएगा. ऐसे में देखना दिलचस्प होगा दोनों में किसका पलड़ा भारी रहेगा।

टी-20 विश्व कप की तैयारी: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज से शुरुआत करेगी महिला टीम

ऑस्ट्रेलिया दौरे में तीन टी-20, 3 एक दिवसीय और पर्थ में दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगी

सिडनी, जेएनएन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहु-प्रारूप श्रृंखला में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश इस साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों को दुरूस्त करने की होगी। भारत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बहु-प्रारूप श्रृंखला में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन एकदिवसीय और छह मार्च से पर्थ में दिन रात्रि टेस्ट मैच खेलेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 50-ओवर विश्व कप जीत के बाद पहली बार विदेश में श्रृंखला खेलेगी और ऑस्ट्रेलिया के छह अलग-अलग शहरों का दौरा करेगी। पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में होगा, जबकि बाकी मैच क्रमशः कैनबरा के मनुका ओवल और एडिलेड ओवल में खेले जाएंगे।

मैच-भारतीय समयानुसार दोपहर 1-45 बजे होगा

टी-20 विश्वकप से पहले श्रृंखला काफी अहम

हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 विश्व कप से पहले सभी श्रृंखला काफी अहम हैं। भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ नई प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है। वैष्णवी शर्मा और श्री चारानी को टीम में शामिल किया गया है, जबकि श्रेयंका पाटिल और भारती फुलमली की भी वापसी हुई है। टी20 विश्व कप में पिछले दो आयोजनों में खासकर आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाने के मामले में भारत का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा था, फुलमली और विकेटकीपर रिचा घोष की मौजूदगी में टीम उस कमी की भरपाई करने की कोशिश करेगी।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना , शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चारानी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अरुंधती रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमली, श्रेयंका पाटिल।

ऑस्ट्रेलिया-सोफी मोलिनक्स (कप्तान), एशले गार्डनर , तहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है भारतीय टीम

यह भारत के लिए इस साल की पहली टी20 श्रृंखला होगी। भारत टी20 प्रारूप में विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर हैं। वनडे विश्व कप चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम के हौसले बुलंद है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर को टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि वे (ऑस्ट्रेलिया) बहुत मजबूत टीम हैं, लंबे समय से अच्छा क्रिकेट खेल रही हैं। जब आप सही मानसिकता और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ खेलते हैं, तब ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। हमारा लक्ष्य भी यही है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे।

दिन-रात टेस्ट के लिए उत्साहित हैं हरमनप्रीत

हरमनप्रीत पर्थ में होने वाले दिन-रात्रि टेस्ट के लिए भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने ऑस्ट्रेलिया में बहुत क्रिकेट खेली है और हमेशा आनंद लिया है। यहां क्रिकेट की संस्कृति अद्भुत है। हमारी टीम को भी यहां खेलना पसंद है। बहु प्रारूप श्रृंखला हमेशा रोमांचक होती है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह श्रृंखला खास महत्व रखती है, क्योंकि उनकी अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली इस श्रृंखला के बाद संन्यास लेंगी। नयी कप्तान सोफी मोलिनक्स टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई करेंगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम से लेग स्पिनर अलाना किंग को बाहर किया गया है।

विश्व कप मैच प्रीव्यू

नेपाल को हराकर ग्रुप में शीर्ष पर बने रहने के इरादे से उतरेगा वेस्टइंडीज

मुंबई, जेएनएन। आत्मविश्वास से लबरेज वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मुकाबले में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर नेपाल से भिड़ेगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय बरकरार रखकर शीर्ष पर अपना स्थान पुख्ता रखने का होगा। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक दोनों मैच जीते हैं और नेट रनरेट (1.625) के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है। एक और जीत से शीर्ष पर उसका स्थान और पक्का हो जायेगा। इसके बाद वेस्टइंडीज को कोलकाता में इटली से खेलना है और इन दोनों मैचों में जीत से ग्रुप में शीर्ष पर उसका रहना तय हो जायेगा लेकिन उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा । नेपाल की टीम भले ही जीत नहीं सकी हो लेकिन उसने टुकड़ों में प्रतिभा का परिचय दिया है और वह उलटफेर कर सकती है । ऐसे में वेस्टइंडीज को संभलकर खेलना होगा और विरोधी को हलके में लेने की गलती से बचना होगा। नेपाल ने पिछले साल सितंबर में टी20 श्रृंखला में वेस्टइंडीज को 2-1 से हराया था। उसे पिछले मैच में इटली ने मात दी है । टी20 विश्व कप से पहले वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखलाओं में हराया लेकिन टूर्नामेंट में यह टीम बदली हुई नजर आ रही है । सही समय पर इसने लय हासिल कर ली है और पहले मैच में स्कॉटलैंड को 35 रन से हराने के बाद इंग्लैंड को 30 रन से मात दी ।

तेज गेंदबाजों को करना होगा अच्छा प्रदर्शन: दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ी मैच जिताने वाले बने हैं और मुख्य कोच डेरेन सैमी यह देखकर जरूर खुश होंगे। तीसरे नंबर पर शिमरोन हेटमायेर और चौथे नंबर पर रोस्टन चेस अच्छा खेल रहे हैं जबकि इंग्लैंड के खिलाफ शेरफेन रदरफोर्ड ने जबर्दस्त बल्लेबाजी की। वानखेड़े स्टेडियम की पिच पर हालांकि उसके तेज गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

नामीबिया को हराकर सुपर आठ की उम्मीदें कायम रखना चाहेगा अमेरिका

चेन्नई, जेएनएन। नीदरलैंड पर मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका टी20 विश्व कप ग्रुप ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को हराकर सुपर आठ में प्रवेश की उम्मीदें बरकरार रखना चाहेगा। अभी तक दोनों मैच जीतकर भारत और पाकिस्तान ग्रुप में शीर्ष दो स्थानों पर है। अमेरिका अगर यह मैच जीतता है तो शीर्ष दोनों टीमों में से एक के हारने पर उसका मौका बन सकता है। पहले दोनों मैच हारने के बाद अमेरिका ने नीदरलैंड को 93 रन से हराया जो टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी एसोसिएट टीम का रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। विभिन्न प्रारूपों में पिछले छह मैचों में नीदरलैंड से हारने के बाद अमेरिका की यह पहली जीत थी जिसकी नींव उम्दा बल्लेबाजी और अनुशासित स्पिन गेंदबाजी ने रखी। अंतिम एकादश में शामिल किये गए साइतेजा मुक्कामल्ला ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए बेहतरीन पारी खेली। शुभम रंजने ने बाद में आक्रामक पारी खेलकर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया जबकि कप्तान मोनांक पटेल ने भी 36 रन बनाये।

संजू सैमसन का दिमाग उलझा हुआ है: आर अश्विन

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि संजू सैमसन ने पिछले मैच में नामीबिया के खिलाफ तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन अगले मैच के लिए टीम इंडिया अभिषेक की वापसी की उम्मीद पक्की है। अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने कहा, संजू सैमसन रन ढूंढ रहे हैं। उनका दिमाग उलझा हुआ है। उसमें कई चीजें घूम रही हैं। टीम ने अभिषेक शर्मा की गैरमौजूदगी में उनका साथ दिया, लेकिन मुझे लगता है कि अभिषेक भारत के लिए एक बड़ा खिलाड़ी है। नामीबिया के खिलाफ संजू सैमसन के आउट होने के तरीके पर अश्विन ने कहा, उसने बस फील्डर को टैप किया। ऐसा लग रहा था कि उसका दिमाग बहुत साफ नहीं था। ऐसी मेंटल हालत किसी भी खिलाड़ी पर असर डाल सकती है। अगर मैं होता, तो मैं उसे बस यही सलाह देता कि ज्यादा न सोचे और बिना डरे खेले। मैं उसे बस यही कहूंगा। संजू सैमसन को नामीबिया के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। अभिषेक शर्मा के पेट में इन्फेक्शन होने और मैच के लिए फिट न होने की वजह से सैमसन को मौका मिला था। संजू सैमसन ने अपनी पारी की तेज शुरुआत की और लगातार 3 छक्के और 1 चौके की मदद से 8 गेंद पर 22 रन बनाए।

जम्मू-कश्मीर-उत्तराखंड की नजरें दिग्गजों को हराने पर

कोलकाता, जेएनएन। पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 110 रन देकर 12 विकेट चटकाते हुए जीत की नींव रखी। नबी अब तक टूर्नामेंट में 46 विकेट ले चुके हैं जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 22 विकेट लिये हैं। बल्लेबाजी में अब्दुल समद 543 रन बना चुके हैं जबकि अनुभवी कप्तान पारस डोगरा ने 484 रन का योगदान दिया है। अब उनके पास बंगाल की

चुनौती है जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूत टीम है और कल्याणी में अपने मैदान पर खेलने का उसे फायदा भी मिलेगा।

सुदीप कुमार घरामी के 299 रन की मदद से बंगाल ने क्वार्टर फाइनल में आंध्र को एक पारी और 90 रन से हराया। घरामी अभी तक 651 रन बना चुके हैं जबकि सुमंत गुप्ता ने 506, अभिमन्यु ईश्वरन ने 373 और अनुस्तूप मजूमदार ने 367 रन बनाये हैं। बंगाल के लिये शाहबाज अहमद 39 विकेट ले चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने 28 और आकाश दीप ने 19 विकेट लिये हैं।

उत्तराखंड का सामना कर्नाटक से

दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेला जायेगा जिसमें उत्तराखंड का सामना आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक से होगा। उत्तराखंड ने जमशेदपुर में झारखंड को एक पारी और छह रन से हराया जबकि कर्नाटक ने रिकॉर्ड 42 बार की विजेता मुंबई को मात दी। उत्तराखंड के लिये स्पिनर मयंक मिश्रा ने आठ विकेट लिये और टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक 52 विकेट ले चुके हैं। हरफनमौला जगदीश सुचित ने 25 विकेट लिये और 414 रन बनाये हैं। कप्तान कुणाल चंदेला 709 रन बना चुके हैं। दूसरी ओर कर्नाटक की नजरें नौवें खिताब पर है जिसने 2013-14 और 2014-15 में लगातार दो खिताब जीतने के बाद से ट्रॉफी अपने नाम नहीं की है। बल्लेबाजी में मयंक अग्रवाल (492), देवदत्त पडिक्कल (300), स्मरण रविचंद्रन (688) और करूण नायर (631) का अच्छा प्रदर्शन रहा है। केएल राहुल ने क्वार्टर फाइनल में 138 रन बनाये। गेंदबाजी में लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल 41 विकेट ले चुके हैं जबकि विदवत कावेरप्पा 37 और शिखर शेट्टी 33 विकेट ले चुके हैं ।

योनो ट्रॉफी क्रिकेट मैच : चीफ सेक्रेटरी इलेवन की जीत

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल सर्किल द्वारा चीफ सेक्रेटरी इलेवन एवं सीजीएम इलेवन के बीच आयोजित योनो ट्रॉफी क्रिकेट मैच का आयोजन 14 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह रोमांचक मुकाबला ओल्ड कैंपियन क्रिकेट ग्राउंड, भोपाल में हुआ। मैच से पूर्व प्रातः 9.30 बजे टॉस कराया गया, जिसमें दोनों टीमों के कप्तानों सीएस इलेवन के कप्तान अनुराग जैन एवं सीजीएम इलेवन के कप्तान श्री प्रवास कुमार सुबुधि की उपस्थिति में टॉस संपन्न हुआ। सीएस इलेवन और सीजीएम इलवेन के बीच खेला गया यह यह मुकाबला चीफ सेक्रेटरी इलेवन टीम ने 18 रनों से जीता। मैच में पहले बल्लेबाजी चीफ सेक्रेटरी इलेवन ने की और 167 रन 5 विकेट पर बनाएं जबकि सीजीएम इलेवन ने 20 ओवर में 149

रन 5 विकेट पर बनाए और इस तरीके से चीफ सेक्रेटरी इलेवन ने 18 रनों से मैच में जीत दर्ज की। मैच में बेस्ट ऑलराउंडर श्री करण, भारतीय स्टेट बैंक रहे जिन्होंने बेटिंग में 27 रन बनाए और बोलिंग में चार ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए इसी तरह से मैन ऑफ द मैच श्री हिमांशु चंदा सीएस इलेवन टीम के रहे जिन्होंने 46 रन और एक विकेट लिया।

संक्षिप्त समाचार

कार में युवक-युवती की गोली लगी लाश

नोएडा, जेएनएन। सेक्टर-107 में वैलेंटाइन डे के दिन दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक कार के अंदर युवक और युवती के शव मिले हैं। दोनों को गोली लगी थी। शुरुआती जांच में आशंका है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान सुमित (32), निवासी त्रिलोकपुरी, दिल्ली और रेखा (26), निवासी सलारपुर, सेक्टर-101, नोएडा के रूप में हुई है। सुमित के लापता होने की रिपोर्ट दिल्ली में दर्ज थी। युवक के हाथ में पिस्टल मिली है और कार में जबरन प्रवेश के कोई निशान नहीं मिले। मामला हत्या के बाद आत्महत्या का लग रहा है। दोनों करीब 15 साल से रिश्ते में थे। युवक के मोबाइल से व्हाट्सऐप मैसेज मिला है, जिसमें उसने लिखा कि वह आत्महत्या करने जा रहा है और इसके लिए रेखा जिम्मेदार है। मैसेज में दावा किया कि युवती ने शादी का वादा किया था, लेकिन अब वह किसी और से विवाह करने जा रही थी।

हर फैसले में बांग्लादेश का हित सर्वोपरि: रहमान

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश आम चुनाव में जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार मीडिया से बातचीत की। भारत-बांग्लादेश संबंधों पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हर फैसले में बांग्लादेश के हितों को सर्वोपरि रखेगी। तारिक रहमान ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि विचार और रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित में सभी को साथ आना होगा। उन्होंने कहा कि आज से देश में वास्तविक अर्थों में आजादी और अधिकार बहाल हुए हैं। लोगों ने तमाम मुश्किलों का सामना कर लोकतंत्र की राह बनाई है।

कोलकाता-शिलॉन्ग इंडिगो फ्लाइट में बम की अफवाह

कोलकाता, जेएनएन। कोलकाता से शिलॉन्ग जा रही इंडिगो की फ्लाइट में शनिवार सुबह बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। इंडिगो की फ्लाइट 6ई3074 में टॉयलेट के अंदर एक धमकी भरा नोट मिलने के बाद विमान को तुरंत आइसोलेशन बे में ले जाया गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर उतार लिया गया। यह घटना नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई। फ्लाइट सुबह 9.15 बजे रवाना होने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को टॉयलेट में एक कागज मिला, जिस पर विमान में बम की बात लिखी थी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई और विमान को मुख्य टर्मिनल से अलग खड़ा कर दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया।

मोदी वायुसेना के एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

कांग्रेस पर साधा निशाना: बोले- कांग्रेस देश का बंटवारा कराना चाहती है, बुरा सोचने वालों को बैठाती है कंधे पर

गुवाहाटी, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे और डिब्रूगढ़ के मोरन बाइपास पर बनी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर वायुसेना के सी-130 विमान से उतरकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। यह एयरस्ट्रिप चीन की सीमा से लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित है और सैन्य दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रधानमंत्री पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे और वहां से सी-130 विमान के जरिए मोरन बाइपास पर उतरे। इस अवसर पर हाईवे पर राफेल और सुखोई सहित 16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो किया। करीब 30 मिनट तक चले इस प्रदर्शन में विमानों ने हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ का प्रदर्शन किया, जिससे आपात स्थिति में ऐसी सुविधाओं की उपयोगिता को दर्शाया गया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम को उसके हिस्से के संसाधनों के लिए तरसाया गया। उनके मुताबिक, उस समय राज्य को टैक्स हिस्सेदारी के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे, जबकि भाजपा सरकार में यह राशि पांच गुना बढ़ी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जब भी सेना के लिए हथियार खरीदती थी, तो उसमें घोटाले होते थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज की कांग्रेस उन लोगों और विचारों का समर्थन कर रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो देश तोड़ने की बात करते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित हो गए हैं।' प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे के विकास को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में ब्रह्मपुत्र नदी पर पांच बड़े पुल बनाए गए, जबकि कांग्रेस के 70 साल के शासन में केवल तीन पुल बने। उन्होंने इसे विकास की नई गति का उदाहरण बताया।

अब यूरोप की आजादी की गारंटी नहीं: जर्मन चांसलर

अमेरिका से रिश्तों में दरार

म्यूनिख, जेएनएन। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी और सुरक्षा अब अपने-आप सुनिश्चित नहीं मानी जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद बनी नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था अब कमजोर पड़ चुकी है और दुनिया महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा से संचालित हो रही है। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आई है। उनके मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों के बजाय ताकत और राष्ट्रीय हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं। मर्ज ने कहा कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़ने पर त्याग भी करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे स्वतः सुरक्षा मिलती रहेगी। सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो समेत कई अंतरराष्ट्रीय नेता मौजूद थे। मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले आगे नहीं बढ़ सकता। सुरक्षा, तकनीक, व्यापार और रक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग जरूरी है।

कैबिनेट: 1 लाख करोड़ के अर्बन चैलेंज फंड को हरी झंडी

देश की पहली रोड कम रेल टनल को मंजूरी, ब्रह्मपुत्र के नीचे बनेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली रोड-कम-रेल टनल बनाने को मंजूरी दे दी गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लागत 18,662 करोड़ रुपए होगी। यह भारत की पहली और दुनिया की दूसरी अंडरवॉटर रोड-कम-रेल टनल होगी, जिसमें एक ही सुरंग के भीतर सड़क और रेलवे ट्रैक दोनों होंगे। ट्रेन और वाहन एक साथ इस टनल से गुजर सकेंगे। परियोजना को इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यह टनल गोहपुर (एनएच-15) से नुमालीगढ़ (एनएच-715) के बीच बनाई जाएगी। अभी इन दोनों स्थानों के बीच लगभग 240 किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब 6 घंटे लगते हैं। टनल बनने के बाद यह सफर मात्र 20 मिनट में पूरा हो सकेगा। इससे असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड समेत पूर्वोत्तर राज्यों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। 11 आर्थिक, 3 सामाजिक, 2 पर्यटन और 8 लॉजिस्टिक नोड्स से जुड़ाव होगा। 4 प्रमुख रेलवे स्टेशन, 2 एयरपोर्ट और 2 जलमार्ग से संपर्क मजबूत होगा। करीब 80 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। दुनिया में अभी तक केवल इंग्लिश चैनल के नीचे बनी 'चैनल टनल' ही रोड-कम-रेल अंडरवॉटर सुरंग है, जो यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस को जोड़ती है।

शहरों के विकास के लिए यूसीएफ में 4 लाख करोड़ रुपए निवेश का लक्ष्य

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने शहरों के विकास के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में 1 लाख करोड़ रुपए के अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) को मंजूरी दी गई है। इस फंड के जरिए अगले पांच साल में शहरी क्षेत्र में करीब 4 लाख करोड़ रुपए का निवेश होने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार इस योजना के जरिए शहरों के विकास के तरीके में बड़ा बदलाव करना चाहती है। अब केवल सरकारी अनुदान पर निर्भर रहने के बजाय बाजार से पैसा जुटाकर और निजी भागीदारी बढ़ाकर शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा।

25% हिस्सा केंद्र सरकार देगी इस योजना में कुल लागत का। | **50%** पैसा बाजार से जुटाना होगा

- बाकी पैसा राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रदेश या शहरी स्थानीय निकाय देंगे।
- नगर निगम बॉन्ड, बैंक लोन और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के जरिए आएगा पैसा
- 2025-26 से 2030-31 तक लागू रहेगा यह फंड। जरूरत पड़ने पर इसे 2033-34 तक बढ़ाया जा सकता है।

तीन बड़े क्षेत्रों में होगा काम

- **शहरों को ग्रोथ हब बनाना:** आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा, बेहतर ट्रांसपोर्ट और आधुनिक ढांचा तैयार करना।
- **पुराने शहरों का नवीनीकरण:** पुराने बाजार, विरासत क्षेत्र और जर्जर इलाकों का पुनर्विकास।
- **पानी और स्वच्छता:** पेयजल, सीवर सिस्टम, वर्षा जल निकासी और ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करना।

छोटे शहरों को भी मिलेगा लाभ

छोटे और पहाड़ी राज्यों के शहरों के लिए 5,000 करोड़ रुपए की अलग गारंटी योजना भी मंजूर की गई है। इसके तहत छोटे शहरों को पहली बार बाजार से कर्ज लेने में केंद्र सरकार गारंटी देगी। इससे छोटे शहर भी कम से कम 20 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू कर सकेंगे।

प्रतियोगी आधार पर होगा चयन

परियोजनाओं का चयन प्रतियोगिता के आधार पर होगा। जो शहर बेहतर और सुधार आधारित प्रस्ताव देंगे, उन्हें प्राथमिकता मिलेगी। फंड जारी करने से पहले सुधार और तय लक्ष्य पूरे करना जरूरी होगा। सभी परियोजनाओं की निगरानी डिजिटल पोर्टल के जरिए की जाएगी।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर राहुल का आरोप

डील से वस्त्र उद्योग व कपास किसानों को होगा नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह ट्रेड डील देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग दोनों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। शनिवार को एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में राहुल ने कहा कि 18 फीसदी टैरिफ बनाम 0 फीसदी टैरिफ को लेकर सरकार भ्रम फैला रही है। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस मुद्दे पर पूरी सच्चाई देश के सामने नहीं रख रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि अगर भारत अमेरिकी कपास आयात करता है तो देश के अपने कपास किसान बर्बाद हो जाएंगे। वहीं, अगर अमेरिका से कपास आयात नहीं किया जाता, तो भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने इसे 'आगे कुआं, पीछे खाई' जैसी स्थिति बताया। राहुल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0 फीसदी टैरिफ का लाभ दिया जा रहा है, बशर्ते वह अमेरिकी कपास आयात करे। उन्होंने कहा कि भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब उन्होंने संसद में इस विशेष रियायत पर सवाल उठाया।

इधर, पीयूष गोयल ने गिनाए फायदे, कहा-

70% वर्ल्ड मार्केट खुला 38 देशों से एफटीए

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बजट और हालिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि भारत के लिए अब दुनिया का 70 फीसदी बाजार खुल चुका है और 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड डील हो चुकी है। गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत के निर्यात को बड़ा फायदा मिलेगा। खासकर टेक्सटाइल सेक्टर के लिए 35 हजार करोड़ रुपए का नया बाजार खुला है। उन्होंने बताया कि कई देशों में भारतीय उत्पाद अब शून्य या बहुत कम ड्यूटी पर भेजे जा सकेंगे।

एसआईआर: डेडलाइन से पहले नहीं जारी हो पाई अंतिम सूची

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के नौ राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत 7 फरवरी तक अपनी फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश नहीं कर सके। हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी ने शनिवार को अपनी फाइनल इलेक्टोरल रोल प्रकाशित कर दी। पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक केंद्र शासित प्रदेश की फाइनल वोटर लिस्ट में 9,44,211 मतदाता के नाम हैं। वहीं, लक्षद्वीप में कुल 57,607 मतदाता सूचीबद्ध किए गए हैं। 12 राज्यों-यूटी में वोटर लिस्ट के एसआईआर में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक कुछ राज्यों में काम समय पर पूरा नहीं हो सका। इसकी वजह यह रही कि वहां तय कार्यक्रम का ठीक से पालन नहीं किया गया। कई जगह निचले स्तर पर कामकाज में कमी रही, कुछ मामलों में राजनीतिक दखल भी हुआ।

एआई आधारित खेती से बड़े बदलाव की उम्मीद

7.63 करोड़ किसान आईडी

23.5 करोड़ फसल प्लॉट का सर्वे पूरा

केंद्र सरकार ने कहा है कि डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत देश में खेती के क्षेत्र में बड़े स्तर पर डिजिटल ढांचा तैयार किया गया है। अब तक 7.63 करोड़ किसान आईडी बनाई जा चुकी हैं और 23.5 करोड़ फसल प्लॉट का सर्वे पूरा हो चुका है। सरकार के अनुसार, यह पहल किसानों को तकनीक आधारित सेवाएं देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

फायदा: कीटों की समय पर पहचान और नियंत्रण संभव हो पा रहा है।

93 लाख से अधिक सवालों के जवाब दिए हैं दिसंबर 2025 तक किसान ई-मित्र चैटबॉट ने

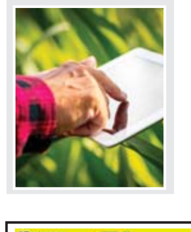

8,000 से ज्यादा किसानों की रोजाना मदद कर रहा है यह चैटबॉट

11 क्षेत्रीय भाषाओं में तुरंत जानकारी उपलब्ध कराता है ई-मित्र

3.88 करोड़ किसानों को 13 राज्यों में एसएमएस भेजे खरीफ 2025 के लिए मानसून आगमन का अनुमान लगाने वाले एआई आधारित पायलट प्रोजेक्ट के तहत

31 से 52 प्रतिशत किसानों ने इन जानकारियों के आधार पर बुआई और तैयारी के फैसलों में किया बदलाव।

दावा: विजय और रश्मिका ने नेटफ्लिक्स का 60 करोड़ का ऑफर ठुकराया!

एक्टर विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपनी कथित शादी के वीडियो के ओटीटी स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए 60 करोड़ रुपए का ऑफर ठुकरा दिया है। नेटफ्लिक्स ने कथित तौर पर शादी के एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए 60 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया था, जिसे दोनों ने अस्वीकार कर दिया। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक, विजय और रश्मिका जल्द शादी कर सकते हैं। इसी के चलते कई ओटीटी प्लेटफॉर्म उनके पास शादी का वीडियो खरीदने के लिए संपर्क कर रहे हैं। एक बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी उन्हें मोटी रकम की पेशकश की है। लेकिन जानकारी के मुताबिक, विजय और रश्मिका किसी भी कीमत पर अपनी कथित शादी का वीडियो बेचना नहीं चाहते। संभावना है कि वे इसे सीधे यूट्यूब पर ही रिलीज करें। गौरतलब है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया में कई तरह के दावे किए जा रहे हैं, हालांकि दोनों सितारों ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। दरअसल, पिछले साल अक्टूबर महीने में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सगाई कर ली है। अब खबरें हैं कि दोनों 26 फरवरी 2026 को शादी कर सकते हैं। इससे पहले 2 फरवरी को भी शादी की अफवाहें उड़ी थीं। दावा किया जा रहा है कि शादी राजस्थान के उदयपुर के एक हेरिटेज पैलेस में निजी समारोह में होगी।

शादी के वीडियो के मांगे थे एक्सक्लूसिव ओटीटी राइट्स

अमेरिका का आईएसआईएस पर बड़ा प्रहार

सीरिया में 30 से ज्यादा ठिकाने हवाई हमले में तबाह

वॉशिंगटन/दमिश्क, जेएनएन। अमेरिका ने सीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए 30 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन हॉकआई स्ट्राइक' के तहत की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, हमलों का उद्देश्य आईएसआईएस के नेटवर्क, हथियार भंडारण केंद्रों और प्रशिक्षण शिविरों को पूरी तरह नष्ट करना था। अमेरिका ने इस ऑपरेशन में एफ-15 ईगल फाइटर जेट, ए-10 थंडरबोल्ट अटैक एयरक्राफ्ट,एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर और हिमार्स रॉकेट सिस्टम का इस्तेमाल किया। अधिकारियों के अनुसार, हमले बेहद सटीक थे और आतंकियों के कई अहम ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह कार्रवाई पिछले महीने सीरिया के पाल्मायरा क्षेत्र में हुए हमले के जवाब में की गई है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमेरिकी नागरिक की मौत हो गई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले के लिए आईएसआईएस को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि अमेरिका पर हमला करने या धमकी देने वाले किसी भी आतंकी संगठन को कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। इस हमले का असर सीरिया की आंतरिक राजनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर पड़ सकता है। इससे आईएसआईएस के खिलाफ चल रही कार्रवाई को मजबूती मिलेगी, लेकिन साथ ही क्षेत्र में तनाव भी बढ़ सकता है। इस सैन्य दबाव से सीरिया सरकार और विपक्षी समूहों के बीच आईएसआईएस के खिलाफ सहयोग की संभावनाएं भी बन सकती हैं।

तनाव के बीच ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत को भेजा पश्चिम एशिया

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी और मजबूत कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड क्षेत्र में भेजा जा रहा है। यह न्यूक्लियर-पावर्ड सुपरकैरीयर है और अमेरिकी नौसेना की सबसे आधुनिक युद्ध क्षमता का प्रतीक माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जेराल्ड आर फोर्ड को मिडिल-ईस्ट पहुंचने में करीब एक सप्ताह लगेगा। वहां पहले से स्स अब्राहम लिंकन समेत अन्य युद्धपोत तैनात हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह कदम रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। जेराल्ड आर. फोर्ड हाल ही में कैरेबियन सागर में तैनात था और इस वर्ष वेनेजुएला में हुए अमेरिकी सैन्य अभियानों में भी शामिल रहा है।

दावा: वेनेजुएला ऑपरेशन में 'सीक्रेट हथियार'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि 3 जनवरी को वेनेजुएला में हुए सैन्य ऑपरेशन के दौरान अमेरिका ने एक 'सीक्रेट हथियार' का इस्तेमाल किया, जिसकी वजह से रूस और चीन के डिफेंस सिस्टम काम नहीं कर पाए। नॉर्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग सैन्य बेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने इस हथियार को 'डिसकम्बोबुलेटर' नाम दिया। हालांकि इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएलाई सैनिकों को एक भी गोली चलाने का मौका नहीं मिला और रूसी तथा चीनी उपकरण पूरी तरह निष्क्रिय हो गए। उन्होंने कहा, 'एक दिन आपको इसके बारे में पता चलेगा।'

सिफारिश वित्त आयोग बोला- करोड़ों डकार चुकीं कंपनियों पर लगे ताला

बंद होंगी 383 सरकारी जोंबी कंपनियां ?

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में सरकारी कंपनियों का एक ऐसा अंधेरा पक्ष है, जो दशकों से खजाने को दीमक की तरह चाट रहा है। देश में 383 ऐसी सरकारी कंपनियां हैं, जिन्हें जोंबी कंपनियां कहा जा सकता है। ये कागजों पर तो जिंदा हैं, लेकिन हकीकत में सालों से इन्होंने एक पैसे का उत्पादन नहीं किया है, इनमें से कुछ इकाइयां तो ऐसी हैं, जो पूरी तरह लापता हो चुकी हैं, जिनका रिकॉर्ड तक सरकार के पास नहीं है, फिर भी वे जनता के टैक्स के पैसों पर पल रही हैं।

हाल ही में पेश हुई 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट ने इस गंभीर मुद्दे पर प्रहार करते हुए इन कंपनियों को तुरंत बंद करने की सिफारिश की है। आयोग का मानना है कि इन निष्क्रिय इकाइयों को खींचना सरकारों के लिए भारी वित्तीय बोझ बन गया है। सीएजी की रिपोर्ट्स भी बार-बार चेतावनी दे रही हैं कि जो निवेश इन कंपनियों में फंसा है, वह आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रहा है। खजाने पर बोझ बनी इन 383 कंपनियों का अस्तित्व सिर्फ फाइलों तक रह गया है, इनमें से 75 इकाइयां केंद्र द्वारा संचालित हैं, जबकि बाकी राज्यों के अधीन हैं। 14 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में 2007 की तुलना में निष्क्रिय कंपनियों की संख्या और बढ़ गई है। महाराष्ट्र और उप्र इस सूची में सबसे ऊपर हैं।

कुल पीएसयू का 18% हैं निष्क्रिय कंपनियां

- **विशाल नेटवर्क:** देश के कुल पीएसयू का 18 प्रतिशत (383 इकाइयां) वर्तमान में निष्क्रिय श्रेणी में आता है।
- **बड़ा निवेश:** सिर्फ महाराष्ट्र और उप्र की 60 बंद इकाइयों में ही टैक्सपेयर्स का 5,700 करोड़ रुपए फंसा है।
- **समय सीमा की विफलता:** 13वें और 14वें वित्त आयोग की चेतावनियों के बावजूद राज्यों ने रोडमैप नहीं बनाया।
- **बिना काम वेतन:** प. बंगाल की मृत इकाइयों में अब भी लगभग 1,500 कर्मचारी तैनात दिखाए गए हैं।
- **लापता रिकॉर्ड:** असम की 3 कंपनियों (जैसे असम टेनरीज) का आखिरी हिसाब-किताब 1983-84 के बाद से नहीं मिला।

मप्र में 33 साल से ईकाई निष्क्रिय

मप्र में एक इकाई 33 साल से निष्क्रिय है, हरियाणा में 19 साल से कागजी प्रक्रिया चल रही है। कई बार सरकारें कीमती जमीनों के लालच में इन्हें बंद नहीं करतीं, जैसा कर्नाटक की एनजीईएफ लि. (119 एकड़ जमीन) मामले में देखा गया।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 520/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

FOR SALE

AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE MAHINDRA XUV 700 MODEL 2025, RC NO. - MP-04-YJ-3270 ENG. NO. ZTR4M78669, CHASIS NO.MA1NE2ZTFS6A43241 CONTACT SUNDARAM FINANCE LTD BHOPAL MOB. 9109107073

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

बीटीआर में मोबाइल एप से होगी गिद्धों की गणना

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अब गिद्धों की गिनती हाईटेक तरीके से होगी। पहली बार कागजों की जगह मोबाइल एप के जरिए 20 से 22 फरवरी तीन दिनों तक गिद्धों को गिना जाएगा। इसके लिए शनिवार को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में शहडोल, अनूपपुर, उमरिया और बांधवगढ़ के 50 से ज्यादा वन अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

सोमेश्वर धाम के ताले प्रतिदिन खोलने की मांग

जागरण, रायसेन। किले की पहाड़ी पर स्थित प्राचीन सोमेश्वर धाम के ताले प्रतिदिन खोलने की मांग को लेकर शनिवार को सकल हिंदू समाज, साधु-संतों और समस्त हिंदू संगठनों ने एक यात्रा निकाली। यह यात्रा पाटन देव हनुमान मंदिर से शुरू होकर प्रमुख मार्गों से होती हुई सागर तिराहे पर पहुंची। यात्रा में शामिल साधु-संतों और हिंदू समाज के लोगों ने एक स्वर में सोमेश्वर धाम के ताले खोलने की मांग की। उन्होंने तहसीलदार भरत सिंह को ज्ञापन सौंपा।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अजय राय
अध्यक्ष उप्र कांग्रेस

केंद्र सरकार नए कानून के जरिए किसानों की जमीन छीनने की कोशिश कर रही है। किसानों का हर स्तर पर उत्पीड़न हो रहा है, उसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। किसान कांग्रेस की ओर से प्रदेशभर में किसान अधिकार गांव संवाद अभियान शुरू किया है। इसके तहत किसान कांग्रेस के पदाधिकारी गांवों में जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। उन्हें भाजपा सरकार की गलत नीतियों की जानकारी देंगे।

बड़ी खोजः लॉन्ग कोविड और अल्जाइमर में हो सकती है समान बीमारी प्रक्रिया

नई दिल्ली, जेएनएन। एक नई स्टडी में संकेत मिला है कि लॉन्ग कोविड और अल्जाइमर बीमारी के पीछे कुछ समान जैविक प्रक्रियाएं हो सकती हैं। अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में हुई इस रिसर्च में पाया गया कि जिन लोगों में लॉन्ग कोविड के लक्षण बने रहे, उनके दिमाग में 'कोरॉइड प्लेक्सस' (सीएचपी) का आकार लगभग 10 प्रतिशत बड़ा पाया गया।

कोरॉइड प्लेक्सस दिमाग की रक्त वाहिकाओं का एक जाल होता है, जो सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड (सीएसएफ) बनाता है। यह द्रव दिमाग को सुरक्षा देता है और कचरे को बाहर निकालने में मदद करता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, सीएचपी इम्यून सिस्टम और सूजन को नियंत्रित करने में भी अहम भूमिका निभाता है।

स्टडी में कहा गया है कि दिमाग में कचरा साफ न होने की समस्या डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी बीमारियों से जुड़ी होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि लॉन्ग कोविड मरीजों में सीएचपी का बढ़ा आकार उन प्रोटीन स्तरों से जुड़ा था, जैसे 'पीताऊ217', जो अल्जाइमर बढ़ने के साथ बढ़ता है। इसके अलावा, दिमागी चोट से जुड़े कुछ अन्य प्रोटीन भी अधिक पाए गए।

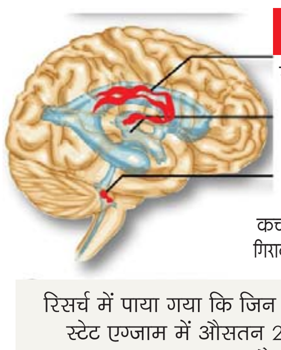

नतीजे

शोधकर्ताओं का कहना है कि कोविड संक्रमण के बाद लंबे समय तक बनी सूजन दिमाग की सुरक्षा दीवार को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे दिमाग में कचरा जमा होने और संज्ञानात्मक गिरावट का खतरा बढ़ सकता है।

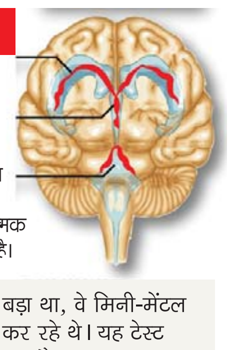

रिसर्च में पाया गया कि जिन मरीजों का सीएचपी बड़ा था, वे मिनी-मेंटल स्टेट एग्जाम में औसतन 2 प्रतिशत कम स्कोर कर रहे थे। यह टेस्ट याददाश्त और ध्यान क्षमता को मापता है।

लंबे समय तक करेंगे मरीजों की निगरानीः हालांकि वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि अभी यह तय नहीं है कि ये बदलाव लक्षणों का कारण हैं या परिणाम। किसी भी ठोस नतीजे पर पहुंचने के लिए आगे लंबे समय तक मरीजों की निगरानी कर यह समझने की कोशिश की जाएगी कि क्या ये बदलाव भविष्य में अल्जाइमर जैसी समस्याओं की भविष्यवाणी कर सकते हैं।

179 लोगों पर किया गया अध्ययन

अल्जाइमर एंड डिमेंशिया जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में 179 लोगों को शामिल किया गया। इनमें 86 लॉन्ग कोविड के न्यूरोलॉजिकल लक्षण वाले मरीज, 67 पूरी तरह ठीक हो चुके लोग और 26 ऐसे लोग थे जिन्हें कभी कोविड नहीं हुआ। सभी प्रतिभागियों का एमआरआई स्कैन किया गया।

मोबाइल हैक कर बेकरी संचालक के खाते से निकाले चार लाख

जागरण, ग्वालियर। शहर के मुरार के रहने वाले बेकरी संचालक को वॉशिंग मशीन सुधरवाने गूगल से कंपनी का कस्टमर केयर नंबर निकालना भारी पड़ गया। बेकरी संचालक को ठग ने एपीके फाइल भेजी। इस पर क्लिक करते ही मोबाइल हैक हो गया और खाते से चार लाख रुपये निकल गए। इस मामले में मुरार थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मुरार स्थित अशोक कॉलोनी निवासी सतीश कुमार बेकरी संचालक हैं। उनकी वाशिंग मशीन खराब हो गई थी। इसके चलते वह कंपनी का कस्टमर केयर नंबर गूगल पर ढूंढ रहे थे। यहां कंपनी के कस्टमर केयर नंबर की जगह ठग ने अपना नंबर डाला था। इस नंबर पर जब कॉल किया तो ठग ने कंपनी का कर्मचारी बनकर बात की, उसने कहा कि घर पर इंजीनियर तभी पहुंचेगा, जब रिपेयर ई-सर्विस फार्म जमा कर देंगे। इसके लिए ऑनलाइन ही आवेदन भरना होगा। रिपेयर ई-सर्विस के नाम से उसने एपीके फाइल भेजी, जैसे ही फाइल क्लिक की तो खाते से पैसे निकल गए।

नई सूची में 63,133 मतदाता जोड़े 3550 वेरिफिकेशन के इंतजार में

जिले में एसआईआर कार्य पूर्ण, बुधवार तक खत्म करनी होगी फार्म 6, 7 और 8 की पेंडेंसी

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में एसआईआर कार्य का दूसरा चरण भी सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया है। 14 फरवरी को शाम 6 बजे की स्थिति में 99.99 फीसदी मतदाताओं का वेरिफिकेशन करते हुए उन्हें मतदाता सूची में जोड़ा गया है, जबकि केवल 118 मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच न हो पाने के कारण उन्हें मतदाता सूची में जगह नहीं दी गई है। यानि ये मतदाता मतदाता सूची में नहीं जुड़ सकेंगे। इसके अलावा कलेक्टर भोपाल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी करते हुए बुधवार तक फार्म 6, फार्म 7 और फार्म 8 की पेंडेंसी को खत्म करने के आदेश दिए हैं। बता दें कि वर्तमान में 3550 मतदाताओं के फार्म 6 जांच के इंतजार में हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद इन्हें मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा। जिले में एसआईआर कार्य के दूसरे चरण में 81 हजार 762 मतदाताओं ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया था, जिसमें से 13 हजार 699 मतदाताओं के फार्म दस्तावेजों के अभाव में रिजेक्ट कर दिए गए, जबकि 3550 फार्म अब भी पेंडिंग है। जबकि 63 हजार 133 मतदाताओं के नाम जोड़ दिए गए हैं। इस तरह से नई मतदाता में मतदाताओं की संख्या 17 लाख 50 हजार 048 से 17 लाख 53 हजार 598 के बीच हो सकती है, अभी भी इनमें से 2951 से 4294 मतदाताओं के नाम काटे भी जाने हैं। नवीन मतदाता सूची में 17 लाख 50 हजार के आसपास मतदाता हो सकते हैं।

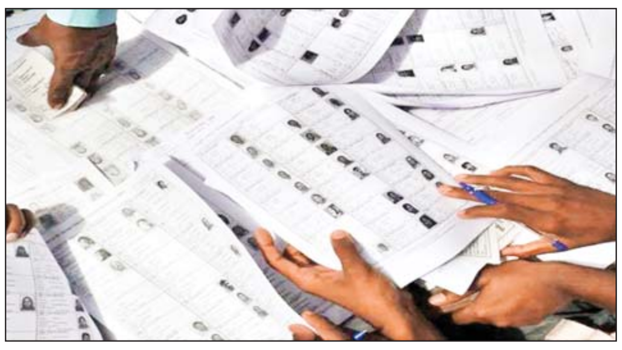

खत्म करना होगी यह पेंडेंसी

नई मतदाता सूची में फार्म 6 स्वीकृत करते हुए 63133 मतदाताओं को ड्राफ्ट रोल में जोड़ा गया है। जबकि 13 हजार 699 फार्म रिजेक्ट हुए हैं। 3550 फार्म अब भी पेंडिंग हैं। वहीं नाम काटने के लिए 2951 फार्म स्वीकार किए गए हैं। 4361 फार्म दस्तावेजों के अभाव में रिजेक्ट हुए हैं। जबकि 1343 फार्म पेंडिंग हैं। नाम, पता व मोबाइल नंबर सहित अन्य संशोधान के लिए 39 हजार 049 फार्म 8 स्वीकृत हुए हैं। दस्तावेजों के अभाव में 8072 फार्म रिजेक्ट हुए हैं, जबकि 1021 फार्म 8 अभी भी पेंडिंग हैं।

फार्म्स की पेंडेंसी की स्थिति

फार्म 6 में आवेदन की स्थिति				फार्म 7 में आवेदन की स्थिति				फार्म 8 में आवेदन की स्थिति			
विधानसभा	स्वीकृत	अस्वीकृत	पेंडिंग	विधानसभा	स्वीकृत	अस्वीकृत	पेंडिंग	विधानसभा	स्वीकृत	अस्वीकृत	पेंडिंग
बैरसिया	4211	239	12	बैरसिया	446	15	00	बैरसिया	2254	166	01
उत्तर	8967	1626	244	उत्तर	00	01	23	उत्तर	5719	318	54
नरेला	10034	5825	1230	नरेला	285	3486	995	नरेला	5704	2025	99
द. पश्चिम	5548	578	19	द. पश्चिम	648	58	00	द. पश्चिम	2977	1198	05
मध्य	5543	1161	666	मध्य	12	801	03	मध्य	3624	1352	262
गोविंदपुरा	15374	2547	1365	गोविंदपुरा	679	00	322	गोविंदपुरा	8368	1421	598
हुजूर	13456	1323	14	हुजूर	881	00	00	हुजूर	10403	1592	02
कुल	63133	13699	3550	कुल	2951	4361	1343	कुल	39049	8072	1021

3200 करोड़ रुपए के फ्रॉड के सरगना को भारत लाने की तैयारी

विदेश जाएगा जांच एजेंसियों का दल, अरब देशों में छिपकर ऑपरेट कर रहा गिरोह

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के सबसे बड़े ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड घोटाले का मास्टरमाइंड अब भी विदेश में छिपकर बैठा है। उसे अब देश वापस लाने की कार्रवाई तेज हो गई है। 3200 करोड़ के इस घोटाले में एमपी स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और ईडी उसे विदेश से लाने की तैयारी में हैं।

इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड नवाब उर्फ लविश चौधरी बताया जा रहा है, जो वर्तमान में दुबई में छिपा हुआ है। जांच में सामने आया है कि लविश ने ठगी के पैसों से यूएई, कतर, ओमान, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में साम्राज्य खड़ा कर लिया है, जिसमें आलीशान विला और प्राइवेट जेट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। वह भारत की जांच एजेंसियों को फिलहाल धता बताते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ठगी जारी रखे हुए है।

यह है ठगी का तरीका

लविश अपनी कंपनी यॉर्कर एफएक्स और यॉर्कर कैपिटल जैसी फर्जी कंपनियों के नाम पर लोगों को झांसा दे रहा है। उसने लोगों को सोशल मीडिया के जरिए शेयर ट्रेडिंग और करेंसी ट्रेडिंग में निवेश करने पर 6 से 8 प्रतिशत फिक्स्ड मंथली

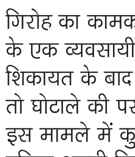

रिटर्न और पैसा दोगुना करने का लालच देकर करोड़ों की ठगी की और विदेश भाग गया। अब उसके एजेंट देश के अलग-अलग राज्यों में गिरोह का कामकाज संभाल रहे हैं। इंदौर के एक व्यवसायी ईशांत सलूजा की शिकायत के बाद एसटीएफ ने जांच की तो घोटाले की परतें खुलती चली गईं। इस मामले में कुल 9 आरोपियों को पुलिस अपनी गिरफ्त में ले चुकी है, जबकि एसटीएफ ने विभिन्न बैंक खातों में जमा लगभग 250 करोड़ से अधिक की राशि को फ्रीज किया है। एसटीएफ मुख्य आरोपी लविश चौधरी के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कर चुकी है और उसे अब विदेश से लाने की तैयारी में है।

विदेश जाएगा एसटीएफ और ईडी का दल

मामला मनी लॉन्ड्रिंग और अंतरराष्ट्रीय ट्रांजेक्शन से जुड़ा है, इसलिए ईडी भी इसमें सक्रिय है। जानकारी के अनुसार एसटीएफ और ईडी की एक संयुक्त टीम जल्द ही दुबई समेत अन्य संबंधित देशों में जाएगी, जो लविश के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया के साथ उसकी विदेशी संपत्तियों को भी अटैच करेगी। इस बीच लविश चौधरी की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वालों पर एसटीएफ और ईडी ने इनाम की राशि को बढ़ाकर 55 हजार रुपये कर दिया है। विदेश में बैठकर अपना सिंडिकेट चलाने वाले इस सरगना के खिलाफ जल्द ही रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी होगा, जिसका मतलब 190 से अधिक देशों में कहीं भी छिपे लविश चौधरी को देखते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश के आईएएस ने डिप्टी सेक्रेटरी से रचाई तीसरी शादी, दो पत्नियां हैं कलेक्टर

जागरण, भोपाल। एमपी कैडर के 2014 बैच के आईएएस अधिकारी अवि प्रसाद यूं तो अपनी प्रशासनिक दक्षता और रचनात्मक कार्यों के लिए जाने जाते हैं पर इन दिनों वे अलग वजह से सुर्खियों में हैं। वेलेंटाइन डे से ठीक 3 दिन पहले उन्होंने 2017 बैच की आईएएस प्रदेश की डिप्टी सेक्रेटरी अंकिता से विवाह किया। आइएएस अवि प्रसाद की यह तीसरी शादी है। उनकी पूर्व की दोनों पत्नियां भी आईएएस अधिकारी हैं और कलेक्टर का दायित्व संभाल रहीं हैं। आईएएस अधिकारी अवि प्रसाद प्रदेश के कई जिलों में जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर रह चुके हैं। वर्तमान में वे मध्यप्रदेश रोजगार गारंटी परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में पदस्थ हैं। बडनगर (उज्जैन) में अपनी पदस्थापना के दौरान अवि प्रसाद की खासियत सामने आई थी। महज आठ माह के कार्यकाल के

दौरान उन्होंने 1100 दिव्यांगों को फ्री मेडिक्लेम पॉलिसी का लाभ दिलवाकर बडनगर अनुभाग को देश में अलग पहचान दिला दी थी। मूल रूप से यूपी के अवि प्रसाद उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद कम्पीटीशन की तैयारियों में जुट गए। वे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर चुन लिए गए। बतौर मैनेजर पोस्टिंग के ही अवि प्रसाद ने सिविल सर्विसेज क्रेक किया। वर्ष 2013 में आईपीएस सेलेक्ट हुए थे। यूपीएससी वर्ष 2014 की परीक्षा में उन्हें 13वीं रैंक मिली। अवि प्रसाद ने राजनीति बहुत करीब से देखी है। उनके दादा टम्बेश्वर प्रसाद उर्फ बच्चा बाबू चौधरी चरण सिंह की सरकार में मंत्री रहे हैं। यही कारण है कि वे राजनेताओं को खुद पर कभी हावी नहीं होने देते। आईएएस अवि प्रसाद ने दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान निकट आईं आईएएस रिजु बाफना से विवाह किया था पर यह रिश्ता ज्यादा नहीं चला। कुछ ही साल में दोनों अलग हो गए। रिजु बाफना अभी शाजापुर की कलेक्टर हैं। आंध्र प्रदेश की 2016 बैच की आईएएस अधिकारी मिशा सिंह से उन्होंने दूसरी शादी की। विवाह के बाद मिशा सिंह ने एमपी केडर ले लिया पर अवि प्रसाद से करीब चार साल में संबंध विच्छेद हो गए। वे अभी रतलाम कलेक्टर हैं। आईएएस अवि प्रसाद ने अब 2017 बैच की आईएएस अधिकारी अंकिता से तीसरी शादी की है। 11 फरवरी को दोनों कूनो राष्ट्रीय उद्यान में विवाह बंधन में बंधे। अंकिता राज्य मंत्रालय में डिप्टी सेक्रेटरी हैं।

सिंगापुर समेत 4 देशों के फूलों से सजा महाकाल का दरबार

कर्नाटक के 200 कलाकारों ने दक्षिण भारत के नटराज मंदिर की तर्ज पर की सजावट

महाशिवरात्रि पर उज्जैन में बाबा महाकाल के दरबार की आकर्षक सजावट।

जागरण, उज्जैन। देश और विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर उत्सवी नजारा है। विदेशी फूलों से बाबा महाकाल के दरबार की सजावट की है। बेंगलुरु से पहुंचे 200 से अधिक कलाकारों ने 40 से ज्यादा प्रजातियों के फूलों से मंदिर परिसर की आकर्षक सजावट की है। महाशिवरात्रि पर्व पर हर साल महाकालेश्वर मंदिर को बेंगलुरु से आए कलाकार निशुल्क विदेशी फूलों से सजाते हैं। कलाकारों ने मंदिर के नंदी हॉल की आकर्षक फूलों से सजावट की। लाखों रुपए की लागत से अधिकांश विदेशी फूल हवाई मार्ग से पहले बेंगलुरु और फिर इंदौर लाए गए हैं। शनिवार रात महाकाल का आंगन पूरी तरह विदेशी फूलों से सजा नजर आया। महाकालेश्वर मंदिर की सजावट इस बार दक्षिण भारत के प्रसिद्ध नटराज मंदिर की थीम पर की गई। सजावट कार्य का नेतृत्व कर रहे कृष्णमूर्ति रेड्डी ने बताया कि उनकी टीम के कलाकार बीते 12 वर्षों से महाशिवरात्रि पर मंदिर को प्राकृतिक फूलों और पत्तियों से पूरी तरह नेचुरल थीम में सजाते आ रहे हैं। इस बार फूल सिंगापुर, हांगकांग, स्विट्जरलैंड और इंडोनेशिया से मंगाए गए हैं। सजावट गर्भगृह के साथ-साथ नंदी हाल और मंदिर के प्रमुख हिस्सों में भी की है। पिछले वर्ष महाशिवरात्रि की सजावट पर लगभग 30 लाख रुपये खर्च हुए थे, जबकि इस बार का अंतिम खर्च आयोजन के बाद तय होगा।

चर्चा चांद के चारों ओर स्पेस स्टेशन की जरूरत, लागत, देरी और फंड कटौती पर बहस तेज

फंड कटौती से जूझ रही चांद पर स्थायी बस्ती की योजना

नई दिल्ली, जेएनएन। चांद की परिक्रमा करने वाले प्रस्तावित स्पेस स्टेशन 'लूनर गेटवे' को लेकर अमेरिका में बहस तेज हो गई है। यह स्टेशन नासा के नेतृत्व वाले आर्टेमिस प्रोग्राम का हिस्सा है। आर्टेमिस का लक्ष्य इंसानों को दोबारा चांद पर भेजना, वहां स्थायी इंसानी बस्ती का निर्माण और मौजूदगी बनाना और आगे चलकर मंगल ग्रह तक पहुंचना है। लेकिन लूनर गेटवे परियोजना को देरी, बढ़ती लागत और संभावित अमेरिकी फंड कटौती जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 2026 के प्रस्तावित बजट में इसे रद्द करने की बात उठी थी, हालांकि सीनेट के विरोध के बाद फिलहाल फंडिंग जारी है। फिर भी नीति-निर्माताओं के बीच यह सवाल बना हुआ है कि क्या चांद के आसपास स्पेस स्टेशन वास्तव में जरूरी है?

बहुराष्ट्रीय है लूनर गेटवे योजना

गेटवे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह चांद मिशनों के लिए एक 'स्टेजिंग प्वाइंट' बने। यहां से अंतरिक्ष यात्री और रोबोटिक मिशन चांद की सतह पर जा सकेंगे। यह वैज्ञानिक शोध और मंगल मिशन की तैयारी के लिए नई तकनीकों की जांच का केंद्र भी होगा। यह परियोजना बहुराष्ट्रीय है। इसमें नासा के साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी, जापान की जाक्सा और यूएई का मोहम्मद बिन राशिद स्पेस सेंटर शामिल हैं। कई मॉड्यूल पहले ही तैयार होकर अमेरिका पहुंच चुके हैं।

आलोचकों का कहना है कि आर्टेमिस कार्यक्रम गेटवे के बिना भी आगे बढ़ सकता है। कुछ का तर्क है कि चांद पर सीधी लैंडिंग और सतह पर बेस बनाना ज्यादा व्यावहारिक होगा। वहीं बढ़ती लागत और तकनीकी चुनौतियां भी चिंता का कारण हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि गेटवे रद्द होता है तो अमेरिका की वैश्विक अंतरिक्ष साझेदारी और नेतृत्व पर असर पड़ सकता है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि यदि इसे बदला या पुनर्गठित किया जाए तो इसके हार्डवेयर का उपयोग चांद की सतह या मंगल मिशन में किया जा सकता है।

समर्थकों का तर्क

- समर्थकों के मुताबिक गेटवे गहरे अंतरिक्ष में तकनीक परीक्षण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और दीर्घकालिक मानव उपस्थिति के लिए जरूरी है। यह चीन और रूस की संयुक्त 'इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन' परियोजना के मुकाबले अमेरिका की रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करेगा।
- 2030 के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के रिटायर होने की योजना है। ऐसे में गेटवे अंतरराष्ट्रीय सहयोग का नया मंच बन सकता है।

ठहरा तापमान, तीन दिन बाद गर्मी बढ़ने के आसार

नगर संवाददाता, भोपाल। मप्र में सर्दी की विदाई और गर्मी की आहट के बीच मौसम फिर करवट लेने को तैयार है। 16 फरवरी के बाद प्रदेश में बादलों की आवाजाही बढ़ने के संकेत हैं। इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना बताया जा रहा है। फिलहाल हालात ऐसे हैं कि दिन में गर्मी चुभने लगी है, जबकि रात में हल्की ठंड बनी हुई है। भोपाल समेत इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, बैतूल, धार, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, रतलाम, दमोह, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, सागर और सिवनी में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। खंडवा सबसे गर्म रहा, जहां 33.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। हालांकि दिन की तुलना में रातें अभी भी ठंडी हैं। कटनी के करौंदी में न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पचमढ़ी में 9.2 डिग्री और खजुराहो में 10.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। ग्वालियर में भी रात का पारा 12.5 डिग्री तक नीचे आया। यानी दिन और रात के तापमान में साफ अंतर बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान पश्चिमी विक्षोभ के असर से कुछ हिस्सों में हल्के बादल नजर आ रहे हैं।

कल सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।